नई दिल्ली

मंगलवार 10 मार्च 2026

चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
सप्तमी वर्ष : 29, अंक : 325
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 29
न्यून. 16

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

विश्वकप जीत के हीरो रहे 'सैमसन'

केरल सरकार करेगी सम्मानित

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के हीरो बने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को उनके शानदार प्रदर्शन के बाद अपने गृह राज्य केरल में भव्य सम्मान मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के नेतृत्व वाली केरल शेष पेज 5 पर

एसआईआर अभियान की सराहना की और चुनाव आयोग पर अपना पूर्ण विश्वास जताया

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों की चुनाव आयोग ने की समीक्षा, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान का दिया भरोसा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ कोलकाता में आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान चुनाव आयोग ने चुनाव से जुड़े सभी पहलुओं पर अधिकारियों के साथ चर्चा की और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी सुझाव लिए।

समीक्षा बैठक के दौरान आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों—आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी—के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इसके अलावा राज्य के मान्यता प्राप्त दलों ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया।

बैठक में अधिकांश राजनीतिक दलों ने पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की सराहना की और चुनाव आयोग पर अपना पूर्ण विश्वास जताया। दलों ने आयोग से अपील की कि आगामी चुनाव के दौरान मतदाताओं के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा, डराने-धमकाने या दबाव बनाने की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

राजनीतिक दलों ने आयोग से यह भी आग्रह किया कि

चुनाव के दौरान प्रत्येक मतदाता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और हिंसा पर नियंत्रण के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की पर्याप्त तैनाती की जाए। दलों ने आशंका जताई कि चुनाव के दौरान कुछ स्थानों पर कच्चे बम, अवैध हथियार, धनबल और बाहुबल का इस्तेमाल किया जा सकता है, इसलिए इन पर विशेष निगरानी रखी जानी चाहिए। इसके साथ ही कई दलों ने सुझाव दिया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव एक या दो चरणों में कराए जाएं, ताकि चुनाव प्रक्रिया अधिक प्रभावी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया कि भारत में चुनाव पूरी तरह कानून के अनुसार कराए जाते हैं और पश्चिम बंगाल में भी स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मतदाताओं या चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के खिलाफ हिंसा और डराने-धमकाने की किसी भी घटना के प्रति आयोग की शून्य सहनशीलता की नीति शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तीन दिन में 31,700 रुपए सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली। खाड़ी देशों में जारी तनाव के बीच सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है।

सोमवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, सोने के भाव में मामूली बढ़त देखी गई। चांदी की कीमत 3400 रुपए की गिरावट के साथ 2,68,300 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमतों में तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई।

एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग का नियम बदला

नई दिल्ली। जंग के मद्देनजर घरेलू रसोई गैस की जमाखोरी रोकने के लिए बुकिंग का समय

21 से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। सूत्रों की माने तो कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं जहां जो लोग पहले 55 दिनों में एलपीजी सिलेंडर बुक करते थे, उन्होंने अब 15 दिनों में एलपीजी सिलेंडर बुक करना शुरू कर दिया है।

राममंदिर में क्यूआर कोड से मिलेगी एंट्री

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में 19 मार्च को होने वाले समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम में आने वाले विशिष्ट

अतिथियों को क्यूआर कोड से लैस विशेष आमंत्रण पत्र जारी किए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मेहमानों को प्रवेश से पहले क्यूआर कोड स्कैन कराना अनिवार्य होगा।

विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच विदेश मंत्री ने संसद में पश्चिम-एशिया के हालात पर साफ किया सरकार का रुख

बातचीत-कूटनीति से आएगी शांति, नागरिकों की सुरक्षा-ऊर्जा हित सर्वोच्च प्राथमिकता: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध से पश्चिम-एशिया क्षेत्र में लगातार बिगड़ते हालात, तेल की कीमतों में उछाल के संदर्भ के बीच सोमवार को बजट सत्र के दूसरे चरण का पहला दिन संसद में हंगामे के साथ गुजरा। कांग्रेस की अगुवाई में लगभग समूचा विपक्ष सरकार के खिलाफ आक्रामक अंदाज में हंगामा और नारेबाजी करता हुआ नजर आया। मामला अति संवेदनशील है, इसलिए खुद विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर सामने आए और उन्होंने स्वतः संज्ञान लेते हुए लोकसभा और राज्यसभा में सरकार का रुख विस्तार से साफ किया है। लोकसभा में दिए अपने बयान में जयशंकर ने कहा कि 1 मार्च को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) की बैठक के खत्म होने के तुरंत बाद से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्षेत्र के समूचे घटनाक्रम पर लगातार कड़ी नजर बनी हुई है। इलाके के कई देशों के अपने समकक्षों और अन्य शीर्ष नेताओं के साथ उन्होंने सीधे टेलीफोन वार्ता के माध्यम से संपर्क साधा है। कूटनीतिक माध्यमों से हम अमेरिका के भी संपर्क में बने हुए हैं। वहीं, तनाव के मौजूदा चिंताजनक दौर में भारत एक बार फिर से बातचीत और शेष पेज 5 पर

- बोले, क्षेत्र में रह रहे 1 करोड़ भारतीयों में से अब तक हुई 67 हजार लोगों की वतन वापसी
- 28 फरवरी को भारत को तीन जहाजों की मदद के लिए ईरान से मिला अनुरोध, 1 मार्च को दी मंजूरी
- विदेश मंत्री ने एनएसए और सीडीएस के साथ संसद भवन में की एक बैठक

3 जहाजों के लिए ईरान ने मांगी मदद

उन्होंने कहा कि 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत के साथ बनी पूरी परिस्थिति हमारे लिए गंभीर चिंता का कारण है। लेकिन तभी भारत ने अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया था। जिसमें हमने धैर्य, संयम को ध्यान में रखकर आक्रामकता से दूरी बनाते हुए सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बरकरार रखने जोर दिया है। इसी बीच ईरान ने अपने तीन जहाजों (आईआरआईएस) डेना, लावन और बुशहर को हमारे बंदरगाहों पर रुकने के लिए अनुरोध किया था। जिस पर भारत ने 1 मार्च को अपना जवाब मंजूरी के साथ हां में दिया और फिर 4 मार्च को लावन जहाज कोच्चि बंदरगाह पर आकर रुका। जहाज के चालक दल के तमाम सदस्यों को इलाके की शेष पेज 5 पर

स्वदेश लौटे 67 हजार भारतीय

विदेश मंत्री ने सदन में बताया कि ईरान की राजधानी तेहरान समेत पूरे खाड़ी क्षेत्र में मौजूद हमारे सभी दूतावास और राजनियक दृढ़ संकल्प के साथ अपने देश के नागरिकों की सुरक्षा और उसके साथ ही ऊर्जा सुरक्षा जैसे हमारे व्यापारिक लक्ष्यों को सुनिश्चित करने के लिए जुटे हुए हैं। उन्होंने दुबई, दोहा और अबूधाबी में फंसे हुए देश के यात्रियों को सीमापार करने के लिए मदद करते हुए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से ओमान और कतर, क्वैत और बहरीन से सऊदी अरब भेजा गया है। जहां कहीं भी हमें हवाई सीमा आंशिक रूप से खुली मिली है। हमने वाणिज्यिक उड़ानों (गैर-निर्धारित उड़ानें शामिल हैं) के शेष पेज 5 पर

खाड़ी संग 200 बिलियन डॉलर का व्यापार

खाड़ी क्षेत्र भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है। हमारे बीच सालाना 200 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है। बीते दशक में क्षेत्र द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में सराहनीय निवेश किया गया है। ऐसे में सप्लाई चेन में आ रही बाधाओं और अस्थिरता का बढ़ता माहौल हमारे लिए गंभीर चिंता का मुद्दा है। वाणिज्यिक जहाजों पर हमले जारी हैं। जिनमें से ज्यादातर में चालक दल में भारत के नागरिक ही शामिल रहतें हैं। संबंधित घटनाओं में हमारे दो नाविकों की दुखद मृत्यु हुई है। जबकि एक अन्य लापता है। सदन की ओर से मैं मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं प्रकट करता हूं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर पड़ेगा कुप्रभाव, राज्यसभा में खरगे ने की चर्चा की मांग

पश्चिम एशिया में संघर्ष से भारत की अर्थव्यवस्था प्रभावित, प्रधानमंत्री चर्चा से बच रहे : राहुल गांधी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को संसद में कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है और इसका प्रभाव देश की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ेगा। उन्होंने 'भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए उभरती चुनौतियां' विषय पर सदन में नियम 176 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराए जाने की मांग की।

राज्यसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर तत्काल चर्चा कराने से मोदी सरकार के लगातार इनकार के कारण सभी विपक्षी सांसदों ने पूरे दिन के लिए वॉकआउट भी किया।

राज्यसभा में अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों को रेखांकित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। साथ ही, भारत की छवि भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने याद दिलाया कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया से आयात करता है। उन्होंने कहा कि संघर्ष बढ़ने से देश की आर्थिक स्थिरता पर भी सीधा प्रभाव पड़ेगा। उस क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय कार्यरत हैं, जिनकी सुरक्षा और आजीविका वहां की स्थिरता पर निर्भर करती है। उन्होंने कुछ भारतीयों के मारे जाने और लापता होने की खबरों पर भी अपनी चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों से भारत को सालाना लगभग 51 बिलियन यूएस डॉलर की राशि भेजी जाती है, जो लाखों भारतीय परिवारों की जीवनरेखा है। खरगे ने अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता के बीच देश में बढ़ती महंगाई की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि इन वैश्विक परिस्थितियों का बोझ गरीब परिवारों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में रसोई गैस सिलेंडर के दाम में लगभग 60 रुपये और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 115 रुपये की वृद्धि हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष शेष पेज 5 पर

सीएम ने एक्स पर दी जानकारी

कूनों में मादा चीता ज्वाला ने 5 शावकों को दिया जन्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

कूनो नेशनल पार्क से सोमवार को एक बार फिर तब सुकून देने वाली खुशखबरी आई जब मादा चीता ज्वाला ने 5 शावकों को जन्म देने की सूचना मिली। इसके साथ ही अब कूनो नेशनल पार्क में चीतों का अर्ध शतक भी पूरा हो गया है। क्योंकि कूनो नेशनल पार्क में जहां कुल चीतों की संख्या 50 हो गई है,वहीं भारत में कुल 53 चीते हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर खुद यह जानकारी साझा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर लिखा कि कूनो नेशनल पार्क से फिर खुशखबरी मिली है। चीता ज्वाला ने 5 शावकों को जन्म दिया है, जो प्रोजेक्ट चीता के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही भारत में चीतों की संख्या अर्धशतक के आंकड़े को पार करते हुए 53 तक पहुंच गई है। तीन चीते गांधी सागर अभयारण्य में मौजूद हैं। ज्वाला पहले भी कूनो नेशनल पार्क में दो बार शावकों को जन्म दे चुकी है। ज्वाला (पूर्व नाम सियाया) इससे पहले कूनो में ही दो बार मां बन चुकी है।

भाजपा ने तीन राज्यों के राज्यसभा चुनाव हेतु नियुक्त किए केंद्रीय पर्यवेक्षक

हरियाणा के लिए गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को केंद्रीय पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी

बिहार के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, ओडिशा के लिए महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले पर्यवेक्षक बनाये गये

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने तीन राज्यों के आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के तौर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, ओडिशा के लिए महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले और हरियाणा के लिए गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर नियुक्त किया है।

राज्यसभा के आगामी चुनाव को लेकर देशभर की सियासत में गर्माहट बढ़ गई है। साथ ही राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन शेष पेज 5 पर

पश्चिम-एशिया संकट के बीच...

भारत-इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस डील को दिया अंतिम रूप, जल्द होगा समझौता

शुरुआत में ब्रह्मोस मिसाइल की एक बैटरी की खरीद की जाएगी, बाद में ये प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ेगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में जारी युद्ध के बीच इंडोनेशिया ने भारत के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से जुड़े समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। जिसके तहत शुरुआत में उसके द्वारा मिसाइल की एक बैटरी की खरीद की जाएगी। जिसे

लेकर समझौते को आगामी वित्त वर्ष के दौरान अमलीजामा पहनाया जा सकता है। यहां बता दें कि अगर दोनों देशों के बीच मिसाइल की खरीद को लेकर यह समझौता हो जाता है तो इंडोनेशिया फिलीपींस के बाद दुनिया का दूसरा देश होगा। जिसने भारत से ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद की है। फिलीपींस ने 2022 में भारत से ब्रह्मोस मिसाइल की तीन बैटरी खरीदी थी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि अभी फिलहाल इंडोनेशिया एक बैंक द्वारा इस खरीद के लिए वित्तीय मदद की कवायद में लगा हुआ है। जैसे ही इससे संबंधित जरूरी कागजात की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, उसके बाद संभवतः अगले दो से तीन महीने में समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। अपनी तटीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए इंडोनेशिया इस मिसाइल को खरीद रहा है। प्रारंभिक स्तर पर वह मिसाइल की एक बैटरी भारत से लेगा और उसके बाद चरण दर चरण इस मामले में आगे बढ़ेगा। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच इस मामले को लेकर बीते कुछ वक्त से बातचीत शेष पेज 5 पर

इसलिए सुपरसोनिक मिसाइल है ब्रह्मोस

बीते साल के आखिरी महीनों में भी इसे लेकर जानकारी सामने आई थी कि भारत और इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद को अंतिम रूप देने के करीब आ चुके हैं। नवंबर 2025 में इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने अपनी भारत की यात्रा के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल सुविधा का दौरा भी किया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें इस मिसाइल का एक मॉडल भेंट स्वरूप सौंपा था। ये मिसाइल भारत और रूस से संयुक्त रूप से विकसित की है। ध्वनि की गति से तीन गुना अधिक तेजी के साथ दुश्मन के ठिकानों को हमला कर नष्ट करने की वजह से इसे सुपरसोनिक मिसाइल कहा जाता है।

हादसे के बाद भीड़ ने बस फूंकी

नांगलोई में डीटीसी बस ने चार को कुचला, दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नांगलोई नजफगढ़ रोड पर सोमवार को दिल्ली परिवहन निगम की एक बस ने स्कूटी और बाइक सवार चार लोगों को कुचल दिया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों की भीड़ ने बस में तोड़फोड़ की और बाद में उसे आग के हवाले कर दिया। भीड़ को तितर बितर करने के लिये पुलिस बल ने मौके पर पहुंच स्थिति संभाली। हादसे को लेकर दो अलग अलग एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस के अनुसार इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। भीड़ ने बस पर पथराव किया और अन्य वाहनों के शीशे भी तोड़ दिए। डीएफएस ने बताया कि उसे पूर्वाह्न करीब 10 बजे एक डीटीसी बस में आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि एक बस में आग लगी थी और कुछ अन्य वाहनों की खिड़कियां क्षतिग्रस्त पाई गई। पूर्वाह्न 11 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। उधर निहाल विहार पुलिस को सुबह करीब 9.45 बजे सूचना मिली। नजफगढ़ की तरफ से आ रही डीटीसी क्लस्टर बस नंबर डीएल 1 पीडी 6223 ने नजफगढ़ नांगलोई रोड पर एक स्कूटी, एक बाइक, एक हाथ रिक्शा और कुछ पैदल चलने वालों को टक्कर मारी थी। पुलिस टीम 5-10 मिनट के भीतर मौके पर पहुंची और हालात को कंट्रोल किया। हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। मरने वालों को संजय गांधी और महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। एक घायल महिला मनसा राम हॉस्पिटल निहाल विहार में है। करीब 500 लोगों की भीड़ हादसे के बाद मौके पर जमा हो गई थी। एक्सीडेंट में शामिल बस को नुकसान पहुंचाया और नांगलोई की तरफ से आ रही एक और डीटीसी क्लस्टर बस नंबर डीएल1 पीडी 5674 जली हुई हालत में मिली है। गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। डीटीसी अधिकारियों के अनुसार घटना के समय जा रही पांच और बसों को भी हल्का नुकसान हुआ है। ये बसें मौके पर नहीं मिलीं।

घटना को लेकर दो एफआईआर दर्ज की गई

पुलिस के अनुसार हादसे में मरने वालों के नाम रवि कांत शर्मा (32) पुत्र सतेंद्र शर्मा निवासी निहाल विहार और कमल जीत (39) पुत्र जितेंद्र निवासी शिव राम पार्क पता चलें हैं। दोनों स्कूटी और बाइक पर सवार थे। इनके अलावा, दो और लोग अमन (23) पुत्र श्रवण और एक 20 वर्षीय महिला निवासी शिव राम पार्क, नांगलोई जो बाइक पर थे घायल हुये हैं। इस घटना में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई है। एक एफआईआर उस गाड़ी के ड्राइवर के खिलाफ जिसकी वजह से यह जानलेवा एक्सीडेंट हुआ। ड्राइवर दीपक को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है। दूसरी उन लोगों के खिलाफ जिन्होंने डीटीसी बस को नुकसान पहुंचाया।

बस दुर्घटना को लेकर कर्मचारी संगठन ने उठाए गंभीर सवाल, ठेकेदारी प्रथा जिम्मेदार

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के अधीन चल रही निजी, यानी कलस्टर बसों से आए दिन दुर्घटना होने के मामले बढ़ते जा रहे है। ऐसे में सोमवार को हुई नजफगढ़ बस दुर्घटना को लेकर डीटीसी कर्मचारियों के संगठन डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी व महामंत्री मनोज शर्मा ने आरोप लगाया कि जब तक दिल्ली में जेबीएम व ऑरेंज बसों में प्राइवेट ठेकेदारों के ड्राइवर रहेंगे तब तक दिल्ली में रोज किसी न किसी घर का चिराग बुझता रहेगा। उन्होंने कहा कि क्योंकि यह सब ड्राइवर ठेकेदारों ने डीटीसी की पात्रता को ठेंगा दिखाते हुए बिना किसी योग्यता के उनको भर्ती कर रखा है। इसके अलावा ठेकेदार इनके ऊपर एक दिन में ज्यादा से ज्यादा किलोमीटर दूरी तक बस को चलाने का दबाव बनाते है, अतिरिक्त प्रोत्साहन देने का लालच देते हैं। प्रोत्साहन राशि के चक्कर में अपरिपक्व ड्राइवर सड़कों पर अंधाधुंध बसों को दौड़ाते है। प्रोत्साहन राशि के लिए ड्राइवर न रेड लाइट की परवाह करते हैं और न ही दुर्घटना में किसी की जान जाने की परवाह करते है। इन ड्राईवरों को यह अच्छी तरह से पता है कि एक डिपो से हटा दिया तो क्या दूसरे में जाकर बस चला लेगा। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन ड्राईवरों से सुरक्षित व जिम्मेदारी पूर्ण नौकरी की उम्मीद कैसे की जा सकती है। संगठन ने सरकार व डीटीसी प्रबंधन से अपील की है कि सड़क पर चलते इन यमदूतों को रोकने के लिए कोई ठोस कार्रवाई करे।

उत्तराखंड के डबल मर्डर केस का आरोपी दिल्ली में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ लिव इन पार्टनर और उसकी नौ साल की बेटी का किया था कत्ल

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अपनी लिव इन पार्टनर और उसकी नौ वर्षीय बेटी की हत्या करने के आरोपी नेपाली नागरिक को दिल्ली में गिरफ्तार किया गया है। नॉर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ की गिरफ्त में आये आरोपी का नाम दीपक बहादुर (38) बताया गया है। इसके खिलाफ सात मार्च को कोतवाली, रुद्रप्रयाग में केस दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार रुद्रप्रयाग पुलिस को एक किराए के कमरे से दुर्गंध आने के संबंध में छह मार्च को सूचना मिली थी। इलाके के एक निवासी ने गौर किया कि 34 वर्षीय एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी के साथ उस कमरे में रह रहा बहादुर कई दिनों से दिखाई नहीं दिया है। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया था। पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंची एक टीम ने कमरा बंद पाया। अंदर प्रवेश करने पर महिला और बच्चे के शव सड़ी-गली हालत में मिले। पता चला कि हत्याएं कई दिन पहले की गयी थी। जांच के दौरान उत्तराखंड पुलिस ने दिल्ली पुलिस से सहायता मांगी। आखिरकार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास बहादुर की मौजूदगी का पता चला। स

टेशन पर भारी भीड़ के कारण पुलिस को शुरू में उसकी पहचान करने में कठिनाई हुई। हालांकि, टीम ने इलाके में तलाश जारी रखी और उसे उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह मुंबई जाने वाली ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ के दौरान बहादुर ने पुलिस को बताया कि महिला से उसकी मुलाकात फेसबुक के जरिए हुई थी। बाद में वह उसके और उसकी बेटी के साथ रहने लगा। आरोपी ने बताया कि बाद में उसे पता चला कि महिला का किसी और से भी संबंध है। इस कारण उनके बीच अक्सर झगड़ा होने लगा था। झगड़े में उसने महिला और बच्ची की हत्या कर दी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मुकेश झा (निदेशक), मेसर्स एक्यूरा कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, पताः** फ्लैट नंबर 6, वेदांग सोसायटी, एस नंबर 89, आनंद लोक, आईटीआई रोड, औंध, पुणे – 411007, महाराष्ट्र, भारत और **सुशांत कुमार नायक (निदेशक), मेसर्स एक्यूरा कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड,** पताः मकान नंबर पी 1ए 167, प्रिंस्टन एस्टेट, डीएलएफ फेज 5, जेनपैक्ट के पास, गुड़गांव, 122002, **इसके अलावा दोनों:** बी–24 सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली और बी–21, इन्फो सिटी–1, सेक्टर–34, गुड़गांव – 122001, उपरोक्त पते के समान, ने **Ct.Cases/CC NI Act: 983/1/2015 U/s: 138 NI ACT थानाः मायापुरी दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुकेश झा और सुशांत कुमार नायक,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुकेश झा और सुशांत कुमार नायक,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct.Cases/CC NI Act: 983/1/2015 U/s: 138 NI ACT थानाः मायापुरी दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मुकेश झा और सुशांत कुमार नायक,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री पूनम सिंह
जेएमएफसी (एनआई–एसीटी) 04, पश्चिम जिला,
कमरा संख्या 04 (अनुलग्नक–I),
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2995/WD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी विनीत सोलंकी, पुत्र, विनोद, पताः** मकान नंबर 634, भूतल, ट्रांजिट कैंप, गोविंदपुरी, **दिल्ली CRC No. 6471/2021 FIR No. 552/2021, U/S: 379/411 IPC, पुलिस थानाः ,ओखला दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनीत सोलंकी,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनीत सोलंकी,**फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **विनीत सोलंकी, CRC No. 6471/2021 FIR No. 552/2021, U/S: 379/411 IPC, पुलिस थानाः ओखला दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आकांक्षा गौतम
न्यायिक दण्डाधिकारी–02
प्रथम श्रेणी दक्षिण पूर्व
कमरा संख्या 513
साकेत कोर्ट, दिल्ली

DP/2908/SE/2026
(Court Matter)

मणिपुरी महिला पर हमला करने के आरोप में चार नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के एक पार्क में एक मणिपुरी महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट करने के आरोप में चार नाबालिगों को पकड़ा गया है। इससे पहले महिला ने उन लोगों द्वारा की गयी कथित छेड़छाड़ का विरोध किया था। पुलिस ने सोमवार को जानकारी दी कि घटना रविवार शाम को तब हुई, जब महिला और उसकी सहेली साकेत जिला न्यायालय परिसर के पास मालवीय नगर में स्थित पार्क में सैर कर रही थी। नाबालिगों ने महिलाओं पर टिप्पणी की थी।

मिली जानकारी के अनुसार जब एक महिला ने आपत्ति जताई तो बहस शुरू हो गई, जिसके बाद आरोपी ने महिला पर हमला किया। हमले में महिला को मामूली चोटें आई और उसे चिकित्सा जांच और उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद संदिग्धों की पहचान और तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई। पुलिस द्वारा की गई छापेमारी में चारों नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया गया। पुलिस पीड़िता के लगातार संपर्क में है।

सोमवार की सुबह इस सीजन की सबसे गर्म, तापमान 19 डिग्री पार, दिल्ली में टूटा 15 साल का रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मार्च महीने के पहले व दूसरे पखवाड़े की शुरुआत में ही गर्मी ने अपने कड़े तेवर दिखा रही है। इस समय दिल्ली वालों को भीषण गर्मी के समय से पहले ही अत्याधिक गर्मी की मार झेलनी पड़ रही है। हालात यह है कि मई जून वाली गर्मी मार्च में ही पड़ने से गत 15 सालों का रिकॉर्ड टूट गया है। लगातार तीसरे दिन अधिकतम व न्यूनतम तापमान ने लोगों को पसीना पसीना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार सोमवार इस सीजन की सबसे गर्म की सुबह रही, जिससे तापमान 19 डिग्री सेल्सियस पार हुआ दर्ज। वहीं शनिवार से अधिकतम तापमान लगातार 35 डिग्री के पार दर्ज हो रहा है। हालांकि सोमवार को दोपहर बाद आसमान पर अचानक से हल्के बादलों का जमावड़ा बनने से ऐसा लगा कि बारिश होगी। लेकिन देर रात तक बिन बरसे ही बादल आगे निकल गए। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार सोमवार की सुबह इस सीजन की सबसे गर्म सुबह के रूप में दर्ज हुई है। न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहा जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। जबकि दिन में अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 6.9 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इस बारे में निजी मौसम अनुमान कंपनी स्काईमेट वेदर का कहना है कि पिछले 15 वर्षों में यह पहली बार है जब मार्च के पहले सप्ताह में तापमान 35 डिग्री के पार दर्ज हो रहा है। अगले कुछ दिन भी लगभग यही स्थिति रहने से इंकार नहीं किया जा सकता। कंपनी का कहना है कि दिल्ली के अलग-अलग मौसम केंद्रों पर तापमान और भी ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। लोधी रोड वेधशाला में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से करीब 8 डिग्री ज्यादा है। वहीं, रिज वेधशाला में तापमान सबसे अधिक 38.9 डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से लगभग 9 डिग्री ज्यादा है। फिलहाल गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है और अगले 4 से 5 दिनों तक दिन का तापमान सामान्य से काफी ऊपर बना रह सकता है। स्काईमट की मानें तो पिछले वर्षों की तुलना में इस बार गर्मी बहुत जल्दी परेशान करने लगी है। मार्च 2025 में तापमान 35 डिग्री का आंकड़ा दूसरे सप्ताह में 14 मार्च को पार हुआ था, जब अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं मार्च 2024 में यह स्तर महीने के आखिरी सप्ताह में पहुंचा था। मार्च 2023 में तो तापमान पूरे महीने 35 डिग्री तक ही नहीं पहुंच पाया और 16 मार्च को अधिकतम 34.3 डिग्री ही दर्ज हुआ था। इस साल के सबसे करीब स्थिति 2021 में रही थी, जब 11 मार्च को तापमान 35 डिग्री से ऊपर गया था। लेकिन इस बार यह घटना उससे भी चार दिन पहले हो गई है।

वायु प्रदूषण का ग्राफ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में इन दिनों एक बार फिर वायु प्रदूषण सूचकांक (एक्यूआई) खराब श्रेणी में दर्ज हो रहा है। सोमवार को सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 208 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में रखा जाता है। जबकि दिल्ली एनसीआर के अन्य शहरों में भी हवा मध्यम से खराब श्रेणी में बह रही है। पूर्वानुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा। रविवार यानी 8 मार्च 2026 को दिल्ली का एक्यूआई 238 तक दर्ज हुआ था। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के मुताबिक, सुबह राजधानी में ओवरऑल एक्यूआई 208 था, जो शहर के कई हिस्सों में एयर क्वालिटी लेवल के खराब होने का संकेत देता है। जबकि दिल्ली के सभी 46 मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 25 स्टेशनों ने एक्यूआई को 'खराब' श्रेणी में रिकॉर्ड किया। जबकि 20 अन्य स्टेशनों ने एक्यूआई को मध्य श्रेणी में बताया। वहीं एक स्टेशन का डाटा नहीं मिल सका। सबसे ज्यादा प्रदूषण वाली जगह में द्वारका सेक्टर-8 में एक्यूआई 278 रिकॉर्ड किया गया। जबकि बाहरी दिल्ली के बवाना में 273 एक्यूआई और आनंद विहार में 239 एक्यूआई दर्ज हुआ। अगर दिल्ली में सबसे कम एक्यूआई की बात करें तो दिलशाद गार्डन में इहबास स्टेशन ने सबसे साफ हवा 141 एक्यूआई दर्ज किया।

दिल्ली में 26वें एलजी कप 2026 का आयोजन 13 मार्च से

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के कुतुब गोल्फ कोर्स में 26 वां लेफ्टिनेंट गवर्नर कप 2026 आगामी 13 मार्च से शुरू होगा। इस आयोजन में शामिल होने के लिए पंजीकरण का आज सोमवार अंतिम दिन था। इस बारे में डीडीए द्वारा दी गई जानकारी अनुसार फेयरवे चैंपियंस का इंतज़ार कर रहा है। जानकारी अनुसार राजधानी दिल्ली में लेफ्टिनेंट गवर्नर कप एक प्रमुख वार्षिक गोल्फ टूर्नामेंट है, जो डीडीए कुतुब गोल्फ कोर्स में गत 25 वर्ष से आयोजित होता आ रहा है। इस बार यह टूर्नामेंट 13-15 मार्च और 20-21 मार्च को दो चरणों में आयोजित होगा। टूर्नामेंट में अनुभवी और उभरते खिलाड़ी शामिल होंगे, और इसमें भाग लेने के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है, जो सोमवार को बंद हो गया। पंजीकरण शुल्क के वर्ग में जो सदस्य हैं उनके लिए 1,100 रुपये पंजीकरण फीस थी। जबकि गैर-सदस्यों के लिए 5,100 से 7,500 रुपए है जो सप्ताह के दिन के अनुसार है। यह आयोजन शहर में प्रतिस्पर्धी गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए बेहतरीन गोल्फ टूर्नामेंट माना जाता है।

इस समझौते के बाद दिल्ली में स्थापित होगा 'स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांटश ऑर्गेनाइजेशन'

अंगदान से लोगों को नया जीवन देने के लिए दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार से किया समझौता : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में अंगदान से कई लोगों को जीवन देने के लिए दिल्ली सरकार ने सोमवार को राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (एनओटीपी) के तहत भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस बात की जानकारी सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी। उन्होंने कहा कि एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद दिल्ली में स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे राजधानी में अंगदान और ट्रांसप्लांट की व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम 1994 और 2014 के नियमों के तहत देश में अंग प्रत्यारोपण की व्यवस्था तीन स्तरों पर काम करती है। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन ऑर्गनाइजेशन (एनओटीटीओ), क्षेत्रीय स्तर पर रीजनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन ऑर्गनाइजेशन (आरओटीटीओ) और राज्य स्तर पर स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में अब तक अंग प्रत्यारोपण से जुड़े कई समन्वय कार्य एनओटीटीओ के माध्यम से किए जा रहे थे। लेकिन राजधानी में बड़ी संख्या में प्रत्यारोपण केंद्र होने के बावजूद अब तक एसओटीटीओ की अलग व्यवस्था स्थापित नहीं हो पाई थी। लेकिन अब एसओटीटीओ की स्थापना से अंग प्रत्यारोपण से जुड़े कामों को संभालने के लिए राज्य स्तर पर एक अलग और मजबूत व्यवस्था बनेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में एसओटीटीओ की शुरुआत से अंगों के आवंटन और प्रतीक्षा सूची का प्रबंधन, प्रत्यारोपण और अंग प्राप्त करने वाले अस्पतालों के बीच बेहतर समन्वय, मृतक अंगदान को बढ़ावा, आवश्यकता पड़ने पर ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था और प्रत्यारोपण से जुड़ा रिकॉर्ड और रिपोर्टिंग जैसे काम व्यवस्थित तरीके से किए जा सकेंगे।उन्होंने कहा कि अंगदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा, संचार (आईईसी) और जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियां चलाई जाएंगी। इसके अलावा अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों और अस्पतालों के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे उनकी क्षमता और कौशल को मजबूत किया जा सके। साथ ही, राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन और निगरानी को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारत सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद दिल्ली को कई महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होंगे। इसके तहत एसओटीटीओ की स्थापना और संचालन के लिए केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता, कार्यालय और आईटी सिस्टम स्थापित करने के लिए एकमुश्त अवसंरचना सहायता और मानव संसाधन और संचालन खर्चों के लिए नियमित अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

एसओटीटीओ की स्थापना से अंगों के आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में एसओटीटीओ की स्थापना से अंगदान और अंग प्रत्यारोपण की पूरी व्यवस्था अधिक संगठित, पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। इससे अंगों के आवंटन और प्रतीक्षा सूची के प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ेगी और अस्पतालों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था मृतक अंगदान को बढ़ावा देने, जरूरत पड़ने पर ग्रीन कॉरिडोर जैसी व्यवस्थाओं को तेजी से लागू करने और पूरे सिस्टम को अधिक व्यवस्थित बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

जरूरतमंद मरीजों को समय पर अंग उपलब्ध कराने में मिलेगी मदद

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवन रक्षक अंग उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी, जिससे कई लोगों को नया जीवन मिल सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार अंगदान को जन-आंदोलन बनाने के लिए लगातार जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संस्थानों की क्षमता मजबूत करने की दिशा में काम करेगी ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जीवन बचाने की यह व्यवस्था पहुंच सके।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चाकली सर्कल, पुराना पादरा रोड, वडोदरा-390007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लैक्स, मुम्बई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी-सह-आमंत्रण सूचना

नीचे वर्णित कर्जदारों को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (''आईसीआईसीआई बैंक'') से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्वर्ण आभूषणों के तहत सुविधा (''सुविधा'') के तहत उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिये नोटिस जारी किये गये हैं। हम गिरवी रखे गये स्वर्ण आभूषणों की 20 मार्च 2026 को एक ई-नीलामी आयोजित करने के लिये बाध्य हैं क्योंकि वे बकाया राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के ई-नीलामी तिथि को परिवर्तित करने / अकाउंट को हटाने के लिये अधिकार रखता है। नीलामी अप. 12:30 बजे से अप. 3:30 बजे के बीच https://jewel-auction.procuretiger.com पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु, कृपया दी गई वेबसाइट लॉगइन करें। मृतक कर्जदार के मामले में, सभी शर्तें कानूनी वारिसों के लिये लागू होंगी।

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : गुड़गांव – सुशांतलोक	
031457000323	बबली
शाखा का नाम : हरियाणा-रेवाड़ी	
062662002783	तुषार तुषार
शाखा का नाम : भिवानी	
072962003909	युधिष्ठर युधिष्ठर
शाखा का नाम : गुड़गांव – सोहना	
091157000034	नीरज नीरज
शाखा का नाम : नारायणगढ़	
093162005846	सुनीता चौबे
शाखा का नाम : फतेहाबाद	
093257000117	राहुल कुमार
शाखा का नाम : अग्रोहा	
093362005525	अनूप
093362005527	निर्मल सिंह
शाखा का नाम : पिपली	
093462002575	सुमन देवी
शाखा का नाम : पंचकूला – शहरी सम्पदा	
093557000023	प्रेम कुमार सिंह राणा
शाखा का नाम : झज्जर	
140262003125	निक्की निक्की
शाखा का नाम : फरीदाबाद – चार्मवुड	
184262001734	गंजरी सिंगला
शाखा का नाम : मण्डी डबवाली	
197857000289	गुरमान सिंह
शाखा का नाम : बाबियां	
215362003575	रणजीत कौर
शाखा का नाम : हिसार-सेक्टर-14	
337762001362	अजय कुमार सिंह

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : ऐलनाबाद, हरियाणा	
359462002945	सुनीता ना
शाखा का नाम : घरौंडा, हरियाणा	
359962003903	तरूण पाहवा
शाखा का नाम : बिधल	
373562000171	सुनील
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर-82	
387562000695	तुषार साहनी
387562000779	तुषार साहनी
387562000879	तुषार साहनी
शाखा का नाम : रादौर	
397657000096	पूजा गोयल
शाखा का नाम : सिवानी	
432762000820	श्याम लाल
शाखा का नाम : अटेली	
451462000123	मुकेश सिंह
शाखा का नाम : मानेसर	
661862601545	गोविन्द
शाखा का नाम : गुड़गांव – शहरी सम्पदा	
732657000012	प्रवीन कुमार
शाखा का नाम : नारनौल	
159057000263	दान सिंह
शाखा का नाम : गुड़गांव – गोल्फ कोर्स रोड	
165257000025	रितु सिन्हा
शाखा का नाम : फरीदाबाद – सेक्टर-31	
488957000015	हरेन्द्र बजवाल
शाखा का नाम : बहादुरगढ़	
046157000028	राजेश कुमार
046162002082	रिंकू शाह

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : पलवल	
073462003072	दीपक गर्ग
शाखा का नाम : गुड़गांव – बादशाहपुर	
085857000035	परविन्दर कुमार
085857000040	परविन्दर कुमार
शाखा का नाम : आदमपुर	
085962007312	सुगन देवी
शाखा का नाम : अग्रोहा	
093362004052	संदीप ना
शाखा का नाम : फरीदाबाद-सेक्टर-29	
140057000063	भारत शर्मा
140057000148	नवीन
शाखा का नाम : मण्डी डबवाली	
197862004923	प्रवीन कुमार
शाखा का नाम : सिवानी	
432762000801	सचिन कुमार
432762000811	मुकेश
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर-70	
555657000003	कार्तिक रिकेश्वर प्रसाद सिन्हा
शाखा का नाम : पंचकूला – सैक्टर-10	
556157000013	सुमित
शाखा का नाम : सोनीपत – सिक्का कॉलोनी	
662357015069	सेल्वी
शाखा का नाम : रेवाड़ी-सनसिटी	
733762000433	विशाल विशाल
शाखा का नाम : शेला	
762662000209	हिमानी भल्ला

दिनांक : 10.03.2026
स्थान : गुरूग्राम, अम्बाला, भिवानी, हिसार, करनाल, रोहतक, सिरसा, सोनीपत, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर, फतेहाबाद, यमुनानगर, पलवल, जीन्द, कैथल

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

हरियाणा सरकार | **निविदा सूचना**

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	नगर निगम रोहतक	राम गोपाल कॉलोनी रोहतक में डी स्क्वेयर फिजिक्स गली में सीसी गली का निर्माण + 5 कार्य।	06.03.2026 13.03.2026	रु. 1,45,86,708/-	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 xenmcrohtak@gmail.com
2	नगर निगम रोहतक	वार्ड 14, एम.सी.आर. में गुफा वाला मंदिर और इसके राउंड सर्कल कम्पलीट से वाया गुरूद्वारा सिंह साहिब सीसी गली, नवजीवन हॉस्पीटल से बालाजी वाली गली तक और डॉ. हरमिंदर गली का निर्माण।	06.03.2026 13.03.2026	रु. 76.33 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 xenmcrohtak@gmail.com
3	नगर निगम रोहतक	डम्प टैंक्स और वाटर टैंकर सहित सुपर सकर मशीन का प्रचालन व रखरखाव (एक वर्ष के लिए)।	06.03.2026 16.03.2026	रु. 110.00 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com
4	नगर निगम रोहतक	एम.सी. रोहतक की सीमाओं में सुनारियां गांव में ठोस कचरा संयंत्र में एनजीएल से नीचे लीगेसी वेस्ट का बायो-रिमेडियेशन।	06.03.2026 16.03.2026	रु. 410.06 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com
5	नगर निगम रोहतक	एम.सी. रोहतक में दो अदद ट्रक माउंटेड मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों का प्रचालन व रखरखाव।	06.03.2026 16.03.2026	रु. 112.80 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in   संवाद-13/2026/100/43624/I/88/7 दि. 09.03.26

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने व्यक्त की गहरी संवेदनाएं

'दिवंगत तरुण के परिजनों के साथ पूरी जिम्मेदारी के साथ खड़ी है दिल्ली सरकार'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिवंगत तरुण के परिवार का दुःख अत्यंत गहरा और असहनीय है। उन्हें न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस असहनीय पीड़ा के समय तरुण के परिवार के साथ दिल्ली सरकार पूरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और दृढ़ता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। यह बात सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में उत्तम नगर की दुखद घटना में दिवंगत तरुण के परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि इस जघन्य अपराध में शामिल सभी दोषियों के विरुद्ध कठोरतम और त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार पीड़ित परिवार को हर संभव

सहायता, संबल और आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी। साथ ही परिवार की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए भी सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इस प्रकार की अमानवीय और हिंसक घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अपराधियों के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो समाज को स्पष्ट संदेश दे कि दिल्ली में अपराध के लिए कोई स्थान नहीं है।

एबीवीपी जेएनयू ने किया पुतला दहन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जेएनयू अध्यक्ष मयंक पांचाल ने कहा कि उत्तम नगर में युवक तरुण कुमार की निर्मम हत्या की घटना ने पूरे समाज को गहरे आक्रोश और चिंता में डाल दिया है। एबीवीपी जेएनयू इकाई ने इस अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्यवाही की मांग की है। इस घटना के विरोध में एबीवीपी जेएनयू के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में साबरमती ढाबा के समीप पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया और प्रशासन से मांग किया कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और त्वरित जांच सुनिश्चित की जाए। किसी भी निर्दोष व्यक्ति के साथ इस प्रकार की बर्बर हिंसा केवल एक व्यक्ति के विरुद्ध अपराध नहीं होती, बल्कि यह समाज की शांति, कानून व्यवस्था और मानवीय मूल्यों पर भी गंभीर आघात है। इस घटना में जिस प्रकार धार्मिक तनाव और सामाजिक वैमनस्य का पहलू सामने आया है, वह समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है। एबीवीपी जेएनयू अध्यक्ष पांचाल ने कहा कि इस प्रकार की जघन्य घटना पर समाज के सभी वर्गों को संवेदनशीलता के साथ प्रतिक्रिया देनी चाहिए, किंतु दुर्भाग्यपूर्ण है कि वामपंथी संगठनों की ओर से इस गंभीर घटना पर अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। किसी निर्दोष व्यक्ति की हत्या जैसे गंभीर विषय पर मौन रहना अत्यंत निराशाजनक है और यह संवेदनहीनता को दर्शाता है।

उत्तम नगर मर्डर केसः तीन महिलाओं व एक नाबालिग समेत आठ और पकड़े

नई दिल्ली। उत्तम नगर में होली के दिन बच्ची से रंग गिरने पर दो पड़ोसियों के बीच हुई झड़प में 26 वर्षीय तरुण की हत्या केस में सोमवार को सात और लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा एक और नाबालिग भी पकड़ा गया है। गिरफ्तार लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। मामले में अब तक कुल 16 लोग पकड़े जा चुके हैं। डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह ने चेतावनी दी कि जो लोग इस घटना के बारे में सोशल मीडिया पर भ्रामक, एआई से बनाए गए वीडियो साझा कर रहे हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। हालिया कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए लोगों में तीन महिलाएं भी हैं जिनकी पहचान सायरा उर्फ काली (40), शरीफान (50) और सलमा (36) है। ये सभी उत्तम नगर की रहने वाली हैं। उन्हें घटना के संबंध में पूछताछ के लिए पहले हिरासत में लिया गया था। गिरफ्तार अन्य आरोपियों में सुहैल उर्फ साहिल (21), समीर चौहान (20), फिरोज (22) और इस्माइल (50) शामिल हैं। ये सब भी उत्तम नगर के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि हिंसा में शामिल होने के आरोप में 14 वर्षीय नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सायरा उर्फ काली वही महिला थी जिससे कथित तौर पर विवाद हुआ था। यह झगड़ा तब शुरू हुआ जब पीड़ित परिवार की एक छोटी बच्ची ने होली के दिन रंगीन पानी का गुब्बारा फेंका था, जो पास से गुजर रही काली पर गिर गया था। उस पर रंगीन पानी के छींटे पड़ गए थे। इसके बाद दोनों परिवारों के बीच कहासुनी हुई और फिर यह घनी आबादी वाले जेजे कॉलोनी क्षेत्र में हिंसक झड़प में तब्दील हो गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन हुआ है, जिसके मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती की गई है। पुलिस का दावा है कि क्षेत्र में अब स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। पुलिस टीम झड़प में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने पूरे क्षेत्र को जोन, सेक्टर और उप-सेक्टर में बांट दिया है। पुलिस उपायुक्त ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से जोन की निगरानी कर रहा हूं। एसीपी सेक्टर की निगरानी कर रहे हैं और एसएचओ सब-सेक्टर की निगरानी कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

डीयू : आठवें वेतन आयोग के लिए डूटा अध्यक्ष को लिखा पत्र

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के अध्यक्ष प्रो.वी.एस. नेगी को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने मांग की है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए आठवें वेतन आयोग की कमेटी गठित की जाए ताकि डूटा यूजीसी पर दबाव बनाकर विश्वविद्यालयों / कॉलेज शिक्षकों के लिए आठवें वेतन आयोग कमेटी गठित करा सकें और आयोग जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप सकें। प्रो. सुमन ने डूटा अध्यक्ष प्रो. नेगी से यह भी मांग की है कि वेतन आयोग कमेटी में सभी समूहों के शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों को रखा जाए और उनकी राय ली जाये।

संविदा सफाई कर्मियों के नियमितीकरण पर की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा की अध्यक्षता में निगम के अतिरिक्त आयुक्तों तथा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में करुणामूलक आधार पर संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) पर कार्यरत कर्मियों के नियमितीकरण से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान स्थायी समिति अध्यक्ष ने बताया कि दिल्ली नगर निगम में प्रत्येक माह बड़ी संख्या में कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिससे कई पद रिक्त होते जा रहे हैं। वहीं आवश्यकतानुसार नई भर्तियां अपेक्षित गति से नहीं हो पाने के कारण निगम के कार्यों के निष्पादन पर भी प्रभाव पड़ रहा है।

'आप' का 'कट्टर ईमानदार' का दावा हो रहा है बेनकाब : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली की कथित शराब नीति घोटाले और उससे जुड़े हालिया न्यायिक घटनाक्रम पर सोमवार को आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं पर तीखा प्रहार किया।

उन्होंने दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता में कहा कि सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें आबकारी नीति मामले की जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान संबंधित आदेश पर रोक लगाते हुए आगे की कार्यवाही पर फिलहाल विराम लगा दिया है। मंत्री सूद ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के नाम पर राजनीति शुरू की थी, लेकिन न तो 49 दिन की सरकार के दौरान और न ही उसके बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई गंभीर प्रयास दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी 2014 को इंडिया इस्लामिक सेंटर में हुई एक चर्चा के दौरान भी इस मुद्दे से पल्ला झाड़ लिया गया था। मंत्री सूद ने कहा कि अब दिल्ली की जनता के पैसे से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार की जांच का रास्ता खुल गया है और जल्द ही जांच एजेंसियां और अदालत इस पर फैसला देंगी।

मंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं को दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सूद ने कहा कि हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट की कुछ टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। उन्होंने क्रिकेट के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे मैच में जल्दी जश्न मनाने को सेलिब्रेटिंग टू अर्ली कहा जाता है, उसी तरह उसी तरह आम आदमी पार्टी ने भी खुद को जल्दबाजी में कट्टर ईमानदार घोषित कर दिया था। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट में दायर अपील के बाद अदालत ने जांच एजेंसी के कर्मचारियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी है।

निचली अदालत के निर्णय पर हाईकोर्ट ने नहीं लगाई रोक : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कथित शराब घोटाला मामले में निचली अदालत के आदेश पर हाईकोर्ट से स्टे नहीं मिलने पर 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा के कहने पर सीबीआई ने 'आप' नेताओं के

खिलाफ षड्यंत्र रचा था। राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को आरोप मुक्त करने के बाद सीबीआई हाईकोर्ट चली गई, लेकिन उसे वहां स्टे नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा के कहने पर फर्जी केस बनाने वाले सीबीआई अफसर कोर्ट में पकड़े गए। अब षड्यंत्रकारी अफसरों को नौकरी और जेल जाने का डर सता रहा है। उधर, भाजपा को भी डर है कि कहीं अफसर दबाव में बता न दें कि भाजपा के कहने पर उन्होंने ये कुकर्म किया। इसलिए खुद को बचाने के लिए केंद्र सरकार कोर्ट के सामने लेट गई और अफसरों के खिलाफ कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगवा दी। सौरभ ने कहा कि केंद्र सरकार के मन में इस बात की बड़ी घबराहट है कि जिस तरह सीबीआई का मामला कोर्ट ने तार-तार करके कूड़ेदान में फेंक दिया है, कहीं ईडी का मामला भी उसी पेटी में न पहुंच जाए।

एलजी और सीएम की उपस्थिति में 'श्री पार्थ-सारथी रथ' का अनावरण

राजधानी को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करना हमारी प्राथमिकता : सक्सेना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के साथ दिल्ली गेट, बहादुर शाह जफर मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित 'श्री पार्थ-सारथी रथ' के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुई। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह तथा विधायक तरविंदर सिंह मारवाह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने कहा कि दिल्ली को एक अत्यंत सुंदर और सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करने का एक साझा सपना है, और इसी दिशा में विभिन्न विकासात्मक एवं

सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि लंबे समय से की जा रही तैयारियों के बाद इस कलात्मक संरचना का निर्माण पूर्ण हुआ है। उपराज्यपाल ने बताया कि इस 'पार्थ-सारथी रथ' के निर्माण में टीम ने लगभग सात से आठ महीनों तक निरंतर परिश्रम किया है, जिसके परिणामस्वरूप यह आकर्षक और भव्य संरचना तैयार हुई है। उन्होंने कहा कि यह रथ न केवल कलात्मक दृष्टि से अत्यंत सुंदर है, बल्कि इसकी संरचनात्मक आयु लगभग 50 वर्षों तक रहने का अनुमान है। उपराज्यपाल महोदय ने इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की पूरी टीम के समर्पण और मेहनत की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली गेट और बहादुर शाह ज़फर मार्ग का यह क्षेत्र ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां स्थापित 'श्री पार्थ-सारथी रथ' की अवधारणा भी इसी सोच के साथ तैयार की गई है ताकि इस क्षेत्र की सुंदरता और पहचान को और सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पार्कों के विकास, सौंदर्यीकरण परियोजनाओं तथा सार्वजनिक स्थलों पर कलात्मक संरचनाओं की स्थापना के माध्यम से दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कलात्मक संरचनाएं न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाती हैं, बल्कि लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र भी बनती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के नागरिकों के लिए सुंदर और स्वच्छ सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे प्रयासों से न केवल शहर का पर्यावरण बेहतर होता है बल्कि नागरिकों को भी बेहतर सार्वजनिक अनुभव प्राप्त होता है।

नरेला जोन में यूनियनों ने किया प्रदर्शन

घायल सफाई कर्मचारी का पूरा इलाज निगम प्रशासन उठाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन में एक सफाई कर्मचारी के साथ हुए सड़क हादसे के बाद यूनियनों ने प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 5 बख्तावरपुर वार्ड में कार्यरत सफाई कर्मचारी महावीर (पुत्र ताराचंद) 8 मार्च 2026 को ड्यूटी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे। इस घटना को लेकर सोमवार को विभिन्न सफाई यूनियनों के प्रतिनिधियों ने नरेला जोन स्थित उपायुक्त (डीसी) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान यूनियन नेताओं ने मांग की कि घायल सफाई कर्मचारी का पूरा इलाज दिल्ली नगर निगम द्वारा करवाया जाए। साथ ही जब तक कर्मचारी पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जाता, तब तक उसका वेतन जारी रखा जाए

ताकि उसके परिवार को आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। यूनियन की एक अन्य मांग यह भी रही कि सफाई कर्मचारियों की हाजिरी केवल उपायुक्त (डीसी), सहायक आयुक्त (एसी) या संबंधित एसएस द्वारा ही जांची जाए। उनका कहना था कि अन्य विभागों के अधिकारी जैसे एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (एई) या जूनियर इंजीनियर (जेई) द्वारा हाजिरी की जांच न की जाए। वहीं, बताया गया कि डीसी ने संबंधित मांगों को लेकर आश्वासन दिया है। प्रदर्शन में दिल्ली नगर निगम मजदूर फेडरेशन के अध्यक्ष रणधीर गागत, कोर कमेटी के प्रभारी संतलाल चावरिया, सतीश कंडेरा, सुरेश कंडेरा, समुद्र कंडेरा, रीना, सतीश, अजय और फूल कुमार सहित कई यूनियन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

हाईकोर्ट द्वारा शराब घोटाले से बरी हुए केजरीवाल-सिसोदिया आदि को नोटिस देना न्याय की जीत : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि शराब घोटाले के आरोपी पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल व पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सहित अन्य आरोपियों को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा नोटिस जारी करना न्याय की जीत है। यादव ने कहा कि आप पार्टी के शासन में हुए आबकारी नीति घोटाले के सभी 23 अभियुक्तों को निचली अदालत द्वारा आरोपमुक्त करने के संदर्भ में 9 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई और उसके जांच अधिकारी के खिलाफ निचली अदालत के आदेश को सुरक्षित रखा है। इस मामले में न्यायाधीश स्वर्ण कांत शर्मा ने सभी अभियुक्तों को अगली तारीख 16 मार्च को अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किया जो इस बात का प्रमाण है कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित अन्य 21 अभियुक्तों के खिलाफ शराब घोटाले के पुख्ता सबूत है। यादव ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने केजरीवाल और अन्य लोगों को चेतावनी दी थी कि शराब घोटाले के आरोपियों को आरोपमुक्त करने के मुकदमे के फैसले का जश्न मनाने का अभी समय नहीं आया है। क्योंकि वह अभी तक खतरे से बाहर नहीं हुए हैं क्योंकि केजरीवाल और उनके सहयोगियों के खिलाफ मजबूत सबूत हैं। केजरीवाल सहित अन्य अभियुक्तों के झूठ का खुलासा उच्च न्यायालय में निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई की अपील पर सुनवाई के समय सबके सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के भ्रष्टाचार को बचाने के लिए भाजपा और आप पार्टी कुत्ते-बिल्ली का खेल खेल रही हैं।

रेलवे ट्रैक के किनारे पड़े कचरे को हटाया

दिल्ली को धूल-मुक्त बनाने के लिए एमसीडी ने शुरू किया विशेष 10 दिवसीय अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शहर में स्वच्छता को बेहतर बनाने और धूल प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक, सड़कों, गलियों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों से कचरा और निर्माण एवं विध्वंस मलबा हटाने के लिए अपने सभी जोनों में विशेष 10 दिवसीय सघन अभियान शुरू किया है। वहीं, नरेला जोन उपायुक्त आईएएस रघुवेंद्रा मीना ने अपने जोन की जानकारी देते

हुए बताया कि निगम आयुक्त के आदेश पर नरेला जोन में यह अभियान शुरू कर दिया गया है। जबकि प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार एमसीडी ने इस विशेष अभियान की शुरुआत एक रणनीति के साथ की है, जिसके तहत विशेष रूप से रेलवे ट्रैक के पास और सड़कों पर डाले गए कचरे और मलबे को हटाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सड़कों, सर्विस रोड, गलियों, खाली प्लॉट, नालों के किनारों और रेलवे ट्रैक के समीप पड़े मलबा, ठोस अपशिष्ट तथा अन्य कचरे को हटाकर शहर में समग्र स्वच्छता में सुधार करना और धूल प्रदूषण को कम करना है। निगम प्रशासन ने बताया कि अभियान के पहले दिन पूरे शहर में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। रेलवे ट्रैक के किनारे पड़े लगभग 250 मीट्रिक टन कचरे को हटाया गया। इसके अतिरिक्त सभी जोनों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया और सड़कों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों से लगभग 500 टन कचरा हटाया गया।

मलबा हटाने को दी जा रही है प्राथमिकता

अभियान के तहत रेलवे ट्रैक के किनारे पड़े कचरे और सड़कों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर डाले गए मलबे को हटाने को प्राथमिकता दी जा रही है। रेलवे ट्रैक के किनारे पड़े कचरे का आकलन क्षेत्रीय उपायुक्तों द्वारा रेलवे के साथ समन्वय कर पहले ही कर लिया गया है और संबंधित जोनों द्वारा इसे हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अभियान के दौरान सड़कों, गलियों से मलबा और कचरा हटाना, रेलवे ट्रैक के किनारे जमा ठोस अपशिष्ट की सफाई करना, तथा खाली प्लॉट, खाली जमीन और नालों के किनारों की सफाई जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

महापौर इकबाल ने 'मलबा पोर्टल' का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यह 'दिल्ली मलबा पोर्टल' केवल एक तकनीकी साधन नहीं, बल्कि स्वच्छ और हरित दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक मजबूत प्रतिबद्धता है। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने सोमवार को 'दिल्ली मलबा पोर्टल' का शुभारंभ करने के बाद मीडिया से यह जानकारी साझा की।

उन्होंने कहा कि 'मलबा प्रबंधन को डिजिटाइज करके हम नागरिकों को प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास में भागीदारी के लिए सशक्त बना रहे हैं। अवैध रूप से मलबा फेंके जाने से हमारी सड़कों और नदियों पर जो दबाव पड़ता है, यह पहल उसे कम करने में सहायक होगी और हमें राष्ट्रीय नियमों के अनुरूप आगे बढ़ने में मदद करेगी।' महापौर ने आगे बताया कि किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्या के समाधान के लिए नागरिक दिल्ली नगर निगम के टोल-फ्री नंबर 155305 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम नागरिकों को हर संभव सुविधा प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

निगम प्रशासन ने बताया कि यह पोर्टल प्रत्येक अपशिष्ट उत्पादक - चाहे वह आम नागरिक हों, डेवलपर्स, ठेकेदार या सरकारी एजेंसियां को एक सरल ऑनलाइन इंटरफेस अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से मलबा उठाने के लिए अनुरोध दर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है। दिल्ली नगर निगम इस क्यूआर कोड का व्यापक प्रचार-प्रसार मीडिया अभियानों के माध्यम से करेगा।

खबर संक्षेप

आरोग्य केंद्र में निःशुल्क कान जांच शिविर आयोजित

फरीदाबाद। भाटिया सेवक समाज आरोग्य केंद्र में सोमवार को निशुल्क कानों के जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सिनेप्स वर्टिंगो एंड हियरिंग केयर के सहयोग से लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अपनी सुनने की शक्ति की जांच करवाई। शिविर का उद्देश्य लोगों को कानों से संबंधित बीमारियों के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों को समय पर परामर्श उपलब्ध कराना रहा।

ठगी के मामले में दो खाताधारक सहित 3 गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए 75,69,041 रुपए की ठगी के मामले में रामबाबू दांगी, रामपाल पंवार व देवकरण गुर्जर निवासी जिला राजगढ़ मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सेक्टर 35 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में बताया कि 26 दिसंबर 2025 को उसने फेसबुक पर सर्फिंग करते हुये क्रिप्टो करेंसी में निवेश बारे एक विज्ञापन देखा। जिस पर क्लिक करते ही वह एक टेलीग्राम ग्रुप में जुड़ गया।

हैल्स फाउण्डेशन द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद। हैल्स फाउंडेशन द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका प्रबंधन हैल्स फाउंडेशन की बोर्ड मेंबर डॉक्टर माधवी सिंह एवं संचालन साहित्य प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हिमांशु शुक्ला द्वारा किया गया। डॉ माधवी सिंह ने बताया कि यह संस्था हेल्थ, एजुकेशन, आर्ट, लिटरेचर और सेंसिटिविटी के क्षेत्र में कार्य करती है इसलिए आज के कार्यक्रम में पांचों क्षेत्र की महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत तिशा शर्मा के नृत्य से हुई और इसके बाद संगीत के कार्यक्रम और काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पलवल की डीडीपीओ उपमा अरोड़ा मौजूद रही।

श्याम सेवा परिवार का 37वां वार्षिक श्री श्याम उत्सव धूमधाम और भक्ति भाव के साथ मनाया गया

मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

फरीदाबाद स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर सेक्टर-3 में श्याम सेवा परिवार द्वारा आयोजित 37वां वार्षिक श्री श्याम उत्सव श्रद्धा, भक्ति और भजनों की मधुर स्वर लहरियों के बीच अत्यंत भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मंदिर परिसर में बाबा श्याम का अलौकिक और भव्य दरबार सजाया गया, जहां हजारों श्रद्धालु भजनों की मधुर धुनों में डूबकर जय श्री श्याम के जयकारों के साथ भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न स्थानों से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुरभि चतुर्वेदी, ब्रज रसिक विनोद शर्मा, नम्रता करवा, योगेश तिवाड़ी, नितिन श्याम दीवाना, मनीष लाड़ला तथा सूरज सिंह ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को देर रात तक भक्ति रस में डूबोए रखा। कार्यक्रम का संचालन हरीश हिंदुस्तानी ने अपने प्रभावशाली और रोचक अंदाज में किया, जबकि भजनों की मधुर संगत में मन्नू भाई म्यूजिकल ग्रुप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस पावन अवसर पर ज्योति प्रज्वलन का शुभारंभ प्रेम पसरीचा और एचके बत्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में फरीदाबाद के मेयर प्रवीण बत्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अजय गौड़ पूर्व राजनीतिक सचिव मुख्यमंत्री हरियाणा भी शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप पाडिया, कार्यक्रम अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल तथा समाजसेवी साकेत अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजन समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने बताया कि श्याम सेवा परिवार द्वारा आयोजित यह वार्षिक उत्सव श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और समर्पण का प्रतीक है।

जीडीए उपाध्यक्ष मीडिया से हुए रूबरू, सुनियोजित विकास करने का आश्वासन

नियोजित विकास, आधुनिक अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण, खेल सुविधाओं का हो रहा विस्तार:कलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने सोमवार को कहा कि जीडीए शहर का सुनियोजित विकास करने के लिए कटिबद्ध है। शहर के नियोजित विकास, आधुनिक अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण, खेल सुविधाओं के विस्तार तथा निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण एवं दूरगामी परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के माध्यम से गाजियाबाद को एक आधुनिक, हरित एवं सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

कलाल सोमवार को मधुबन बापू धाम योजना स्थित बुनकर मार्ट में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जीडीए द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों व भविष्य की योजनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा मीडिया के समक्ष रखा। जीडीए सचिव विवेक मिश्रा,अपर सचिव पीके सिंह,मीडिया संयोजक रुद्रेश शुक्ला तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद एवं एनसीआर क्षेत्र के नागरिकों को आधुनिक एवं सुनियोजित आवासीय विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा हरनंदीपुरम आवासीय योजना विकसित की जा रही है। इस योजना को मई 2025 में प्राधिकरण की 169वीं बोर्ड बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई थी।

भूमि क्रय की प्रगति

योजना के प्रथम चरण में लगभग 76 हेक्टेयर भूमि किसानों से सहमति के आधार पर क्रय की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त लगभग 128 हेक्टेयर भूमि के लिए किसानों से सहमति प्राप्त हो चुकी है तथा क्रय प्रक्रिया प्रचलित है। योजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए कंसल्टेंट का चयन किया जा चुका है। कंसल्टेंट द्वारा योजना के संबंध में दो बार प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया जा चुका है। प्राधिकरण द्वारा दिए गए सुझावों को सम्मिलित करते हुए संशोधित प्रस्ताव पुनः प्रस्तुत किया जाएगा और अंतिम क्प्त शीघ्र प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना का कुल प्रस्तावित बजट लगभग 2,384 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत 400 करोड़ की धनराशि कोलल्ल प्राप्त हो चुकी है, जिससे योजना के प्रारंभिक विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

मुख्य निर्णय / प्रमुख उपलब्धियों पर एक नजर

- हरनंदीपुरम आवासीय योजना में भूमि क्रय की प्रक्रिया तेज 79 हेक्टेयर भूमि क्रय, 130 हेक्टेयर की सहमति प्राप्त व क्रय की प्रक्रिया में।
- योजना के लिए कंसल्टेंट का चयन, संशोधित क्प्त शीघ्र प्रस्तुत की जाएगी।
- मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत 400 करोड़ की धनराशि प्राप्त तथा वर्तमान तक योजना पर कुल लगभग रू0 440 करोड़ व्यय किया जा चुका है।
- राजनगर एक्सटेंशन में जोनल सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर।
- राजनगर एक्सटेंशन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम विकसित करने का निर्णय।
- स्टेडियम के आसपास एरोसिटी थीम आधारित एकीकृत टाउनशिप विकसित होगी।
- हिंडन नदी तटबंध परियोजना से बाढ़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को मजबूती।
- शहर में थीम आधारित पार्कों का विकास।
- सिटी फॉरेस्ट पार्क का पुनर्विकास (55 करोड़ रुपये)।

-राजनगर एक्सटेंशन में सड़क अवसंरचना विकास

उन्होंने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में जोनल प्लान के अंतर्गत कई प्रमुख मार्गों का निर्माण प्रगति पर है।

- 6 जोनल रोड (24 मीटर) लगभग 50: कार्य पूर्ण, मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश।
- 2 जोनल रोड (18 मीटर) लगभग 30: कार्य पूर्ण, कार्यदायी संस्था को गति बढ़ाने के निर्देश।
- 6 जोनल रोड (45 मीटर) दृ गौड़ कैस्केड सोसायटी से मेरठ रोड कनेक्टिविटी, जून 2026 तक लक्ष्य।
- 2 जोनल रोड (30 मीटर) दृ एमजी घरौंदा सोसायटी से भट्टा नं.-5 तक निर्माण कार्य प्रगति पर।

उन्होंने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन के ग्राम मोरटी एवं अटौर में लगभग 31 एकड़ क्षेत्रफल में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप क्रिकेट स्टेडियम विकसित करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। जिसमें 55,000 दर्शकों की बैठने की क्षमता,अंतरराष्ट्रीय स्तर की पिच,दर्शक दीर्घाएँ एवं कॉर्पोरेट बॉक्स,मीडिया सेंटर व आधुनिक खेल सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। यह परियोजना उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशनऔर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सहयोग से विकसित की जाएगी। इसकी अनुमानित लागत लगभग 450 करोड़ है।

क्रिकेट स्टेडियम के आसपास एरोसिटी थीम आधारित आधुनिक टाउनशिप विकसित की जाएगी। जिनमें उच्च स्तरीय आवासीय परिसर,वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स,होटल एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र,रिटेल एवं शॉपिंग जोन,खेल अकादमी,संस्थागत क्षेत्र,मल्टीलेवल पार्किंग,स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन होगा। इसके अलावा उन्होंने बताया कि बाढ़ नियंत्रण एवं नदी तट संरक्षण के उद्देश्य से हिंडन नदी के किनारे तटबंध निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है।

एडीआर होटल में भव्य एवं रंगारंग समारोह

क्षेत्रीय कायस्थ सभा, कवि नगर ने भव्य होली मिलन समारोह आयोजित किया

गाजियाबाद । क्षेत्रीय कायस्थ सभा, कवि नगर गाजियाबाद के तत्वाधान में राजनगर स्थित ए डी आर होटल में भव्य एवं रंगारंग 'होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मथुरा जनपद की जिला विकास अधिकारी श्रीमती गरिमा खरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान चित्रगुप्त जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं स्तुति-गायन के साथ हुआ। इसके पश्चात शास्त्रीय संगीत के सुप्रसिद्ध कलाकारों प्रांश श्रीवास्तव, मधुमिता मजूमदार, मनीष कुमार, अपूर्व श्रीवास्तव ,श्री गोपाल सक्सेना एवं दीपा सक्सेना आदि ने अपनी मधुर एवं मनमोहक प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही कुछ नामचीन कवियों दीपक आदि ने भी अपनी काव्य प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में रस और रंग घोल दिया। इस अवसर पर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सभा द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव एवं महेंद्र शंकर माथुर को वरिष्ठ सदस्य सम्मान प्रदान किया गया। महिला दिवस के मौके पर दो शिक्षकों श्रीमती ऋतु श्रीवास्तव को शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए एवं श्रीमती प्रिया वर्मा को शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सभा की ओर से 'प्रेरणा नारी सम्मान' प्रदान किया गया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **मोहम्मद आमिर, पुत्रः** मोहम्मद मकसूद अहमद, **पताः** मकान न. ई–49/के–34, जनता मजदूर कॉलोनी, थाना–वेलकम, नार्थ–ईस्ट, दिल्ली, ने **FIR No. 387/2005, U/s: 21/22/25/29 NDPS Act, थानाः शास्त्री पार्क, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **मोहम्मद आमिर,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **मोहम्मद आमिर,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 387/2005, U/s: 21/22/25/29 NDPS Act, थानाः शास्त्री पार्क, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **मोहम्मद आमिर,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पुनीत पाहवा
विशेष न्यायाधीश(एनडीपीएस) अतिरिक्त सत्र न्यायालय
जिला उत्तर–पूर्व, कमरा न. 63, चौथा तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/2934/NE/2026
(Court Matter)

अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना सरकार का लक्ष्यः कृष्ण पाल गुर्जर

सोलर सिस्टम लगाओ, लंबे समय तक बिजली बिल से छुटकारा पाओ : सतीश फागना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोमवार को सेक्टर-28 स्थित कार्यालय में एक विशेष जागरूकता अभियान एवं कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश फागना भी मौजूद रहे। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण का संकल्प लिया है और उसी सोच के तहत यह योजना शुरू की गई है। योजना का उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना है। सरकार ने इस योजना के तहत देशभर में 1 करोड़ परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा है, जिनमें से लगभग 72 लाख लोग पहले ही इसका लाभ ले चुके हैं, जबकि शेष लोगों को जोड़ने के लिए देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बताया कि हरियाणा के लगभग एक लाख गरीब परिवारों को सोलर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के अंतर्गत पात्र उपभोक्ताओं को सोलर पैनल लगाने पर केंद्र और राज्य सरकार की ओर से लगभग 1.10 लाख तक की सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

उपचाराधीन महिला पर एसिड फेंकने की आरोपी महिला काबू

गुरुग्राम। सिविल अस्पताल में उपचाराधीन युवती पर एसिड अटैक करने के मामले में पुलिस ने महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। महिला ने अपने पति की गर्लफ्रेंड समझकर धोखे में दूसरी महिला पर टॉयलेट क्लीनर फेंका था। वहीं पुलिस ने एक आरोपी युवक को भी गिरफ्तार किया है। जो अपनी प्रेमिका के साथ लिव इन में उसके साथ बादशाहपुर थाना एरिया में रहता था और उसने मारपीट की थी। पुलिस के मुताबिक, 8 मार्च की रात को सेक्टर-10ए थाना पुलिस को सिविल अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक महिला मारपीट के मामले में अस्पताल में इलाज कराने आई थी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नसीम उर्फ जावेद, पुत्रः मोहम्मद ताहिर, पताः म. नं. के–113, जनता कॉलोनी, वेलकम, दिल्ली** ने **FIR No. 531/2020, U/s 25/54/59 A Act, पुलिस थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नसीम उर्फ जावेद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नसीम उर्फ जावेद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 531/2020, U/s 25/54/59 A Act, पुलिस थाना वेलकम, दिल्ली** के अभियुक्त **नसीम उर्फ जावेद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.04.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03
शाहदरा जिला, कमरा नं. 19, पहली मंजिल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2803/NE/2026

पुलिस मुख्यालय, सोनीपत का उपायुक्त कार्यालय

केस नं. 116 दिनांक 28.02.2026 धारा 140(3) बीएनएस और 84 जे.जे. एक्ट के तहत पुलिस स्टेशन खरखौदा, ज़िला सोनीपत

गुमशुदा की पहचान :
नाम : ज्योति
पिता का नाम : अजीत सिंह
पता : गाँव नसीरपुर चोलका, ज़िला सोनीपत
आयु : 16.5 वर्ष
ऊँचाई : 5 फीट 4 इंच
दिखने में – सांवला रंग, गोल चेहरा, लंबे काले बाल, लंबी नाक, काली आँखें, मोटा शरीर, गर्दन पर तिल
पोशाक : संतरी सूट और संतरी पैंट, पैरों में चप्पल पहनी हुई।

आम जनता को एतद द्वारा यह सूचित किया जाता है कि 28.02.2026 को ज्योति पुत्री अजीत पुत्र चत्तर सिंह निवासी गाँव नसीरपुर चोलका, ज़िला सोनीपत घर से खरखौदा के लिए निकली थी। वह उस दिन से घर नहीं लौटी है और उसका अभी तक कोई पता नहीं चला है। इस बारे में उपरोक्त अनुसार केस पंजीकृत किया गया है। यदि किसी के पास उपरोक्त लापता व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी है तो कृपया निम्नलिखित सम्पर्क नम्बरों पर सूचना दें :
एसएचओ खरखौदा : 7419410536
जांच अधिकारी – 9050379593
पुलिस नियंत्रण कक्ष सोनीपत – 0130–2222903, 100

क्राइम रिकॉर्ड ऑफिसर,
पुलिस उपायुक्त
मुख्यालय सोनीपत

पीआरडीएच–1084/11/4547/2026/43635/88/7 दि. 09.03.26

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

आगजनी की घटना पर नगर निगम सख्त जमीन मालिक पर होगी एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरुग्राम

आईएमटी सेक्टर-6 स्थित गांव कांकरौला में सोमवार सुबह करीब 7 बजे निजी भूमि पर बने कबाड़ गोदाम में भीषण आगजनी हुई। सूचना मिलते ही नगर निगम मानेसर ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

4 फायर टेंडर गाड़ियों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। निगम के संयुक्त आयुक्त हितेंद्र कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एचएसआईआईडीसी के अधिकारियों के साथ मिलकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि इस कबाड़ गोदाम में प्लास्टिक, स्क्रैप, रबर और अन्य ज्वलनशील सामग्री का ढेर था, जिसमें आग तेजी से फैल गई। संयुक्त आयुक्त हितेंद्र कुमार ने बताया कि यहां अवैध रूप से कबाड़ गोदाम का संचालन किया जा रहा था।

हरियाणा सरकार | निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प अम्बाला	अम्बाला जिले में अम्बाला सिटी में लघु सचिवालय के परिसर में प्रशासनिक खण्ड फेज–III के निर्माण हेतु बकाया कार्य (कोड सं. 12646 दिनांक 28.05.2016 के तहत माननीय सी.एम. घोषणा)।	25.02.2026 17.03.2026	3457.53 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01712977224 pwd-eepd1-ambala@hry.nic.in345753307
2	लोनिवि भ व प नरवाना	जीन्द जिले में न्यायिक परिसर नरवाना में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुविधा।	06.03.2026 16.03.2026	80.11 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8398098075 pwd-eepd-narwana@hry.nic.in
3	पंचायती राज पंचकूला	थाने की सैर : गांव थाने की सैर, ब्लॉक पिंजौर, जिला पंचकूला में पंच हाउस से मेन गली को जोड़ना (वीएएनजीवाई) + 6 कार्य।	06.03.2026 12.03.2026	23.55 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416915374 prexeeng.pkl@hry.nic.in
4	पंचायती राज सोनीपत	गांव भटगांव डूंगरान में लोनिवि रोड से सतबीर सिंह पुत्र सूरत सिंह के मकान तक रास्ता का निर्माण, एमपी एलएडी।	बंद होने की तिथि 12.03.2026	7.40 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9268376188 brijmohansdo@gmail.com
5	पंचायती राज रोहतक	गांव इस्माईला-9बी ब्लॉक सांपला में तालाब (भाया तालाब) के कायाकल्प हेतु बकाया कार्य + 12 कार्य।	05.03.2026 11.03.2026	151.62 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9813604629 prexeeng.roh@hry.nic.in
6	पंचायती राज पुण्डरी	गांव बकाल में पार्क का निर्माण।	05.03.2026 11.03.2026	8.84 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8398020009 sdoprpundri@gmail.com
7	पंचायती राज अम्बाला	एचजीवीवाई – गांव धनकौर ब्लॉक अम्बाला-II में तालाब का कायाकल्प और रिटेनिंग वॉल का निर्माण।	07.03.2026 13.03.2026	38.54 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0171-2551368 prexeeng.amb@hry.nic.in
8	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सिरसा	सिरसा कस्बा (पी-2) : जलापूर्ति योजना सिरसा कस्बा का संवर्धन, बूस्टिंग स्टेशनों, सिरसा कस्बा जिला सिरसा में (अमरूत-2 के तहत) अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण और आंतरिक वितरण पाइप लाइंस बिछाना, "तृतीय जलघर संरचनाओं, एमबीएस-1, एमबीएस-2 और बूस्टिंग स्टेशनों समेत स्वच्छ जल टैंकों, पम्प चेम्बर, चारदिवारी, पम्पिंग मशीनरी, डी.जी. सैट का निर्माण, विद्युत ट्रांसफॉर्मर, गैस क्लोरीनेटर, राइजिंग मेन लाइंस, एफएचटीसी और वितरण पाइप लाइंस इत्यादि बिछाना, 3 माह के ट्रायल रन के सफलतापूर्वक पूर्णता के पश्चात 12 माह की त्रुटि जिम्मेवारी अवधि के दौरान और उसके पश्चात सभी प्रकार से पूर्ण 5 वर्ष के लिए ओ एवं एम।" + 1 कार्य।	07.03.2026 20.03.2026	3874.76 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1666221925 ee2sirsa@gmail.com
9	जिला परिषद फतेहाबाद	गाजुवाला से रेलवे स्टेशन गाजुवाला तक (शेष भाग) रोड की विशेष मरम्मत, रोड आईडी 978.	06.03.2026 12.03.2026	60.47 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416071464 zpftb@hry.nic.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच–11/2026/180/43645/I/88/7 दि. 09.03.26

खबर संक्षेप

जनता दर्शन में सीएम योगी की बच्चों को सलाह

लखनऊ। सीएमयोगी आदित्यनाथ को बच्चों के प्रति प्रेम हर स्थान पर छलक ही जाता है। जनता दर्शन में भी अभिभावकों के साथ पहुंचे बच्चों की समस्याओं का निस्तारण उनकी शीर्ष वरीयता रहती है। लखनऊ में सोमवार को अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' के दौरान अभिभावकों के साथ आए बच्चों को सीख देते हुए कहा कि किताबें पढ़ो। इंटरनेट मीडिया का प्रयोग उतना ही करो, जितनी आवश्यकता है। इसका अत्यधिक प्रयोग घातक है।

बोकारो कोर्ट में बम की खबर से मचा हड़कंप

धनबाद। बोकारो सिविल कोर्ट परिसर में सोमवार को बम की सूचना से हड़कंप मच गया। किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए पुलिस ने तत्काल एहतियाती कदम उठा। आनन-फानन में पुलिस परिसर में पहुंची और गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बम की सूचना एक ईमेल के जरिए हासिल हुई। पुलिस डॉग स्क्वायड के साथ परिसर में मौजूद है और हर हिस्से की जांच की जा रही है।

हड़ताल पर गए सीओ को मंत्री की अंतिम चेतावनी

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने हड़ताल पर गए सीओ को अंतिम चेतावनी दी है। कहा कि सभी सीओ कल से काम पर लौट जाएं नहीं तो उनका निलंबन शुरू कर दिया जाएगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री ने स्पष्ट किया कि हड़ताल खत्म होगी, तभी सरकार बात करेगी। उन्होंने सीओ से कहा कि वे भौकाल से भय पैदा नहीं करें और अराजकता की स्थिति नहीं बनाएं।

राज्यपाल ने विवि परिसर की दीवारों पर बनाई गई कलाकृतियों का किया अवलोकन

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर बनाई गई विभिन्न कलाकृतियों का अवलोकन किया। कलाकृतियों में जल संरक्षण, पौष्टिक आहार, प्रकृति की सुरक्षा, पशु क्रूरता पर अंकुश, धार्मिक एवं पर्यटन क्षेत्र की सुन्दरता, श्री कृष्ण के चित्र सहित विभिन्न पेटिंग को दर्शाया गया था।

डॉ. कमल कान्त उपमन्यु ▶▶ मथुरा

महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का मथुराआगमन हुआ। महामहिम राज्यपाल का हेलीकॉप्टर पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान के परिसर में उतरा। महामहिम का स्वागत विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान के कुलपति डॉ. अभिजित मित्र, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार द्वारा किया गया।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर बनाई गई विभिन्न कलाकृतियों का अवलोकन किया। कलाकृतियों में जल संरक्षण, पौष्टिक आहार, प्रकृति की सुरक्षा, पशु क्रूरता पर अंकुश, धार्मिक एवं पर्यटन क्षेत्र की सुन्दरता, श्री कृष्ण के चित्र सहित विभिन्न पेटिंग को दर्शाया गया था। राज्यपाल को बारी बारी से छात्रों ने अपनी अपनी वॉल पेंटिंग के महत्व/ संदेश से अवगत कराया । उन्होंने सभी वॉल पेंटिंग की सराहना की। राज्यपाल को एक छात्र ने पेंसिल से बनाया हुआ आकर्षक स्केच भेंट किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अशोक गेस्ट हाउस में कार्य परिषद की बैठक ली।

10 को दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 20 पदक

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह उपस्थित रहेंगे

राज्यपाल/ विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 10 मार्च को उत्तर प्रदेश पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान के 15वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में योगी सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह उपस्थित रहेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीन बी. महेश्वरप्पा शामिल होंगे।

177 उपाधियां/डिग्रियों में 29 बायोटेक्नोलॉजी की डिग्रियां शामिल

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा कुल 177 उपाधियां/डिग्रियां प्रदान की जाएंगी, जिनमें 69 डिग्रियां बीवीएससी एवं एएच, 74 स्नातकोत्तर डिग्रियां, 5 पीएचडी डिग्रियां तथा 29 बायोटेक्नोलॉजी की डिग्रियां शामिल हैं। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 20 पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें 14 स्वर्ण पदक, 4 रजत पदक तथा 2 कांस्य पदक शामिल हैं। समारोह के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार (स्नातकोत्तर), 1 सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार तथा 1 सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। अनुसंधान और शैक्षणिक विकास के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने इस वर्ष विभिन्न संस्थानों के साथ 7 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वर्तमान में सक्रिय समझौता ज्ञापनों की कुल संख्या 31 हो गई है।

योगी सरकार का सख्त निर्देश

राज्य विश्वविद्यालय तय शासनादेश के अनुसार छात्रों से लें परीक्षा शुल्क

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य विश्वविद्यालयों को परीक्षा शुल्क शासनादेश के अनुसार ही लेने का सख्त निर्देश दिया है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि अधिक शुल्क वसूलने वाले विश्वविद्यालयों का ऑडिट होगा और कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

शिक्षा व्यवस्था को सुलभ, सस्ता और पारदर्शी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार सख्त कदम उठा रही है। इसी क्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने राज्य विश्वविद्यालयों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे परीक्षा शुल्क केवल शासनादेश में निर्धारित दरों के अनुसार ही लें। शासनादेश के विपरीत अधिक शुल्क वसूलने वाले विश्वविद्यालयों के ऑडिट कराने और आवश्यक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सोमवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा शासनादेश के विपरीत फीस लिए जाने के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में विश्वविद्यालयों की शुल्क संरचना, परीक्षा शुल्क और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य विश्वविद्यालयों को निर्धारित शासनादेश के अनुसार ही परीक्षा शुल्क लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई विश्वविद्यालय निर्धारित शुल्क से अधिक परीक्षा शुल्क वसूलता है तो उसकी ऑडिट कराई जा सकती है और उचित कार्रवाई की जाएगी।

खास बातें

- शासनादेश के विपरीत फीस वसूली पर ऑडिट कराकर कार्रवाई की चेतावनी
- छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए विश्वविद्यालयों को लेने चाहिए निर्णय

वित्तीय अनुशासन बनाए रखें

उच्च शिक्षा मंत्री ने राज्य विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया कि वे शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करें और वित्तीय अनुशासन बनाए रखें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने संसाधनों को मजबूत करने, नए पाठ्यक्रम शुरू करने और वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए, ताकि संस्थान आत्मनिर्भर बन सकें।

शिक्षा को सर्वसुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा को सुलभ, सस्ता, पारदर्शी व छात्र हितैषी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फीस में अनावश्यक वृद्धि से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, इसलिए विश्वविद्यालयों को छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लेने चाहिए। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य विश्वविद्यालयों में परीक्षा शुल्क की समानता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके तहत बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीसीए, बीएड, बीपीएड, बीजेएमसी, बीएफए और बीवोक जैसे पाठ्यक्रमों के लिए 800 रुपए, एलएलबी, बीएससी एग्रीकल्चर (ऑनर्स), बीटेक, बायोटेक जैसे पाठ्यक्रमों के लिए 1000 रुपए तथा बीडीएस, नर्सिंग, बीएएमएस और बीयूएमएस जैसे पाठ्यक्रमों के लिए 1500 रुपए प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बताया

बिहार में मजदूरों का पलायन रोकने के लिए प्लान तैयार

सुशासन के साथ पुरानी बीमारियों को खत्म करेंगे

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में पलायन एक बड़ा मुद्दा है। अब राज्य सरकार ने बिहार से पलायन रोकने का प्लान तैयार कर लिया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि अगले पांच वर्षों में बिहार से मजदूरों का पलायन पूरी तरह रोका जाएगा। इसके लिए एक-एक मजदूरों को चिह्नित किया जाएगा और उनके लिए यहीं रोजगार की व्यवस्था की जाएगी। इस योजना पर सरकार ने काम शुरू कर दिया है।

इसी कार्यक्रम में मौजूद बिहार के दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी पर विश्वास जताया है। उसे इनके सुशासन पर पूर्ण भरोसा है। हम इस विश्वास को बनाए रखेंगे। सरकार तो कोई चला लेता है, लेकिन सबसे अहम है सुशासन के साथ सरकार चलाना।

इंसेंटिव देकर चीनी उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा

उपमुख्यमंत्री सोमवार को गन्ना प्रौद्योगिकी सेमिनार 2026 को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन गन्ना उद्योग विभाग द्वारा ज्ञान भवन में किया गया। सम्राट चौधरी ने कहा कि इंसेंटिव देकर चीनी उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए सरकार इंसेंटिव नीति 2026 बना रही है। यही नहीं सरकार हर सेक्टर में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए इंसेंटिव देगी।उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में 25 चीनी मिल खोलने के लिए सरकार संकल्पित है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार की सक्रिय राजनीति में आने का स्वागत किया है ज्ञान भवन में पत्रकारों से बात करते हुए सम्राट चौधरी ने निशांत कुमार को नई शुरुआत के लिए बधाई दी। डिप्टी सीएम ने यह भी कहा कि वे बखूबी अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन करेंगे।

पेज एक का शेष

केरल सरकार करेगी ...

सरकार ने सैमसन का विशेष सम्मान करने का फैसला किया है। इस बीच सैमसन ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपनी पत्नी को खास तौर पर धन्यवाद कहा है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा ...

रहेगी।बैठक के दौरान राजनीतिक दलों ने भी आयोग को आश्वासन दिया कि वे चुनाव को हिंसा-मुक्त और शांतिपूर्ण बनाने में पूरा सहयोग देंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह भी कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण पूरी तरह पारदर्शी तरीके से किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन के लिए फॉर्म 6, 7 और 8 अभी भी जमा किए जा सकते हैं। इसके बाद चुनाव आयोग ने प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुख अधिकारियों, पुलिस महानिरीक्षकों, उप महानिरीक्षकों, मंडल आयुक्तों, पुलिस आयुक्तों, जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ भी विस्तृत बैठक की। इसमें चुनाव प्रबंधन, ईवीएम की सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण, जब्ती अभियान, कानून-व्यवस्था, मतदाता जागरूकता और जनसंपर्क कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को पूरी निष्पक्षता के साथ काम करने और मतदाताओं को प्रलोभन देने जैसी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं—जैसे रैंप, व्हीलचेयर और पीने का पानी—उपलब्ध कराई जाएं, ताकि मतदान प्रक्रिया सभी के लिए सहज और सुविधाजनक बन सके।

बातचीत-कूटनीति से ...

कूटनीति के जरिए समस्या समाधान की ओर बढ़ते हुए शांति स्थापना की पुरजोर अंदाज में वकालत करता है। पश्चिम-एशिया में रह रहे 1 करोड़ भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व कल्याण के साथ-साथ हमारी ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापारिक लक्ष्यों को हर हाल में चाक-चौबंद बनाए रखना भी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिसमें ऊर्जा बाजार की उपलब्धता, लागत और जोखिम जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जा रहा है। मौजूदा अस्थिर स्थिति में जहां जरूरी हुआ है। वहां हमारे कूटनीतिक प्रयासों ने हमारी कंपनियों का समर्थन किया है। उधर, विदेश मंत्री ने संसद भवन में ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के साथ एक बैठक भी की।

ये हैं भारत के 3 मार्गदर्शक सिद्धांत: जयशंकर ने कहा कि संघर्ष के दौरान देश के तीन मुख्य मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

पहला- भारत संवाद-राजनयिक प्रयासों के माध्यम से शांति स्थापित करने का पक्षधर है। हम तनाव को हर हाल में खत्म करने और संयम के साथ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की वकालत करते हैं।

दूसरा- क्षेत्र में रहने वाले भारतीय समुदाय का कल्याण और सुरक्षा हमारे लिए हमेशा शीर्ष प्राथमिकता रही है, आगे भी ऐसा ही होगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम क्षेत्र के तमाम देशों की सरकारों के साथ काम करेंगे।

तीसरा-ऊर्जा सुरक्षा और निबार्ध व्यापारिक आवाजाही जैसे राष्ट्रीय हित हमेशा देश की प्रमुखता में शामिल रहेंगे।

सीसीएस ने जताई चिंता : सीसीएस की बैठक में प्रधानमंत्री को ईरान में हुए हमलों और उसके बाद खाड़ी के बाकी देशों पर हुए हमलों के बारे में जानकारी दी गई। समिति ने क्षेत्र में रहे रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। इसके अलावा बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक व्यापारिक गतिविधियों पर इसके प्रभाव के मामले पर भी विचार-विमर्श किया गया था। बातचीत में सीसीएस को इस क्षेत्र से होकर यात्रा करने वाले देश के नागरिकों और खाड़ी के तमाम देशों में रहकर परीक्षाएं दे रहे छात्रों की मुश्किल से भी अवगत कराया गया था। पीएम मोदी ने सभी मंत्रालयों और विभागों को इन तमाम समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल रूप से जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया था। फिलहाल प्रधानमंत्री की हालात पर पैनी नजर है और संबंधित मंत्रालय अन्य आवश्यक कार्रवाई करने में लगे हुए हैं।

2025 में 12 दिन की लड़ाई से हुआ आभास: जयशंकर के मुताबिक, सरकार को पिछले साल जून में 12 दिनों तक दोनों पक्षों के बीच चली लड़ाई से ये अंदेशा लग गया था कि ये मामला आगे और अधिक तूल पकड़ेगा। हमने ईरान में अपने नागरिकों को चौकन्ना रहने की सलाह दी थी। पहली एडवाइजरी 5 जनवरी 2026 को जारी की। जिसमें भारतीयों को ईरान की अनावश्यक यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई थी। जो लोग पहले से वहां रह रहे थे, उन्हें दूतावास में पंजीकरण कराने व हर समय सतर्कता बरतते हुए राजनयिक परिसरों की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैडल पर नजर बनाए रखने को कहा। 14 जनवरी को जारी दूसरी एडवाइजरी में भी अपने लोगों से उक्त सलाह का सख्ती से पालन करने को कहा गया। ईरान की तर्ज पर इलाके के बाकी देशों इजरायल, यूएई, कतर, कुवैत, बहरीन, सऊदी अरब ने भी अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किए हैं। मुंबई स्थित जहाजरानी महानिदेशक ने अपने परामर्श में भारत के जहाजों, नौकाओं को भी इलाके से जुड़े तट के आसपास अनावश्यक आवाजाही से बचने और दूतावासों के बयानों पर नजर रखने को कहा गया था। जहाजों से जुड़ी कंपनियों और लोगों की भर्ती करने वालों से भी अनुरोध किया कि वो इस क्षेत्र में जाने के लिए भारतीयों को फिलहाल भर्ती न करें। 14 जनवरी के परामर्श में तेहरान में भारतीय दूतावास ने वहां छात्रों, तीर्थ यात्रियों, पर्यटकों और व्यापारियों को सार्वजनिक यातायात के हर संभव माध्यम का उपयोग कर जल्द से जल्द ईरान छोड़ने को कहा। दूतावास से संपर्क में रहने और चौबीसों घंटे मदद के लिए बनाई गई हेल्पलाइन का प्रयोग करने का निर्देश दिया। इन तथ्यों को 23 फरवरी को जारी किए गए परामर्श में केंद्र ने पुनः मजबूती के साथ दोहराया है। कुछ लोग इन पर ध्यान देते हुए ईरान से बाहर निकल चुके हैं। जबकि जिन लोगों ने ऐसा नहीं किया। वो अभी भी वहां पर ही हैं। सरकार ईरान के बाहर काम कर रहे मछुआरों के संपर्क में हैं। 28 फरवरी तक यही स्थिति थी। संघर्ष के आगाज के साथ ही हमने तेहरान से कई भारतीय छात्रों को बाहर स्थानांतरित किया है।

मंत्रालय ने स्थापित किया नियंत्रण कक्ष : विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में एक समर्पित विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जिसका उद्देश्य क्षेत्र के हालात की निगरानी के साथ ही प्रभावित लोगों और उनके परिजनों के सवालों का जवाब देना है। 3 मार्च को अपडेट के साथ जारी परामर्श में आपातकालीन हेल्पलाइन संपर्क स्थापित करने की जानकारी दी गई। तीर्थयात्रियों को भी मदद प्रदान की गई। ईरान में फंसे हुए व्यापारियों की आर्मेनिया के रास्ते वतन वापसी कराई गई। जयशंकर ने ये भी कहा कि तेहरान में भारत का दूतावास पूरी तरह से ऑपरेशनल है। वहां तैनात दूतावास कर्मी मुश्किल की इस घड़ी में अपने देश के नागरिकों को हर प्रकार से सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जो लोग अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने के इच्छुक हैं। समुद्री जहाजों, नौकाओं को हर समय मदद करने और जरूरी समन्वय के लिए जहाजरानी महानिदेशक ने 2 मार्च को तत्काल प्रतिक्रिया टीमों का गठन कर दिया है।

बातचीत का सिलसिला जारी रहेगा: प्रधानमंत्री की यूएई के राष्ट्रपति, कतर के अमीर, सऊदी अरब, कुवैत के क्राउन प्रिंस, ओमान, बहरीन के किंग, ओमान के सुल्तान और इजरायल के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत हो चुकी है। प्रत्येक का सार यही है कि हमें सभी ने आश्वासन के साथ ये कहा है कि उनके देश में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। मैं भी इन देशों के अपने समकक्षों के साथ निकट संपर्क में बना हुआ है। जहां तक अमेरिका का मसला है तो मैं बताना चाहता हूं कि हम कूटनीतिक माध्यमों से लगातार उनके संपर्क में बने हुए हैं। मौजूद जटिल हालात के बीच ईरान के शीर्ष नेतृत्व के साथ संपर्क में रहना काफी मुश्किल है। लेकिन 28 फरवरी और 5 मार्च को मेरी ईरानी विदेश मंत्री के साथ बात हुई है। आगामी दिनों में भी उच्च-स्तरीय संवाद की ये प्रक्रिया जारी रहेगी।

स्वदेश लौटे 67 ...

माध्यम से अपने देश के लोगों को लौटने की मंजूरी दी है। जिसका नतीजा ये है कि अब तक कुल करीब 67 हजार भारतीय स्वदेश वापस लौटे हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बीते तीन दिनों का आंकड़ा जारी किया है। बीते 7 मार्च को विमानन कंपनियों ने 51 उड़ानों का संचालन किया, 8 मार्च को इनकी संख्या 49 रही। जबकि 9 मार्च के लिए हमारी योजना 59 उड़ानों के संचालन की है।

3 जहाजों के लिए ईरान ...

नौसैन्य सुविधाओं में ठहराया गया है। ये हमारी ओर से मानवीय आधार पर उठाया गया कदम था। जिसे लेकर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भारत के प्रति आभार जताया था। बीते वक्त में मेरी उनके साथ 28 फरवरी और 5 मार्च को बातचीत हुई है। हम इस उच्च-स्तरीय बातचीत के सिलसिले को भविष्य में भी जारी रखेंगे।

पश्चिम एशिया में संघर्ष ...

ने सभापति से अनुरोध किया कि इस गंभीर विषय पर सदन में चर्चा कराई जाए। हालांकि उनके वक्तव्य के दौरान सत्ता पक्ष की ओर से व्यवधान डाला गया, लेकिन इस सबके बावजूद खरगे ने देश की साख और जनता के हितों की रक्षा की बात मजबूती से उठाई। राज्यसभा में वक्तव्य से पहले उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मौजूदा भू-राजनीतिक संकट पर विदेश मंत्री का एकतरफा बयान समाधान नहीं है। हमें सामूहिक रूप से देश को विश्वास में लेना होगा। भारत सरकार को हमारी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने, हमारे व्यापारियों की सहायता करने, हमारे निर्यात के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और कीमतों में बढ़ोतरी के जरिए जनता पर बोझ डालना बंद करने के लिए एक विस्तृत आकस्मिक योजना सामने रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता के प्रति संवेदनशीलता की मांग करता है। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि मंत्रियों द्वारा दिए गए ऐसे बयान, जिन पर न तो कोई सवाल पूछा जा सकता है और न ही कोई स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है, उनका कोई मतलब नहीं है।

संसद परिसर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन, प्रधानमंत्री मोदी पर देश के हितों से समझौता करने का लगाया आरोप : सोमवार को दिन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों ने खाड़ी युद्ध पर केंद्र सरकार की चुप्पी के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन भी किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश के हितों से समझौता करने का आरोप लगाया।

इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्लैकमेल हो चुके हैं, वह पूरी तरह कंप्रोमाइज्ड हैं और इसी वजह से संसद में इस मुद्दे पर चर्चा से बच रहे हैं। वे संसद में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई से भारत की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होने वाला है, लेकिन कंप्रोमाइज्ड प्रधानमंत्री में इस पर चर्चा करने का साहस नहीं है।

महंगाई और आर्थिक पहलुओं की चर्चा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति जनता से जुड़ा हुआ मुद्दा है और इस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस विषय पर चर्चा की मांग इसलिए कर रहा है, क्योंकि इसका सीधा असर देश की जनता और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि शेयर बाजार गिर रहा है, एलपीजी की कीमतें बढ़ रही हैं और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से ऊपर जा रही हैं। इसका सीधा असर भारत के आम आदमी, घरेलू बजट और छोटे व मध्यम व्यवसायों पर पड़ रहा है।

हरियाणा के लिए गुजरात ...

नवीन ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए बिहार, ओडिशा और हरियाणा में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। बिहार के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, ओडिशा के लिए महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले और हरियाणा के लिए गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर नियुक्त किया है।

गौरतलब है कि देश में 16 मार्च 2026 को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कई पार्टियां अपने उम्मीदवार तय करने में जुटी हैं। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कुछ बड़े नेताओं का राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। चुनाव आयोग ने 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव का कार्यक्रम जारी किया है। इन सीटों पर अभी जो सदस्य हैं, उनका कार्यकाल अप्रैल 2026 में खत्म हो रहा है।

जिन राज्यों में चुनाव होना है उनमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। अगर जरूरी हुआ तो इन सीटों के लिए मतदान 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। वोटों की गिनती उसी दिन शाम 5 बजे शुरू होगी और नतीजे भी उसी दिन घोषित किए जाएंगे।

भारत-इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस ...

जारी है। एक्सपोर्ट वर्जन की मारक क्षमता 290 किमी.: सूत्रों ने कहा कि मिसाइल को दूसरे देशों को देने यानी उसके एक्सपोर्ट वर्जन की मारक क्षमता कुल करीब 290 किलोमीटर की है। जिसमें ये मिसाइल तटीय सुरक्षा के साथ-साथ जमीनी हमले में भी सक्षम है। ब्रह्मोस परियोजना की 1998 में संयुक्त रूप से भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया द्वारा की गई थी।

तेजस्वी यादव ने राजद विधायकों को पटना बुलाया

राज्यसभा की 5 में से एक सीट जीतने का फॉर्मूला तैयार करेंगे

एजेंसी ▶▶ पटना

राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने अपने विधायकों को पटना बुला लिया है। राजद विधायक दल की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में तेजस्वी राजद विधायकों को राज्यसभा चुनाव को लेकर निर्देश देंगे। बिहार में 5 राज्यसभा सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। आरजेडी ने मौजूदा सांसद एडी सिंह को फिर से मैदान में उतारा है। 5 में से 4 सीटों पर एनडीए की जीत तय है, जबकि पांचवीं सीट पर विपक्ष जीत के लिए रणनीति बना रहा है। राज्यसभा चुनाव 2026 में बिहार की 5 सीटों पर 6 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। इनमें 5 उम्मीदवार एनडीए से हैं, जिनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के चीफ उपेंद्र कुशवाहा, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और भाजपा नेता शिवेश राम शामिल हैं। जबकि विपक्ष की ओर से आरजेडी ने अमरेंद्रधारी सिंह उर्फ एडी सिंह को मैदान में उतारा है। हालांकि, किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया है। इसके चलते मतदान होना तय है। सोमवार को राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन का आखिरी दिन था। अब 16 मार्च को वोटिंग होगी।

4 सीटों पर एनडीए की जीत तय, पांचवीं पर सस्पेंस

बिहार विधानसभा में मौजूदा संख्याबल के आधार पर एनडीए की चार सीटों पर जीत तय मानी जा रही है। हालांकि, पांचवीं सीट पर जीत के लिए ना तो सत्ताधारी गठबंधन के पास पर्याप्त नंबर है और ना ही विपक्ष के पास। ऐसे में मतदान के दौरान क्रॉस वोटिंग के आसार बढ़ गए हैं।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि

सहेली

नई दिल्ली, मंगलवार
10 मार्च 2026

दांपत्य का रिश्ता बहुत प्यारा,अनूठा होता है। अगर कोई पुरुष अपनी जीवनसंगिनी में केवल पत्नी को ही देखेगा या स्त्री अपने जीवनसाथी में केवल पति को देखेगी तो रिश्ते में एकरसता आएगी ही। ऐसा न हो, दांपत्य सदैव मधुर और रिश्ता हमेशा प्रगाढ़ बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि दोनों आवश्यकतानुसार एक-दूसरे को कभी मां-पिता, कभी फ्रेंड, कभी सहयोगी तो कभी प्रेमी-प्रेमिका होने का एहसास करवाते रहें।

जीवन साथी में उभरती हैं मां-पिता-मित्र-प्रेमी की छवियां

कवर स्टोरी

मेघा राठी

दांपत्य कोई एकरंगी रिश्ता नहीं होता। यह समय, परिस्थिति और भावनात्मक जरूरतों के साथ अपना रूप बदलता रहता है। कभी इसमें मां-पिता जैसा प्रेम-स्नेह उतर आता है, कभी मित्रता की सहजता तो कभी प्रेमी, प्रेमिका जैसा रुमानी आकर्षण। यही अनेक रूप या लचीलापन दांपत्य रिश्ते को जीवित रखता है। पति-पत्नी का रिश्ता जब केवल एक ही रूप में जकड़ जाता है, तब वह बोझिल हो जाता है।

पति-पत्नी के बीच रिश्तों के हों विविध रंग: अनुज और काव्या को देखें। उनकी शादी को बारह वर्ष हो चुके हैं। शुरुआती वर्षों में इनका रिश्ता प्रेम-उत्साह से भरा था, लंबी बातचीत, अचानक बाहर घूमने के प्लान, छोटे-छोटे सरप्राइज। समय के साथ उनकी जिम्मेदारियां बढ़ीं। बच्चे, नौकरी, परिवार, सब कुछ जीवन में आ गया। कभी-कभी अनुज ऑफिस से थककर घर लौटता तो बिना कुछ कहे सोफे पर बैठ जाता, काव्या समझ जाती, बात क्या है। कुछ कहे बिना वह उसके लिए कॉफी बनाकर, उसके पास बैठकर, उसका हाथ थाम लेती या सिर सहला देती। उस पल अनुज को काव्या में अपनी मां की छवि नजर आती, उसे बेहद सुकून महसूस होता। ऐसा भी नहीं कि सिर्फ काव्या ही अनुज का ध्यान रखती थी। कई बार काव्या दिनभर के कामों से थककर चूर हो जाती, तब अनुज रसोई में उसके साथ हाथ बंटाता, बच्चों को पढ़ा देता या घर के दूसरे और काम निपटा देता। प्यार से काव्या के गाल थपथपा कर कहता, 'सब कुछ अकेले मत करो।' उस समय काव्या को अपने पापा याद आ जाते। उसे अनुज के दिए यह अहसास बहुत संबल देते। इसी तरह किसी दिन अनुज-काव्या मित्र बन जाते, खुलकर दोस्तों की तरह बातें करते, हंसते। जब किसी दिन घर में बच्चे ना होते तो दोनों बालकनी में बैठकर चाय पीते, पुराने गीत सुनते, तब वे प्रेमी-प्रेमिका होते, पुरानी यादों के साथ एक दूसरे के साथ छेड़छाड़ करते, रोमांटिक हो जाते। अनुज और काव्या इस बात को जानते थे कि उनका रिश्ता इसलिए गहरा और मजबूत है, क्योंकि उन्होंने अपने रिश्तों को किसी एक ही रूप में रखने की कोशिश नहीं की, उनके रिश्तों में विविध रंग हैं।

पत्नी के स्नेह भाव और ममता से मित्रता तक

पत्नी का स्नेह भाव केवल देखभाल तक सीमित नहीं होता। वह कभी मां सी ममता देती है तो कभी मित्र बनकर पति की बातें सुनती है बिना जज किए, तो कभी प्रेमिका की तरह उसमें आत्मविश्वास जगाती है। यह स्नेह भाव मां के स्नेह का विकल्प नहीं है, उसका परिपक्व रूप है। यहां समझ, संवाद और सीमाएं भी साथ चलती हैं। पत्नी का स्नेह तभी सुंदर रहता है, जब वह अपने अस्तित्व और भावनाओं को खोए बिना दिया जाए।

दंपती तलाशते हैं एक-दूसरे में अपने मां-पिता की छवि: हमारा पहला भावनात्मक जुड़ाव अपने मां-पिता से होता है। मां से हमें सुरक्षा, पोषण और बिना शर्त स्वीकार्यता मिलती है, जबकि पिता से दिशा, भरोसा और स्थिरता का अनुभव। यही अनुभव हमारे अवचेतन में गहरे बैठ जाते हैं। जब व्यक्ति वयस्क जीवन में प्रवेश करता है, अपना जीवनसाथी चुनता है तो अनजाने में वह उन्हीं परिचित भावनात्मक अनुभवों को फिर से महसूस करना चाहता है। इसलिए कई बार पति अपनी पत्नी में मां की छवि खोजता है, जो उसे थाम ले, समझे और सुरक्षित महसूस कराए। वहीं पत्नी अपने पति में पिता समान स्थिरता, संरक्षण और भरोसे की अनुभूति ढूंढ़ती है। यह तलाश स्वाभाविक है, क्योंकि मन अपने पुराने सुरक्षित अनुभवों की ओर लौटना चाहता है। समस्या तब होती है, जब यह तलाश हमेशा के लिए एक अपेक्षा बन जाए। पति हर समय पत्नी से मां जैसी ममता की चाहत करे या पत्नी, पति से हर क्षण पिता जैसा संरक्षण चाहे तो दांपत्य जीवन में एक दबाव आ जाएगा। इसलिए एक संतुलन जरूरी है, इससे दांपत्य रिश्ता कभी बोझिल नहीं लगेगा।

पति का स्नेह देता है सुरक्षा, भरोसा और सम्मान भाव: दांपत्य में स्नेह केवल पाने का नाम नहीं। पति भी पत्नी के लिए पिता समान सुरक्षा, मित्र समान भरोसा और प्रेमी-समान अपनेपन के भाव देता है। जब वह पत्नी के निर्णयों का सम्मान करता है, उसकी भावनाओं को हल्के में नहीं लेता, उसके सपनों में सहभागी बनता है, ऐसे में उसका स्नेह गहरा और अर्थपूर्ण हो जाता है। पति का स्नेह तब और गहरा, मजबूत हो जाता है, जब वह केवल जिम्मेदारियों तक सीमित न रहे, भावनात्मक रूप से भी उपस्थित रहे। अपनी पत्नी को संबल प्रदान करे।

प्रेमी-प्रेमिका जैसा व्यवहार है दांपत्य की प्राणवायु: देखा यही जाता है कि लंबे वैवाहिक जीवन में सबसे पहले जो खोता जाता है, वह है प्रेमी-प्रेमिका वाला व्यवहार। जबकि सच यह है, यही तत्व दांपत्य को जीवंत बनाए रखता है। एक-दूसरे की तारीफ करना, साथ समय बिताना, हल्की छेड़छाड़, स्पर्श की भाषा और भावनात्मक निकटता, ये सब रिश्ते में ऊर्जा भरते हैं।

जब पति-पत्नी यह मान लेते हैं कि अब प्रेम बनाए रखने के लिए किसी तरह के प्रयास करने की आवश्यकता नहीं है, प्रेम तो हमेशा ऐसा ही रहेगा, तब धीरे-धीरे प्रेम घटने लगता है, दूरी बनने लगती है। प्रेम को भी समय, प्रयास और सजगता चाहिए।

अनजाने में उभरी छवियां ही रिश्ते को बनाती हैं मजबूत: जब पति-पत्नी अनजाने में एक-दूसरे के लिए मां या पिता जैसी भूमिका निभाते रहते हैं, तब रिश्ता भीतर से मजबूत हो जाता है। क्योंकि यह भूमिका मांगी हुई नहीं होती, परिस्थिति से सहज भाव से उपजी होती है। ऐसे क्षणों में अहं नहीं होता, केवल संवेदनशीलता होती है। लेकिन यही छवियां अगर जान-बूझकर खोजी जाएं, जुमले बोले जाएं, 'तुम मेरी मां की तरह क्यों नहीं हो' या 'तुम मेरे पिता जैसे क्यों नहीं हो' तो रिश्ते में तुलना, शिकायत और असंतोष को जन्म देती है, क्योंकि जीवनसाथी माता-पिता का स्थान नहीं ले सकता। इसलिए स्वस्थ दांपत्य में ये छवियां सहज रूप से आती-जाती हैं, इनका आना-जाना ही ज्यादा दांपत्य रिश्ते को खूबसूरत बनाता है।

जरूरी है भूमिकाओं का संतुलन: दांपत्य की सबसे बड़ी खूबसूरती उसकी बहुरूपता है। कभी पति-पत्नी मित्र होते हैं, कभी माता-पिता, कभी प्रेमी-प्रेमिका और कभी केवल सहयात्री। यदि इन भूमिकाओं को लचीलेपन के साथ अपनाया जाए तो रिश्ते कभी बोझ नहीं बनते। एक ही भूमिका की अपेक्षा रखना रिश्ते को सीमित कर देता है। स्नेह तब परिपक्व हो जाता है, जब उसमें बराबरी, संवाद और साझा जिम्मेदारी हो। पति-पत्नी आनंद से तब साथ रह पाते हैं, जब वे एक-दूसरे की परवाह को कर्तव्य नहीं, प्रेम समझते हैं। कभी एक आगे बढ़कर थाम लेता है, कभी दूसरा। कभी प्रेमी बनकर रोमांच रचते हैं, कभी मित्र बनकर हंसते हैं तो कभी माता-पिता जैसी कोमलता में एक-दूसरे को संबल देते हैं। दांपत्य का मनोविज्ञान यही सिखाता है कि ऐसा संतुलन ही इसे प्रगाढ़ और मधुर बनाता है। ❁

घर में भी रहें सजी-संवरी

अधिकतर होममेकर्स घर में रफ-टफ ढंग से रहती हैं। उन्हें मेकओवर करना गैरजरूरी लगता है, जबकि घर में सज-संवर कर रहने से न केवल कॉन्फिडेंस बढ़ता है, आप हैप्पी-एनर्जेटिक भी फील करती हैं।

सेल्फ केयर

चैतन्या

हमारे घरों में होममेकर महिलाओं का रुटीन आमतौर पर नीरस सा होता है। यह केवल जिम्मेदारियों की भागदौड़ के चलते ही नहीं होता। स्वयं की अनदेखी भी इसके पीछे एक बड़ा कारण है। घर तक सिमटकर रहने वाली महिलाएं अपनी संभाल-देखभाल करना ही भूल जाती हैं। सोचने वाली बात है कि तैयार होकर रहने के लिए घर से बाहर जाने की शर्त ही क्यों हो? घर के काम-काज करते हुए भी खुद को सजा-संवरा रखा जा सकता है। इसके कई फायदे हैं।

आत्मविश्वास की सौगात: सेल्फ केयर से आत्मविश्वास बढ़ता है। इसलिए गृहणियां भी अच्छी दिनचर्या बनाकर अपनी केयर के लिए कुछ समय जरूर निकालें। काम-काजी महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होकर निकलती हैं। पर प्रायः होममेकर्स, सुबह से शाम तक खुद को ठीक से आईने में भी नहीं देखतीं। धीरे-धीरे यह रुटीन पूरे व्यक्तित्व को ही नीरस बना देता है। ऐसे में जरूरी है कि घर के कोने-कोने का मेकओवर करने वाली स्त्रियां खुद को न भूलें। सेल्फ केयर को भी तवज्जो दें। सहज ढंग से घर में भी तैयार होकर रहें। बालों को संवारकर रखें। ये सभी बातें आपका आत्मविश्वास तो बढ़ाएंगी ही मानसिक सुकून भी देंगी।

फील करेंगी एक्टिव-एनर्जेटिक: घर की चारदीवारी के भीतर का मोनोटोनस रुटीन, गृहणियों को थके मन और बिखरे से जीवन की ओर ले जाता है। ऐसे में गृहणियों को यह समय रहते समझना होगा कि यह दिनचर्या कोई एक-दो दिन या कुछ महीनों की बात नहीं होती। जब जीवन ही घर-आंगन में बीतना है तो क्यों ना खुद की देखभाल भी रोजमर्रा के रुटीन का हिस्सा हो! अपनी पसंद के मुताबिक सज-संवरकर रहा जाए। अच्छे से तैयार होकर रहना मानसिक रूप से भी ताजगी देता है। अपने ही व्यक्तित्व के प्रति पॉजिटिव फीलिंग बढ़ती है। इसीलिए घरेलू कामों में भी अपनी ड्रेसिंग सेंस पर ध्यान जरूर दें। नियमित अच्छी ड्रेसेस पहनने से आप खुद को एक्टिव भी रख सकेंगी।

बच्चों के व्यक्तित्व पर असर: होममेकर मांओं के लाइफस्टाइल का असर बच्चों के व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। आपकी सेल्फ केयर से बच्चे भी ऐसा करना सीखते हैं। खुद का ख्याल रखने वाले बच्चे आत्मविश्वासी बनते हैं। अपनी साज-संवार का ध्यान रखते हैं। निष्क्रिय बनने के बजाय एक्टिव और अलर्ट व्यक्तित्व के धनी बनते हैं। इसीलिए बच्चों की बेहतरी के लिए भी खुद को सभालें। ❁

बच्चे और आप

विधि गोयल

सभी बच्चे एक जैसे नहीं होते हैं। जहां कई बच्चे आसानी से अनजान लोगों के साथ बातचीत कर लेते हैं, अपनी बात कह लेते हैं, वहीं कुछ बच्चे लोगों से बात नहीं कर पाते या झिझकते हैं। ऐसे बच्चों की इस झिझक को आसानी से दूर किया जा सकता है।

बच्चे की वीक कम्युनिकेशन स्किल आसानी से कर सकते हैं इंप्रूव

सभी पैरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे क्लास में अच्छा परफॉर्म करें, कॉन्फिडेंट बनें, स्कूल, कॉलेज में लीडिंग रोल्स में रहें। लेकिन कुछ बच्चे वीक कम्युनिकेशन स्किल की वजह से दूसरों से बात करने में झिझकते हैं। इससे उन्हें पर्सनल लाइफ ही नहीं बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी ग्रो करने में परेशानी होती है। तो ऐसे में परेशान होने के बजाय कुछ बातों पर पैरेंट्स को अमल करना चाहिए। आइए जानते हैं कि किस तरह बच्चों में बातचीत यानी कम्युनिकेशन स्किल्स को स्ट्रॉन्ग कर सकते हैं?

स्क्रीन टाइम करें मैनेज: स्मार्ट फोन, टीवी स्क्रीन और ऑनलाइन गेम्स में बच्चों की जरूरत से ज्यादा सक्रियता के चलते भी बच्चे अपनी ही दुनिया में व्यस्त रहते हैं। इस कारण उन्हें अन्य बच्चों और घर में आए मेहमानों से, बाहर लोगों से मेलजोल करने में झिझक होती है। इसलिए बच्चों के अंदर बातचीत या सोशल स्किल्स सिखाने के लिए जरूरी है कि बच्चों का स्क्रीन टाइम मैनेज किया जाए और उन्हें लोगों से मिलना-जुलना, अपनी बात कहना, सिखाया जाए। कम्युनिकेशन सिखाने की शुरुआत के लिए बच्चों के उम्र के ही दूसरे बच्चों को घर में बुलाएं। अपनी उम्र के बच्चों के साथ खेलकर और बातचीत करके बच्चों के लिए घुलना-मिलना आसान हो जाता है। इससे बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर होती हैं।

घर से करें शुरुआत: बच्चों को कुछ भी नया सिखाने से पहले अपने बच्चों को वह जैसा है, उसे स्वीकार करें। पैरेंट्स बच्चे के सामने बार-बार यह न कहें कि ये तो बहुत शर्माता है, किसी से बात नहीं करता तो इससे बच्चे का कॉन्फिडेंस कम होने लगता है। इससे वे बेहतर तरीके से कम्युनिकेशन करना सीख नहीं पाएंगे। अगर कोई बच्चा अनजान लोगों से बात करने में डरता है तो उस डर को एकदम से खत्म नहीं किया जा सकता। बातचीत की शुरुआत खुद और घर के अन्य मेंबर्स से करें। उनकी पसंद की बातें करें, इससे बच्चों के अंदर बात करने का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और धीरे-धीरे घर से बाहर के लोगों से भी बात करने में उसका डर भी घटेगा।

कर सकते हैं एक्टिंग: पैरेंट्स एक्टिंग वाला कोई प्ले खेल सकते हैं। इसमें आप टीचर, शॉप-कीपर बन सकते हैं और बच्चा स्टूडेंट या खरीददार बन सकता है। ऐसा करने से बच्चे के साथ इंट्रैक्ट करने पर बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और वह दूसरों से बातचीत करने की स्किल भी सीखेगा।

बच्चे को प्रिपेयर करें: अगर घर में गेस्ट आने वाले हैं या आप किसी के घर मेहमान बन कर जाने वाले हों तो बच्चे को पहले से तैयार करें। उसे बताएं कि आपको किसी से मिलना है तो कैसे उन्हें विश करना है, नमस्ते या हाय हैल्लो कहना है? इंट्रोवर्ट बच्चों को अचानक यह समझ नहीं आता है कि उन्हें दूसरों के सामने कैसे बिहेव करना है? इसीलिए बच्चे को पहले से प्रिपेयर करने से बच्चे बातचीत करने में झिझकते नहीं हैं।

खिलौने हो सकते हैं सहायक: छोटे बच्चों को कम्युनिकेशन सिखाने के लिए टॉयज की मदद ली जा सकती है। शुरुआती दौर में बच्चों के पसंदीदा खिलौने को चुनकर बच्चों को बातचीत करना सिखा सकते हैं। इस तरह की बातचीत से बच्चों को खुशी, डर, भय, अकेलापन, दुःख जैसे इमोशंस भी सिखा सकते हैं। टॉय टॉक बच्चों को कम्युनिकेशन सिखाने का एक इफेक्टिव तरीका है। ऐसा करने से बच्चा खेल-खेल में कम्युनिकेशन करना सीख जाता है।

कहानियों के माध्यम से सिखाएं: बच्चों को कहानी सुनना बहुत अच्छा लगता है। कहानी सुनाते समय बच्चे से कहानी के बारे में सवाल-जवाब करें और उन्हें कहानी को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें। ❁

(पैरेंटिंग कंसल्टेंट डॉ. शिल्पा गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर

नीलोफर

स्किन केयर के लिए परफेक्ट मानी जाती है हल्दी

अपने देश में केवल खाने में ही नहीं बल्कि ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी हल्दी का खूब इस्तेमाल होता है। चेहरे की रंगत निखारने में हल्दी काफी उपयोगी होती है। इसीलिए मैरिज के अवसर पर दूल्हा-दुल्हन के रंग-रूप को निखारने के लिए हल्दी से बने उबटन का उपयोग किया जाता है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं। इसीलिए कई प्रॉब्लम्स में कारगर होती है।

निखार के लिए: हल्दी का चमकीला पीला रंग उसमें मौजूद करक्यूमिन नामक तत्व के कारण होता है। यह त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों और पर्यावरणीय प्रदूषकों से हमें सुरक्षा प्रदान करता है। यह स्किन की डेड सेल्स की मरम्मत करके उसमें निखार लाता है। यही वजह है हल्दी त्वचा की देखभाल के लिए यूजफुल मानी जाती है।

मुंहासों से बचाए: हल्दी में मौजूद करक्यूमिन तत्व मुंहासों से बचाता है। जब हमारी त्वचा के रोमछिद्र, ऑयल, डेड स्किन और बाहरी प्रदूष से बंद हो जाते हैं तो चेहरे पर ब्लैक हेड्स, व्हाइट हेड्स और मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हल्दी, त्वचा में सीरम के उत्पादन को नियंत्रित करने का काम करती है। यही वजह है कि चेहरे पर हल्दी और बेसन को मिलाकर लगाने से मुंहासों से भी छुटकारा मिलता है।

पिग्मेंटेशन से बचाए: लगातार सूरज की किरणों के संपर्क में रहने से हमारी त्वचा में पिग्मेंटेशन हो सकता है। सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणों से अगर सुरक्षा के लिए उपाय न किए जाएं तो त्वचा समय से पहले एजिंग का शिकार होने लगती है। त्वचा पर झुर्रियां पड़ जाती हैं और उसकी चमक खत्म हो जाती है। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन इस नुकसान से लड़ने और फ्री रेडिकल्स को लड़ने में मदद करता है।

लाभकारी है हल्दी: हल्दी में अनेक एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिससे यह त्वचा को भरपूर पोषण देने के साथ-साथ एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से संपन्न होती है। मुंहासों से बचने के लिए ही नहीं बल्कि मुंहासों के निशानों को मिटाने के लिए भी त्वचा पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। स्ट्रेच मार्क, त्वचा में सूजन, त्वचा का बदरंग होना, इन सभी के लिए यह लाभकारी होती है।

पैच टेस्ट जरूर करें: स्किन ब्यूटी को निखारने के लिए हल्दी के अनेक फायदे हैं। इसका सही फायदा लेने के लिए जहां तक संभव हो हल्दी जैविक, प्राकृतिक और मिलावट रहित होना चाहिए। इसलिए जब भी उबटन बनाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल किया जाए, उसका पैच टेस्ट फेस से पहले हाथ की स्किन पर जरूर करना चाहिए ताकि सीधे चेहरे की त्वचा पर इसे लगाने से कोई नुकसान न हो। ❁

डाइट एडवाइस

डॉ. माजिद अलीम

अकसर हाथ-पैरों और जोड़ों में दर्द होना, कमजोर दांत-नाखून, हेयर फॉलिंग या पीरियड्स के दौरान दर्द, कैल्शियम की कमी से हो सकता है। अपनी डाइट में सुधार कर शरीर में होने वाली कैल्शियम की कमी को दूर कर सकती हैं।

शरीर में कैल्शियम की कमी को ऐसे करें दूर

कैल्शियम एक ऐसा महत्वपूर्ण खनिज है, जो हमारे दांतों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह हमारी मांसपेशियों के संकुचन, खून के थक्के जमने के लिए भी जरूरी होता है। अकसर 14 से लेकर 17 साल के आयुवर्ग की लड़कियों में और मेनोपॉज के दौरान महिलाओं में कैल्शियम की कमी देखी जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान यदि मां के शरीर में कैल्शियम की कमी हो तो इससे बच्चें के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर होता है। मानव शरीर कैल्शियम उत्पादित नहीं करता, इसलिए हमें अपने आहार से ही इसे पूरा करना होता है।

इसलिए होती है कमी: महिलाओं में कैल्शियम की कमी का सबसे बड़ा कारण अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही होती है। इसके अलावा खराब जीवनशैली, रेडी टू ईट फूड का सेवन, संतुलित आहार की कमी, खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण भी इसकी कमी देखी जाती है। कैल्शियम युक्त भोज्य पदार्थों की कमी, विटामिन-डी की कमी, मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव, कैल्शियम अवशोषण में बाधा डालने वाली दवाओं के सेवन, डेयरी उत्पादों का कम सेवन जैसी तमाम वजहों से उनमें कैल्शियम की कमी हो जाती है।

कैल्शियम की कमी के लक्षण: कैल्शियम हड्डियों और दांतों की सेहत के लिए जरूरी तो है ही, यह नाखूनों को मजबूती देता है। इसकी कमी से मांसपेशियों में दर्द, थकावट, दिल की धड़कन बढ़ना, पीरियड्स के दौरान अधिक दर्द होना, बालों का झड़ना, त्वचा का सूखापन, नाखूनों का कमजोर होकर बार-बार टूटना, दांतों का कमजोर होना, जोड़ों में दर्द, याद्दाश्त में कमी, नींद में परेशानी, कब्ज, गैस या पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कमी ऐसे करें दूर: शरीर में कैल्शियम की कमी दूर करने के लिए ऐसे आहार का सेवन करें, जो कैल्शियम से भरपूर हों।

पालक: 100 ग्राम पालक में 90 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। पालक को सिर्फ एक मिनट उबालकर सेवन करना चाहिए।

सोयाबीन: 100 ग्राम सोयाबीन में तकरीबन 175 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। सोयाबीन से बना दूध, टोफू, दही भी फायदेमंद है।

रागी: 100 ग्राम रागी में तकरीबन 370 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। रागी के आटे से कई प्रकार के व्यंजन बनाकर इसका सेवन किया जा सकता है।

मेथी के पत्ते-बीज: 100 ग्राम मेथी के पत्तों में 150 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। मेथी के पत्तों का इस्तेमाल करी, दाल, चावल, कर सकते हैं।

खट्टे फल: खट्टे फलों में विटामिन-सी के साथ कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

बादाम: प्रति 100 ग्राम बादाम में 264 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। प्रतिदिन पांच भीगे बादाम की गिरि खाली पेट खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और त्वचा कोमल और बाल भी स्वस्थ रहते हैं।

काले चने: ड़ेढ कप काले चने में 315 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। उबले हुए काले या सफेद चने में औसतन एक बाउल में 80 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

दही: 100 ग्राम दही में 85 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

चिया सीड्स: 100 ग्राम चिया सीड्स में लगभग 630 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

धूप का सेवन: महिलाओं को अपने शरीर में कैल्शियम की अपूर्ति के लिए कैल्शियमयुक्त आहार की जरूरत के साथ-साथ सुबह की धूप भी सेकना जरूरी है। क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन-डी, कैल्शियम अवशोषण के लिए जरूरी होता है। ❁

आयुष्मान-चिरायु पर हरियाणा विस में हंगामा, कांग्रेस ने किया वॉकआउट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

सोमवार को विधानसभा सत्र हंगामेदार रहा। कई मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस हुई। आयुष्मान भारत और चिरायु हरियाणा योजना के तहत निजी अस्पतालों में गरीबों के लोगों के उपचार को लेकर हंगामा हुआ। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ कांग्रेस विधायकों अशोक अरोड़ा, बीबी बत्रा और गीता भुक्कल ने योजना के तहत गरीबों का इलाज नहीं होने का दावा किया तो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आंकड़ों के साथ आरोपों को नकार दिया। इसके बाद आरोप-प्रत्यारोपों के बीच जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने सदन से वाकआउट कर दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने तंज कसा कि विपक्ष ध्यानाकर्षण प्रस्ताव तो लगाता है, लेकिन जवाब सुनने से पहले ही तड़ीपार हो जाता है। कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि आयुष्मान-चिरायु योजना के तहत पैनल में शामिल निजी अस्पतालों ने प्रतिपूर्ति राशि नहीं मिलने के कारण कई स्वास्थ्य सेवाओं को बंद कर दिया है।

27 लाख लोगों का हुआ इलाज : सीएम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विपक्ष द्वारा हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात बताना केवल राजनीति से प्रेरित एक नैरेटिव गढ़ने की कोशिश है। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत 23 दिसंबर 2018 को की गई थी। इसके तहत पात्र परिवारों को प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है। इस योजना में 2694 उपचार पैकेज शामिल हैं। सरकार ने 1,236 करोड़ के क्लेम में से लगभग 1,100 करोड़ का भुगतान किया है। 27 लाख से अधिक लोगों का 3,862 करोड़ रुपये से इलाज करवाया गया है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत शिकायत निवारण की मजबूत व्यवस्था की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा संचालित कॉल सेंटर 14555 नंबर पर 24 घंटे शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने सदन में बताया कि 22 जनवरी 2026 तक हरियाणा में 784 निजी अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं। फरवरी 2026 में 21 फरवरी तक केवल निजी अस्पतालों से ही 33,911 प्री-ऑथराइजेशन अनुरोध प्राप्त हुए।

बजट में महिला सशक्तिकरण पर फोकस : सावित्री जिंदल

बजट पर चर्चा के दौरान निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि यह एक बजट नहीं है, यह प्रदेश की जनता के विकास के लिए पूरा लेखा-जोखा है। हमारी सरकार ने 2047 तक प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। किसी भी प्रदेश के विकास की नींव शिक्षा होती है। सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई बड़े फैसले किए हैं, जिसका फायदा यहां के युवाओं को यूपीएससी परीक्षा में देखने को मिल चुका है। एक महिला होने के नाते मुझे गर्व है।

एसवाईएल पर चर्चा से भाग रही सरकार : शैली चौधरी

बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक शैली चौधरी ने कहा कि यह पहली बार है जब बजट में एसवाईएल को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई है, जबकि एसवाईएल हरियाणा के लिए कितनी जरूरी है। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे से भाग रही है। जब सुप्रीम कोर्ट ने एसवाईएल को लेकर फैसला दे दिया है, तब भी सरकार उसे लागू नहीं करवा पा रही है।

करीलाधाम देश का एकमात्र ऐसा विख्यात धार्मिक स्थल जहां अपने दोनों पुत्रों के साथ विराजमान हैं माता सीता

करीला धाम के संपूर्ण विकास की बनाई जाएगी योजना रंगपंचमी मेला महोत्सव में शामिल हुए सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं संग खेली फूलों की होली, की खुशहाली की कामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अशोकनगर जिले का करीला धाम श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अदभुत संगम है। इस पावन स्थल पर माता सीता अपने दोनों पुत्र लव-कुश के साथ विराजमान हैं। यह देश का एक मात्र अद्वितीय मंदिर है, जहां माता सीता अपने दोनों पुत्रों के साथ पूजी जाती हैं। देश के अधिकांश मंदिर भगवान श्रीराम को समर्पित हैं। करीला धाम लव-कुश की जन्म-स्थली भी है, जो लव-कुश की बाल लीलाओं की साक्षी है। इस पवित्र स्थली के सम्पूर्ण विकास की योजना बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को अशोकनगर जिले के करीलाधाम में रंगपंचमी मेला महोत्सव में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने करीलाधाम में माता जानकी के दर्शन भी किए और जिले को 115 करोड़ रुपए लागत के 50 विकास कार्यों की सौगात भी दी। इसमें 57 करोड़ 3 लाख की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण और 58 करोड़ 32 लाख की लागत के 39 विकास कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री ने करीला धाम पहुंचकर अशोकनगर जिले को दी 115.35 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

करीलाधाम में उद्बोधन देते सीएम और मौजूद श्रद्धालुगण।

नारी का आत्म-सम्मान ही सबसे बड़ी शक्ति है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता सीता धैर्य, साहस और आत्म-सम्मान का प्रतीक हैं। जब हम नारी शक्ति की बात करते हैं तो माता सीता का ध्यान आता है। माता सीता ने यह संदेश दिया कि नारी का आत्म-सम्मान ही सबसे बड़ी शक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र को मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का भी विशेष स्नेह मिला है। यहां चित्रकूट में उन्होंने वनवास काल के 11 वर्ष बिताए। मप्र सरकार राम वन गमन वथ विकसित कर रही है। जहां-जहां भगवान श्रीराम के श्रीचरण पड़े हैं, उन्हें तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

सीता माता एवं लव-कुश की जुड़ती है कहानी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि करीला धाम में आस्था के साथ श्रद्धालु माता जानकी के दर्शन करने आते हैं। माता जानकी श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण करती हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर माता जानकी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया है। माता सीता शक्ति एवं पराक्रम की देवी हैं, उनका प्रताप गौरवशाली संस्कृति है। इस पवित्र स्थान से महर्षि वाल्मीकि, सीता माता एवं लव-कुश की कहानी जुड़ती है।

हमारी भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को प्रथम स्थान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को प्रथम स्थान दिया गया है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं संचालित की जा रही है। साथ ही आगामी लोकसभा एवं विधानसभा निर्वाचन में भी 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लाड़ली बहनों को प्रदेश सरकार प्रतिमाह 1500 रुपए की राशि प्रदान कर रही है। महिलाओं को विभिन्न विभागों में आरक्षण देकर उच्च पदों पर नियुक्ति दी गईं हैं। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष का आयोजन प्रदेश में किया जा रहा है। किसानों के उत्थान के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 6-6 हजार रुपए की राशि किसान सम्मन निधि के रूप में दी जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को किया सम्मानित

महिलाओं को सम्मानित करते सीएम।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की सात महिलाओं को सम्मानित किया। इनमें शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. अमिता सेठी, धार्मिक क्षेत्र में नैना शर्मा, खेल के क्षेत्र में पूनम रघुवंशी, पर्यावरण के क्षेत्र में विनीता साहू, स्वयंसिद्धा के क्षेत्र में गायत्री शर्मा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में छाया बैस तथा समाजसेवा के क्षेत्र में कुलविंदर कौर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला, पूर्व मंत्री एवं मुंगावली विधायक बृजेन्द्र सिंह मौजूद थे।

जानकी मंदिर में सीएम ने सपत्नीक की विधि-विधान से पूजा-अर्चना

- मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में ढोल बजाकर शंखनाद किया
- धाम तीर्थ के विकास की कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

पत्नी संग सीएम डॉ. यादव।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने करीला धाम में जानकी मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। साथ ही मंदिर परिसर में ढोल बजाकर शंखनाद किया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के साथ फूलों की होली भी खेली। मुख्यमंत्री ने ग्राम दीपनाखेड़ा से करीला धाम तक 10 किमी की सड़क स्वीकृत किये जाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने करीला धाम तीर्थ के संपूर्ण विकास की कार्ययोजना बनाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर महिला स्व-सहायता समूहों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर समूह की महिलाओं से संवाद भी किया।

विस की 4 समितियों के सभापति नियुक्त, लोक लेखा समिति की कमान भंवर को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा की चार महत्वपूर्ण समितियों में सभापतियों की नियुक्ति कर दी गई है। सभी सभापति निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। विधानसभा सचिवालय ने समितियों के गठन और सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान अध्यक्ष ने वर्ष 2026-27 के लिए इन समितियों के गठन और उनके सभापतियों के निर्वाचन की घोषणा की थी। तय प्रक्रिया के तहत सदस्यों का चयन किया गया और सभी सभापति निर्विरोध चुने गए। सबसे अहम मानी जाने वाली लोक लेखा समिति की कमान कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत को सौंपी गई है। यह समिति सरकारी विभागों के खर्च और वित्तीय अनुशासन की जांच करने वाली विधानसभा की प्रमुख समितियों में शामिल है।

समिति में जयंता मल्लैया, मीना सिंह मांडे, ओमप्रकाश धुर्वे, नागेंद्र गुड़, उपा बाबू सिंह ठाकुर, रामेश्वर शर्मा, रीति पाठक, योगेश पंडाग्रे, संजय उइके और दिनेश जैन को सदस्य बनाया गया है। सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति का सभापति अर्चना चिटनीस को बनाया गया है। यह समिति राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों के कामकाज और वित्तीय स्थिति की समीक्षा करती है। समिति में कुंवर सिंह टेकाम, अशोक रोहाणी, बृजेंद्र सिंह यादव, दिलीप सिंह परिहार, देवेंद्र कुमार जैन, गायत्रीराजे पवार, सुशील कुमार तिवारी, फूलसिंह बरैया, नितेंद्र सिंह राठौर और केशव देसाई को सदस्य नियुक्त किया गया है। प्राक्कलन समिति की जिम्मेदारी अजय विश्नोई को दी गई है।

यह समिति विभिन्न विभागों के अनुमानित व्यय और योजनाओं की समीक्षा करती है। समिति में शैलेन्द्र जैन, मेघा मेंडोला, हरिशंकर खटीक, दिव्यराज सिंह, नीना वर्मा, सुदेश राय, आशीष शर्मा, नारायण सिंह पट्टा, राजेंद्र भारती और देवेंद्र सबवार को सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति का सभापति राजेंद्र को नियुक्त किया गया है। यह समिति नगरीय निकायों और पंचायतों के वित्तीय कार्यों की समीक्षा करती है। समिति में बृजेन्द्र प्रताप सिंह, मालिनी गौड़, कमलेश प्रताप शाह, ललिता यादव, विष्णु खत्री, प्रदीप अग्रवाल, अभय मिश्रा, डॉ. सतीश सिक्का और सतीश मालवीय को सदस्य बनाया गया है। विधानसभा सचिवालय के अनुसार चारों समितियों का कार्यकाल वर्ष 2026-27 तक रहेगा और ये समितियां विभिन्न विभागों के वित्तीय प्रबंधन, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा सरकारी उपक्रमों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करेंगी।

व्हाइट टाइगर डिवीजन ने किया खिलाड़ी राधिका का सम्मान

नई दिल्ली। व्हाइट टाइगर डिवीजन, भारतीय सेना ने एक गौरवशाली कार्यक्रम में युवा खिलाड़ी राधिका को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। राधिका, नायब सूबेदार सुनील कुमार की बेटी हैं और वर्तमान में 17 वर्ष की हैं। वह इस समय अपनी 12वीं कक्षा की परीक्षाओं में भी उपस्थित हो रही हैं। राधिका ने कम उम्र में ही खेल के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सफलताएँ हासिल की हैं। वर्ष 2024 में उन्होंने साउथ एशियन कुराश गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया। इसी साल मंगोलिया में आयोजित कुराश वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। अपनी लगातार मेहनत और प्रतिभा के बल पर राधिका ने 2025 में नेशनल स्कूल गेम्स में जूडो में गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद जनवरी 2026 में जूडो जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में भी उन्होंने गोल्ड मेडल जीतकर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। वर्तमान में राधिका कर्नाटक स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में प्रशिक्षण ले रही हैं, जहाँ वह अपनी क्षमताओं को और निखारने के लिए लगातार कठिन परिश्रम कर रही हैं। उनका सपना भविष्य में ओलंपिक गेम्स में भारत के लिए मेडल जीतना है।

राधिका ने अपनी सफलता के इस सफर में भारतीय सेना के सहयोग और प्रोत्साहन को बहुत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आर्मी के मार्गदर्शन और समर्थन ने उन्हें अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। भारतीय सेना द्वारा किया गया यह सम्मान न केवल राधिका की उपलब्धियों का सम्मान है, बल्कि अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत है।

देश की सबसे कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करना संघर्षशील युवाओं के लिए प्रेरणादायी: मुख्यमंत्री साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भैरमगढ़ विकासखंड के छोटे से ग्राम गुदमा के युवा अंकित सकनी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 816वीं रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे बस्तर संभाग और प्रदेश का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों और दूरस्थ क्षेत्र में रहते हुए अंकित ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से यह सिद्ध कर दिया कि मजबूत इरादों के सामने परिस्थितियां कभी बाधा नहीं बनतीं।

अंकित ने युवाओं के लिए पेश की मिसाल

अंकित की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वीडियो कॉल के माध्यम से उनसे और उनके माता-पिता से बातचीत कर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजापुर जैसे दूरस्थ और आदिवासी अंचल के छोटे से गांव गुदमा से निकलकर यूपीएससी जैसी देश की सबसे कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करना अत्यंत प्रेरणादायी है।

अंकित ने सफलता से जुड़ी जिज्ञासाएं साझा कीं

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं ने अंकित से पढ़ाई और सफलता से जुड़ी कई जिज्ञासाएं साझा कीं। अंकित ने बताया कि उन्होंने जवाहर उत्कर्ष योजना के अंतर्गत कक्षा 6वीं से 12वीं तक की पढ़ाई बेमेतरा के अलायंस स्कूल में की। इसके बाद उन्होंने भिलाई से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने यह भी बताया कि यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उन्हें युवा कैरियर योजना के तहत एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई, जिससे उनकी तैयारी को और मजबूती मिली।

अपने लक्ष्य के प्रति हमेशा समर्पित रहें

अंकित ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि विद्यार्थी सरकारी योजनाओं का सही उपयोग करें और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने सभी युवाओं को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अंकित के माता-पिता जमुना सकनी और सकनी चंद्रैया ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित सम्मान कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें अपने बेटे की उपलब्धि पर गर्व है।

पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई आरोपियों से 171 मवेशी किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

जिले के भोपालपटनम थाना पुलिस ने कृषक पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 171 मवेशियों को तस्करों के कब्जे से मुक्त कराया है। इस मामले में नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये तस्कर जंगल के रास्ते मवेशियों को तेलंगाना राज्य ले जा रहे थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उल्लूर घाटी चिल्लामरका के जंगल मार्ग से गाय, बैल और बछड़े ले जाए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही भोपालपटनम थाना टीम ने मौके पर घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान मवेशियों को ले जाते हुए नौ आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस जांच में आरोपियों के पास पशुओं के स्वामित्व या परिवहन के कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। मौके पर गवाहों की उपस्थिति में कुल 171 कृषिक पशु बरामद किए गए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आशीष खरे, निदेशक मेसर्स आकांक्षा इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पताः फ्लैट नं. 1–2, पहली मंजिल, प्लॉट नं. ए–62, गली नं. 4, मधु विहार, नई दिल्ली–110092** ने **CC No. 530385/20216 U/s 138 NI Act, थानाः करोल बाग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आशीष खरे** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आशीष खरे** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **CC No. 530385/20216 U/s 138 NI Act, थानाः करोल बाग, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आशीष खरे** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 05.05.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री अरविन्द तोमर
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआइ एक्ट)–07
कोर्ट नं. 507, एक्सटेंशन ब्लॉक
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2942/CD/2026 (Court Matter)

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर निगम मानेसर	सभी प्रकार से पूर्ण 02 वर्ष की अवधि के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों का प्रचालन और रखरखाव (मानेसर)।	07.03.2026 18.03.2026	रु.4,78,90,968/-	https://etenders.hry.nic.in	8053494965 [illegible]

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद–13/2026/40/43664/I/88/7 दि. 09.03.26

चिंतन

चर्चा के लिए लाए गए अपने ही विषयों से न भागे विपक्ष

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संसदीय परंपरा और बहस की संस्कृति रही है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि विचारों के टकराव, तर्क-वितर्क और जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा का स्थान है। ऐसे में यदि संसद के भीतर उठाए गए विषयों पर ही राजनीतिक दल चर्चा से कतराने लगें, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंता का विषय बन जाता है। हाल ही में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर जो स्थिति बनी, उसने एक बार फिर इस सवाल को जन्म दिया है कि क्या राजनीतिक दल अपने ही उठाए मुद्दों पर बहस के लिए तैयार हैं। ऐसा है तो फिर वे चर्चा से क्यों भागते हैं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का मुद्दा जब संसद की कार्यसूची में शामिल था, तब केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जब प्रस्ताव लाया जाता है तो संसदीय नियमों के अनुसार उसके समर्थन में कम से कम 50 सांसदों का खड़ा होना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जब अध्यक्षता कर रहे जगदंबिका पाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि विपक्ष प्रस्ताव लाना चाहता है तो उस पर चर्चा की अनुमति दी जाएगी, तब विपक्ष को आगे आकर नियमों के अनुसार अपनी बात रखनी चाहिए थी। दरअसल, संसद में किसी भी प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव या स्थगन प्रस्ताव को लाने की एक निश्चित प्रक्रिया होती है। यदि इन प्रक्रियाओं को दरकिनार कर केवल राजनीतिक शोर-शराबा किया जाए तो संसद की उपयोगिता कम हो जाती है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं है, बल्कि वह सरकार की नीतियों पर तार्किक और तथ्यात्मक सवाल उठाए तथा बहस के माध्यम से जनता के मुद्दों को सामने लाए। इस पूरे प्रकरण में यह आरोप लगाया गया कि विपक्ष ने जिस मुद्दे को खुद उठाया, उसी पर चर्चा से बचने की कोशिश की और बीच में अन्य प्रस्ताव लाने का प्रयास किया। यदि यह सच है, तो यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। संसद में बहस से भागना न तो सरकार के लिए उचित है और न ही विपक्ष के लिए। लोकतंत्र में बहस ही वह माध्यम है जिसके जरिए जनता तक सच्चाई और तर्क दोनों पहुंचते हैं। संसद की कार्यवाही तय करने में बीएसी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही समिति विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए समय और प्रक्रिया निर्धारित करती है। यदि कोई विषय कार्यसूची में शामिल हो चुका है, तो उस पर चर्चा से पीछे हटना या व्यवधान पैदा करना संसदीय प्रक्रिया की गंभीरता को कम करता है। यह भी सच है कि भारतीय संसद में पिछले कुछ वर्षों में व्यवधानों की संख्या बढ़ी है। कई बार महत्वपूर्ण विधेयक और मुद्दे बिना पर्याप्त चर्चा के ही पारित या स्थगित हो जाते हैं। इससे लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होती है। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन यह काम नारेबाजी या हंगामे से ज्यादा प्रभावी ढंग से बहस और तथ्यों के जरिए किया जा सकता है। वहीं सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उसे विपक्ष की बात सुनने और उसे पर्याप्त समय देने की राजनीतिक उदारता दिखानी चाहिए। संसद तभी सार्थक बनती है जब वहां सत्ता और विपक्ष दोनों की आवाज सुनी जाए। यदि कोई पक्ष चर्चा से बचता है या दूसरा पक्ष चर्चा को टालता है, तो अंततः नुकसान लोकतंत्र का ही होता है। इसलिए आवश्यक है कि संसद को टकराव नहीं, बल्कि संवाद का मंच बनाया जाए।

मुद्दा

सेंट्रल डेस्क

देश की आर्थिक सेहत बिगाड़ सकता है तेल

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को तेज उछाल के कारण भारतीय वित्तीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। ईरान से जुड़े बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के चलते तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका ने निवेशकों में चिंता बढ़ा दी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय मुद्रा और शेयर बाजार दोनों पर दबाव पड़ा। भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले गिरकर 92.33 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप के बावजूद इसमें कमजोरी बनी रही। इसी दौरान प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 3% तक गिर गए, हालांकि बाद में इनमें थोड़ी रिकवरी देखी गई। ब्रेंट क्रूड की कीमत 25% से अधिक बढ़कर लगभग 117 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से ही तेल की कीमतों में कुल मिलाकर 50% से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी कुल तेल जरूरत का लगभग 89% आयात करता है, यह स्थिति आर्थिक रूप से बेहद संवेदनशील है। तेल महंगा होने से आयात बिल बढ़ता है, महंगाई बढ़ती है, चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि यह भू-राजनीतिक संकट लंबा खिंचता है, तो इसका असर केवल वित्तीय बाजारों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि आर्थिक विकास, सरकारी वित्त और कॉरपोरेट आय पर भी पड़ सकता है।

इस संकट का एक बड़ा पहलू हॉर्मुज जलडमरूमध्य है, जो वैश्विक तेल व्यापार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। भारत का लगभग 2.6 मिलियन बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन इसी रास्ते से गुजरता है। यदि इस मार्ग में कोई बाधा आती है, तो भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। कुछ विशेषज्ञों ने इससे भी खराब स्थिति की चेतावनी दी है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि यदि संघर्ष और बढ़ता है और खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होती है, तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर भारतीय रुपये पर भी पड़ा है। तेल महंगा होने पर भारत को आयात के लिए अधिक डॉलर की आवश्यकता होती है, जिससे विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ जाती है। साथ ही वैश्विक अनिश्चितता के समय निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों, विशेषकर अमेरिकी डॉलर की ओर रुख करते हैं। इन दोनों कारणों से रुपये पर दोहरा दबाव बना है। आरबीआई द्वारा डॉलर बेचकर बाजार को स्थिर करने की कोशिश के बावजूद आयातकों और निवेशकों की मांग के कारण रुपये में कमजोरी बनी रही।

भारतीय शेयर बाजारों में आई गिरावट इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के महीनों में कंपनियों के वित्तीय परिणाम बेहतर हो रहे थे। कई कंपनियों ने लगातार कई तिमाहियों में दो अंकों की लाभ वृद्धि दर्ज की थी और विश्लेषकों का अनुमान था कि वित्त वर्ष 2025 से 2027 के बीच निफ्टी कंपनियों की आय लगभग 12% की दर से बढ़ सकती है। लेकिन तेल की कीमतों में उछाल इस सकारात्मक रुझान को प्रभावित कर सकता है। ऊर्जा महंगी होने से विमानन, परिवहन, रसायन, विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों की लागत बढ़ जाती है। यदि कंपनियां यह अतिरिक्त लागत उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पातीं, तो उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। साथ ही, ईंधन महंगा होने से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति घटती है, जिससे मांग भी कमजोर पड़ सकती है। हालांकि इन जोखिमों के बावजूद नीति-निर्माताओं का कहना है कि भारत पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है। वर्तमान में देश के पास 250 मिलियन बैरल से अधिक का कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार है, जो मैंगलोर, पडुर और विशाखापत्तनम जैसे रणनीतिक भंडारण केंद्रों में रखा है। इसके अलावा, भारत ने पिछले दशक में तेल आयात के स्त्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर लगभग 40 देशों तक विविधीकृत किया है, जिनमें रूस, पश्चिम अफ्रीका व अमेरिका भी शामिल हैं। कुल मिलाकर, भारत की अर्थव्यवस्था के बुनियादी संकेतक अभी भी अपेक्षाकृत मजबूत हैं- जैसे नियंत्रित महंगाई, स्थिर आर्थिक वृद्धि, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और संतुलित राजकोषीय स्थिति। फिर भी, बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता और ऊंची तेल कीमतें बाहरी जोखिम पैदा कर रही हैं। यदि यह संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो रुपये, वित्तीय बाजारों और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। इसलिए भारत की आर्थिक स्थिति काफी हद तक वैश्विक ऊर्जा बाजारों और खाड़ी क्षेत्र की स्थिरता पर निर्भर बनी हुई है।

युद्ध में मनुष्यता ही हारती है

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

दुनिया इन दिनों युद्ध के साए में जी रही है जिसके लिए शासकों की सनक और उनका गैर जिम्मेदाराना रवैया ही प्रमुख रूप से जवाबदेह है। वर्तमान में अमेरिका-इजरायल और ईरान, रूस-यूक्रेन, पाकिस्तान -अफगानिस्तान और इजरायल-गाजा के बीच युद्ध चल रहा है। इसके अलावा सूडान, म्यांमार, यमन में सिविल वार जारी है। भौगोलिक तौर पर देखें तो दुनिया का 25 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त है। विभिन्न देशों के बीच होने वाले युद्ध तथा गृहयुद्ध के लिए धार्मिक कट्टरवाद, जातीय संघर्ष, अंतर्राष्ट्रीय सीमा विवाद, परमाणु हथियारों का होड़,नशीले पदार्थों का व्यापार, संसाधनों पर कब्जा और शासकों की विस्तारवादी नीति जैसे कारण जिम्मेदार हैं। विभिन्न कट्टरपंथी धार्मिक और अलगाववादी संगठनों को कई सरकारों द्वारा आर्थिक और राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है फलस्वरूप दुनिया में अशांति और हिंसात्मक घटनाएं लगातार बढ़ रही है। अलबत्ता इन अंतर्राष्ट्रीय युद्ध और गृहयुद्ध का अभिशाप आम नागरिकों जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं उन्हें ही भोगना पड़ रहा है। युद्ध के इतिहास पर गौर करें तो आम तौर पर हर जंग में बड़ी संख्या में बेकसूर नागरिकों और सैनिकों की मौत होती है।इसके अलावा युद्ध की विभीषिका पलायन, अशिक्षा, बेरोजगारी, अपंगता, बीमारी, भूखमरी, कुपोषण, महामारी और गरीबी का भी मर्ज देती है जिसका दर्द युद्ध पीड़ितों को दशकों-सदियों तक पीढ़ी दर पीढ़ी सालते रहता है।

दुनिया में धार्मिक कट्टरवाद लगातार बढ़ रहा है जिसका असर वैश्विक राजनीतिक पर दृष्टिगोचर हो रहा है। विभिन्न देशों के सरकारों और सेना पर कट्टरपंथी धार्मिक और अलगाववादी संगठनों का सीधा हस्तक्षेप है। ऐसे देश अपने पड़ोसी मुल्कों में हिंसात्मक और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं फलस्वरूप जंग के हालात पैदा हो रहे हैं।गौरतलब है कि अमेरिका - इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की शुरुआत बीते 28 फरवरी को अमेरिकी द्वारा ईरान पर किए गए हमले बाद से हुई है। इस अमेरिकी हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर और शिया मुसलमानों के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला खामेनेई सहित 40 से ज्यादा शीर्षस्थ सैन्य अधिकारी और कमांडर मारे गए। इस हमले के दौरान ईरान के मिनाब काउंटी में एक गर्ल्स स्कूल में बमबारी के चलते 160 स्कूली छात्राओं के मौत की दर्दनाक खबर सामने आई है। दूसरी ओर ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई तेज करते हुए इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत और जॉर्डन के अनेक इलाकों में मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। इस जंग के चलते अभी तक कुल 1,701 लोग मारे गए हैं जिसमें

ईरान के 1,332 नागरिक और सैनिक मारे गए हैं। ईरानी हमले में इजरायल के 11 नागरिक और सैनिक तथा अमेरिका के 6 सैनिकों के मारे जाने की खबरें हैं। लेबनान और अन्य खाड़ी देशों में 339 लोगों की मौत इस युद्ध में होने की खबरें हैं जिसमें बड़ी संख्या में मासूम बच्चों की भी मौत हुई है। इधर अमेरिका और इजरायल ने इस कार्रवाई के पीछे ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके द्वारा अनेक आतंकवादी संगठनों को सैन्य और आर्थिक मदद को जिम्मेदार ठहराया है। विडंबना है कि इन हमलों में 65 स्कूलों और 14 अस्पतालों को भी निशाना बनाया गया है।

हालिया युद्ध के पृष्ठभूमि पर गौर करें तो इसके मूल में इजरायल और गाजा के बीच जारी जंग है। गौरतलब है कि फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास द्वारा 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में उत्सव मना रहे यहूदियों एवं विदेशी नागरिकों पर पर सशस्त्र हमला किया गया था। इस हमले में 1200 यहूदियों सहित विदेशी नागरिकों का सरेआम कत्लेआम किया गया था और 240 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजरायल और गाजा पट्टी के बीच युद्ध छिड़ गया जिसमें अभी तक 72,000 फिलीस्तीनी मारे गए हैं। अमेरिका - ईरान युद्ध के चलते भारत सहित दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक और व्यापारिक तौर पर मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। भारत से बड़ी संख्या में लोग शिक्षा, रोजगार और पर्यटन के लिए खाड़ी देशों में जाते हैं जो इस युद्ध के चलते अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक खाड़ी देशों में तकरीबन 90 लाख से 1 करोड़ के बीच भारतीय रह रहे हैं जो निर्माण, विमानन, चिकित्सा और नर्सिंग तथा होटल और प्रबंधन क्षेत्र में कार्यरत हैं। ईरान में 2000 कश्मीरी छात्र हैं जिनके अभिभावक चिंतित हैं और भारत सरकार से हस्तक्षेप की गुजारिश कर रहे हैं। इधर भारत सरकार ने 'मिशन स्वदेश' के जरिए बीते एक सप्ताह में 52 हजार से ज्यादा भारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित किया है। अलबत्ता इस जंग का खत्म होना समूची दुनिया के लिए जरूरी है क्योंकि युद्ध के चलते ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (जलडमरूमध्य) को बाधित करने की संभावना है। इस मार्ग से भारत अपने जरूरत का 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा तेल उत्पादन और परिवहन में रुकावट की वजह से दुनिया में पेट्रोल, डीजल और पेट्रोलियम गैस की किल्लत बढ़ेगी जिससे महंगाई बढ़ेगी।

अब बात रूस और यूक्रेन युद्ध की करें जिसकी शुरुआत 24 फरवरी 2022 को हुई थी। इस जंग के शुरूआत में यह दावे किए जा रहे थे कि रूस महज दो हफ्तों में यूक्रेन को घुटने टेकने को मजबूर कर देगी लेकिन आज चार सालों बाद भी जंग जारी है जिसके निकट भविष्य में खत्म होने की संभावना नहीं है। रक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के मुताबिक द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे लंबा चलने वाला युद्ध है जिसने वैश्विक समीकरण बदल दिया है। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज 'सीएसआईएस' के मुताबिक इस युद्ध में रुस के करीब 3.25 लाख सैनिक मारे गए हैं तो 2 लाख यूक्रेनी सैनिकों की जान गई है।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बीते 21 फरवरी से जंग जारी है जिसमें पाकिस्तान वायु सेना ने अफगानिस्तान के अनेक प्रांतों में हवाई हमला कर दिया। इधर पाकिस्तानी सेना के मुताबिक अफगानिस्तान के इन इलाकों में आतंकवादी संगठनों के शिविर चल रहे थे जिसके सदस्यों ने पाक के अनेक शहरों में आतंकवादी हमले किए थे।

विचारणीय है कि दुनिया के अनेक देशों और संगठनों ने युद्धरत देशों से युद्धविराम करने की अपील की है बावजूद इन देशों के शासकों के सनक के चलते दुनिया असहाय नजर आ रही है।इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर लगातार सवालिया निशान लग रहा है तथा इसके प्रासंगिकता पर भी बहस जारी है।

दूसरी ओर युद्धग्रस्त देशों का मंजर भयावह है बमबारी के चलते इन देशों के प्रमुख शहर खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इन देशों के शहरों के सड़कों पर लाशें बिखरी पड़ी है, अस्पतालों में उपचार रत घायल मासूम बच्चों की तस्वीरें हृदय विदारक है। आगजनी और धुआं हर पल को भयावह बना रही है, एंबुलेंस और हवाई हमले के सायरन खामोशी तोड़ रही है। अस्पतालों, स्कूलों, थिएटर और रिहायशी इलाकों में बमबारी के बाद जान बचाने के लिए सड़कों पर बदहवास भागती भीड़ बेहद दर्दनाक है। पानी, दूध, ब्रेड और दवाई के हाहाकार मचाती महिलाओं और बुजुर्गों की भीड़ युद्धरत देशों के शासकों की मनुष्यता पर सवाल खड़ा कर रही है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध में कभी किसी की विजय नहीं होती लेकिन हार हमेशा मनुष्यता की ही होती है। विश्वयुद्ध से लेकर देशों के बीच हुए जंग के नतीजे गवाह हैं कि इन विभिषिकाओं को हमेशा आने वाली पीढ़ी दशकों भोगती है। इस जंग में उन बेकसूर युवा, बुजुर्ग, महिलाओं और बच्चों की जाने जाती है जिनका कोई वास्ता इस युद्ध के जीत या हार से नहीं होती। युद्ध के कोख से ही शरणार्थी जन्म लेते हैं जिन्हें अन्य देशों में शरण लेना पड़ता है। इन शरणार्थियों की नियती शरण लेने वाले देश में की दोयम दर्जे के आदमी की बन जाती है जहां उसे रोटी, कपड़ा और सर पर छत के लिए स्थानीय प्रशासन के रहमो-करम पर निर्भर होने के लिए मजबूर हो जाता है। शरणार्थी समस्या अनेक देशों के लिए जहां आर्थिक बोझ साबित हो रहा है वहीं इससे देश के भीतर अशांति भी पैदा हो रही है। दुनिया भर के शासकों को इन सबकों से सीख लेने की जरूरत है क्योंकि युद्ध से कभी भी मसले हल नहीं होते बल्कि यह केवल प्रलाप और विभिषिका ही लेकर आता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध और गांधी के अहिंसा और शांति की राह चुननी होगी ताकि मनुष्यता की रक्षा संभव हो सके।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

उपकार

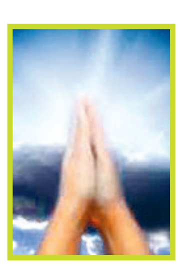

संकलित

दर्शन

किसी संकट एवं कष्ट के समय हर क्षण हमारी जिह्वा पर प्रभु का नाम होता है। मन, कर्म एवं वचन से भी हमें उनके अनुनय-विनय की मुद्रा में ही रहते हैं। फिर एक दिन जब हम प्रभु की अनुकंपा से उन बुरे दिनों की चपेट से उबर जाते हैं तो उन्हें भूल जाते हैं। इस प्रकार जन्म से लेकर आज तक हमारे ऊपर ईश्वर के ऐसे उपकारों का सिलसिला अनंत है। प्रभु के उपकार रूपी ऋण से उऋण होना हम मनुष्यों के लिए जीवनपर्यत असंभव है। धन्य हैं वे करुणानिधान, जिन्होंने विशेष कृपा कर हमें बनाया। हाथ, कान, नाक, पांव, बुद्धि एवं घ्राण क्षमता-सब कुछ कार्योपयोगी। यदि वह एकाध अंग-उपांग से अथवा अनेक जीवनोपयोगी शारीरिक क्षमताओं से वंचित कर विपरीत परिस्थितियों में जन्म दे देते तब भी हमें जीवन जीना ही पड़ता। तो क्या फिर हम अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य पर इतना इतरा पाते? बिल्कुल नहीं। तब पल-पल संघर्ष एवं परिश्रम कर सब कुछ झेलना ही होता। प्रभु ने कुछ तो समझ-बूझकर हम मनुष्यों को जीवन की ये तमाम अनुकूलताएं दी होंगी। भगवान ने इतनी सुविधाएं दीं तो बदले में हमने क्या विलक्षण किया? वास्तव में ईश्वर ने हमें ये सारी अनुकूलताएं एवं सुविधाएं कुछ विशेष कार्य करने के लिए दी हैं, न कि केवल व्यर्थ में कुछ विशेष होने-समझने के लिए। समस्या यह है कि औरों के कल्याण एवं हित के लिए प्रभु-दरबार से अनुकंपा पर मिली वस्तुओं को हमने भूलवश नितांत अपना ही समझ लिया। इसलिए आनंद देने वाली उन सब वस्तुओं से भय, क्रोध, लालच, पीड़ा,ईर्ष्या, द्वेष एवं पीड़ा टपकने लगी।

जब कोई झूठा आरोप लगे तो धैर्य न छोड़ें

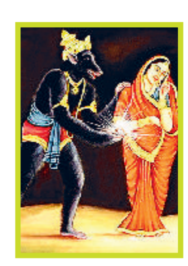

संकलित

प्रेरणा

द्वारका में एक सूर्य भक्त था सत्राजित। उसे सूर्य देव ने स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। ये मणि रोज बीस तोला सोना उगलती थी। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में देंगे तो इससे मिले धन से प्रजा की अच्छी देखभाल हो सकेगी। सत्राजित ने श्रीकृष्ण को मणि देने से मना कर दिया। इस घटना के कुछ दिन बाद सत्राजित के भाई प्रसेनजित ने मणि चुरा ली। प्रसेनजित मणि लेकर जंगल में भाग गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। मणि जंगल में ही गिर गई। सत्राजित को जब प्रसेनजित और अपनी मणि नहीं मिली तो उसने श्रीकृष्ण पर आरोप लगा दिया कि कृष्ण ने ही मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण पर चोरी और हत्या का कलंक लग गया। श्रीकृष्ण आरोप को गलत साबित करने के लिए जंगल की ओर चल दिए। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पैरों के निशान दिखे।श्रीकृष्ण समझ गए कि प्रसेनजित को शेर ने मार दिया है और मणि यहीं कहीं गिर गई है। श्रीकृष्ण मणि खोजते हुए एक गुफा में पहुंच गए। गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण ने मणि मांगी तो जामवंत ने नहीं दी। इसके बाद दोनों का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीत गए। इसके बाद जामवंत ने मणि श्रीकृष्ण को दे दी और अपनी पुत्री जामवंती का विवाह भी भगवान के साथ कर दिया। द्वारका लौटकर श्रीकृष्ण ने वह मणि जामवंत से लेकर सत्राजित को दे दी और पूरी सच्चाई बता दी।

अंतर्मन

आज की पाती

हंगामे और गतिरोध की संसद

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद को सर्वोच्च मंच माना जाता है, जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि देश की नीतियों, समस्याओं और भविष्य की दिशा पर गंभीर चर्चा करते हैं। किंतु दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद की कार्यवाही बार-बार हंगामे और गतिरोध की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के प्रारंभ से पहले ही जिस तरह हंगामे की आशंका व्यक्त की जा रही है, वह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए चिंताजनक संकेत है। विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर तीखी बहस होना स्वाभाविक है, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का अधिकार विपक्ष को प्राप्त है। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि वर्तमान परिस्थितियों में यह प्रस्ताव संख्या बल के आधार पर पारित होने की स्थिति में नहीं है। *- विवेक बैनर्जी, रायगढ़*

ट्रेंड

बहस से भाग रही कांग्रेस

यह बहुत बुरा है कि कांग्रेस बहस से भाग रही है। स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन के लिए कांग्रेस के कहने पर एक नोटिस एडमिट किया गया था, जिसे उन्होंने ठीक से ड्राफ्ट भी नहीं किया था। इसे ठीक किया गया और फिर एडमिट किया गया। आज की तारीख तय की गई थी। **-पीयूष गोयल,** केंद्रीय मंत्री

विपक्ष को हंगामे की आदत

विपक्ष को हंगामा करने की आदत है। वे काम नहीं करना चाहते। आज लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी, लेकिन उन्होंने यूएस-इजराइल बनाम ईरान विवाद पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा, विवाद पर भारत का रुख साफ है। **-रामदास अठावले,** केंद्रीय मंत्री

विपक्ष को भरोसे में ले सरकार

हमें वेस्ट एशिया में युद्ध के हालात और फ्यूल की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर चर्चा करने की जरूरत है। यह पार्टी का मामला नहीं है। सरकार को विपक्ष को भी भरोसे में लेना होगा। देश में बढ़ती महंगाई और रसोई गैस पर सरकार अपना रुख स्पष्ट करे। **-केसी वेणुगोपाल,** सांसद, कांग्रेस

विदेश नीति पर चर्चा जरूरी

अमेरिका यह तय कर रहा है कि हमें किससे तेल खरीदना चाहिए। भारत की विदेश नीति पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। सरकार को इस पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। अमेरिका कौन होता है जो भारत को बताए कि आपको क्या करना है, क्या नहीं। **-अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

करंट अफेयर

बर्फ की चट्टान टूटने से फंसे 23 लोगों को बचाया गया

कनाडा के दक्षिण-पश्चिमी ओंटारियो स्थित जॉर्जियन बे के तट से बर्फ की चट्टान टूटकर बह जाने के बाद उस पर फंसे 23 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ओंटारियो प्रांतीय पुलिस के अनुसार बर्फ का बड़ा टुकड़ा तट से अलग होकर एक मील से अधिक दूरी तक बह गया और कई हिस्सों में टूट गया, जिससे कुछ लोग बर्फीले पानी में आंशिक रूप से डूब गए। ग्रे-ब्रूस इकाई के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रविवार दोपहर कई लोगों के बर्फ पर फंसने की सूचना मिली थी। मदद के लिए पुलिस के विमानन और समुद्री इकाइयों के साथ-साथ जॉर्जियन ट्रायंगल के आसपास स्थित काउंटी के अग्निशमन विभागों के कर्मियों को भी मौके पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि 'कॉबल बीच गोल्फ कोर्स' ने विमानन इकाइयों और प्राथमिक उपचार व्यवस्था के लिए अपनी सुविधाएं उपलब्ध कराईं। अधिकारियों के अनुसार दोपहर तक सभी लोगों को सुरक्षित रूप से हेलीकॉप्टर के जरिए तट पर वापस लाया गया। उनमें से कुछ मामूली रूप से जख्मी हो गये।

ऑफ बीट

औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि। वर्ष 2016 में विनियामक परिवर्तनों के बाद से औषधीय भांग को अधिक सुलभ बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने 7,00,000 से अधिक अनुमोदन जारी किए हैं इनमें से लगभग आधे अनुमोदन ऐसे पुराने दर्द के लिए हैं जो कैंसर के कारण नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु का पांच में से एक व्यक्ति क्रॉनिक दर्द (पुराने दर्द) से पीड़ित है जिसका लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

बजट वेबिनार में पीएम का 'केयर इकोनॉमी' पर जोर

जन आकांक्षाओं की पूर्ति सरकार का संकल्प.. शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र पर जोर

पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले दशक में देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ेगी, जबकि दुनिया के कई देशों में 'केयरगिवर्स' की भारी मांग है। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र में लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बजट के बाद आयोजित 'सबका साथ, सबका विकास- लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना' विषय पर वेबिनार को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जन आकांक्षाओं की पूर्ति केवल चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि यही इस बजट का मूल ध्येय और सरकार का संकल्प है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जन आकांक्षाओं की पूर्ति का सबसे बड़ा माध्यम शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे मूलभूत सेक्टर हैं। इसी वजह से इस वेबिनार में इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है।

नई पीढ़ी की सोच देश की सबसे बड़ी ताकत और पूंजी

योग और आयुर्वेद दुनिया भर में तेजी से लोकप्रिय हो रहा

बजट वेबिनार को संबोधित करते पीएम मोदी

स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बना रहे

पीएम ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर काफी मजबूत हुआ है और सैकड़ों जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत आरोग्य मंदिरों से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच गांव-गांव तक बढ़ाई गई है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर

पीएम मोदी ने 'केयर इकोनॉमी' का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है। आने वाले दशक में देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ेगी, जबकि दुनिया के कई देशों में 'केयरगिवर्स' की भारी मांग है। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र में लाखों युवाओं के लिए कौशल धारित रोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं।

टेली मेडिसिन के प्रति जागरूकता बढ़ाएं

पीएम ने कहा कि टेली मेडिसिन का से बड़ी संख्या में दूरदराज के लोग भी अब इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं और इस पर भरोसा बढ़ रहा है। हालांकि, इसमें अभी और ज्यादा जागरूकता तथा सहजता बढ़ाने की जरूरत है। पिछले एक दशक में देश की सोच में बड़ा बदलाव आया है। आज भारत का हर युवा कुछ नया करना चाहता है। नई पीढ़ी की सोच देश की सबसे बड़ी ताकत और उज्ज्वल भविष्य की पूंजी है।

खेलों को राष्ट्रीय विकास से जोड़ा गया

पीएम ने कहा कि युवाशक्ति तभी राष्ट्रीय शक्ति बनती है, जब वह स्वस्थ, अनुशासित और आत्मविश्वास से भरपूर हो। पिछले कुछ वर्षों में खेलों को राष्ट्रीय विकास की महत्वपूर्ण धारा के रूप में देखा गया है। खेलो इंडिया जैसी पहलों ने देश में स्पोर्ट्स ईकोसिस्टम को नई ऊर्जा दी है और देशभर में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

विशेषज्ञों से मांगे सुझाव

पीएम ने वेबिनार में मौजूद हेल्थ सेक्टर के विशेषज्ञों से अपील करते हुए कहा कि वे नए ट्रेनिंग मॉडल और पार्टनरशिप विकसित करने के लिए सुझाव दें, ताकि देश का ट्रेनिंग इकोसिस्टम और मजबूत हो सके।

खबर संक्षेप

शरजील को 10 दिन की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत मिली है।

अदालत ने शरजील इमाम को अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है। एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेई की अदालत ने उन्हें जमानत दी।

बाड़मेर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बाड़मेर। बाड़मेर न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद हड़कंप मच गया।

पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड ने तलाशी ली, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस अब ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी है। धमकी भरे ई-मेल में दोपहर 1 बजे से पहले धमाका करने की बात कही गई थी।

तिरुवनंतपुरम में सड़क हादसे में 3 की मौत

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम के नेदुमंगड में दो दोपहिया वाहनों की टक्कर में तीन

लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान राजेश (21), बिनय (20) और श्रीलाल (28) के रूप में हुई है जो पास के उझामलक्कल के रहने वाले थे।

राहुल सिन्हा राज्यसभा के लिए निर्वाचित

कोलकता। पश्चिम बंगाल से भाजपा के वरिष्ठ नेता राहुल सिन्हा राज्यसभा के लिए चुन लिए गए हैं।

उन्होंने अपना जीत का प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर लिया है। उन्होंने अपनी पार्टी के नेतृत्व का शुक्रिया अदा किया। सिन्हा ने कहा, वे जनता की सेवा और पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

रिजिजू बोले, संसदीय गरिमा और मर्यादा को विपक्ष ने किया तार-तार

हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर नहीं हुई चर्चा

- कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने सदन में जमकर की नारेबाजी

असमंजस में है विपक्ष, पहले दिए गए प्रस्ताव पर चर्चा करने को तैयार नहीं, दूसरा प्रस्ताव लेकर हंगामा करना ही है इनका एकमात्र उद्देश्य

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को बजट सत्र के दूसरे भाग की शुरुआत में विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हुई। हालांकि सदन की कार्रवाई की सूची में यह मुद्दा प्रमुखता के साथ शामिल किया गया था। इसे लेकर विपक्ष ने सरकार को सत्र के पहले भाग में ही नोटिस दे दिया था। जिसे स्वीकार करते हुए सरकार इस पर चर्चा करने के लिए तैयार थी।

लेकिन सुबह 11 बजे सदन की शुरुआत के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य विपक्ष दलों के सांसदों द्वारा अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर हाथों में प्लेकार्ड लेकर किए गए हंगामे और नारेबाजी की वजह से दो बार के स्थगन के बाद 3 बजकर 8 मिनट पर कार्रवाई को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। दरअसल विपक्ष की मांग लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा करने से पहले पश्चिम-एशिया में जारी भीषण युद्ध के बीच बने हुए चिंताजनक माहौल और उससे जुड़ी देश की विदेश नीति को लेकर सरकार का रुख जानने की थी।

संसद को बंधक बनाने की है मंशाः पाल

विपक्ष के नारों में मोदी सरकार हाय-हाय, मोदी सरकार डाउन-डाउन, मोदी सरकार शेम-शेम मुख्य रहे। इस बीच 12 बजे पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल को विपक्ष से एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नियम प्रक्रिया का हवाला देते हुए लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सदन में पेश करने से रोकने की कोशिश की गई। जिसके जवाब में पाल ने कहा कि मुझे इस संबंध में पूरा अधिकार है। आज ये मामला सदन की कार्रवाई सूची में शामिल है। इसलिए इस पर चर्चा की जानी चाहिए। पाइंट ऑफ आर्डर का कोई प्रश्न ही नहीं बनता है। पाल ने विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों से कहा कि लोकसभा की प्रतिदिन की कार्रवाई को चलाने में कुल 9 करोड़ रुपए और प्रति मिनट इसके संचालन में ढाई लाख रुपए खर्च हो रहे हैं। ये सारा पैसा आम करदाताओं का है। जनता के पैसे का आप इस तरह से नुकसान कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि विपक्ष संसद को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है।

चिंता है तो विदेश मंत्री का बयान सुनें

विपक्ष के सांसद तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया के जिस मुद्दे को लेकर हंगामा कर रहे हैं। उसका जवाब ही डॉ.जयशंकर सदन में अपने बयान के जरिए दे रहे हैं। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने ये भी कहा, अगर आप मामले में चिंतित हैं तो विदेश मंत्री के बयान को ध्यान से सुनें। यूं सदन में प्लेकार्ड लेकर हंगामा करने से साफ है कि विपक्ष सुनियोजित तरीके से सदन नहीं चलने देना चाहता है। उन्होंने इस विषय पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद से सदन के पटल पर अपना संकल्प रखने के लिए भी कहा। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस के सांसद अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपनी बात रखने की मांग भी कर रहे थे।

रिजिजू ने कांग्रेस पर साधा निशाना

हंगामे के बीच सरकार का पक्ष रखते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और गांधी परिवार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि क्या एक व्यक्ति या एक परिवार पूरे देश के महाराजा हैं? कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, सांसद इस संबंध में अपनी अंतर आत्मा में झांककर देखें कि इससे आखिरकार किसका भला हो रहा है? केंद्रीय मंत्री ने ये भी कहा कि विपक्ष असमंजस की स्थिति में है। उन्हें पता नहीं है कि वो क्या करना चाहते हैं? पहले अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए। सरकार चर्चा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसके बाद अब एक दूसरा विषय लेकर आए हैं और उस पर चर्चा करने के लिए हंगामा कर रहे हैं। जबकि उनके द्वारा उठाए गए पश्चिम एशिया के मामले को लेकर विदेश मंत्री ने अपने बयान के जरिए जवाब दे दिया है। सदन में कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के यह हालात देखकर मैं कहना चाहूंगा कि वे सभी गैर जिम्मेदाराना व्यवहार का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें संसदीय नियम-कायदों से दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं है। विपक्ष के इस व्यवहार ने अंततः संसद की गरिमा को गिराया है। सुबह लोकसभा की कार्रवाई की शुरुआत में पीठासीन सभापति एन.के.प्रेमचंद्रन ने सदन की एक मौजूदा और चार पूर्व सदस्यों के निधन को लेकर श्रद्धांजलि देते हुए सदन की तरफ से शोक संवेदनाएं प्रकट की और उसी के साथ कार्रवाई को तीन मिनट के भीतर दोपहर 12 बजे के लिए स्थगित कर दिया था। 12 बजे भी हालात बहुत अधिक नहीं बदले, पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने भारतीय क्रिकेट टीम की हालिया जीत पर बधाई दी और उसके कुछ देर बाद ही कार्रवाई को 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

कहा, भारतीय जनता पार्टी हमारे धरनास्थल पर पर्चे बांट रही, ऐसे लोगों को पुलिस के हवाले करें टीएमसी कार्यकर्ता

मुख्य चुनाव आयुक्त राज्य के अधिकारियों को धमका रहे, झूठी बहादुरी सहन नहीं करेंगेः ममता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और 'उसकी एजेंसियां' कोलकाता में उनके धरनास्थल पर पर्चे बांट रही थी। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि ऐसे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी है। धरना स्थल पर ममता ने रवींद्र संगीत दल के साथ गाना गाया। ममता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आज बैठक के दौरान राज्य के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाया। साथ ही चेतावनी दी कि संवैधानिक अधिकारियों द्वारा झूठी बहादुरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने सोमवार को राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ अप्रैल में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की है। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (एसआईआर) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। मुख्यमंत्री बनर्जी पिछले तीन दिनों से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में शहर के बीचों-बीच धर्मतला में धरना दे रही हैं। उन्होंने राज्य की मंत्री शशि पांजा को भी इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि उनके धरना स्थल पर भाजपा और उसकी एजेंसियों पर्चे बांट रहे हैं। ममता ने टीएमसी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पर्चे बांट रहे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। पर्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को कोलकाता में होने वाली रैली का प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा, किसी अन्य राजनीतिक दल के कार्यक्रमों में ऐसे पर्चे बांटने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पकड़ो और पुलिस के हवाले कर दो।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम पर बोले जस्टिस दत्ता

इसमें पारदर्शिता की कमी, जजों को भी नहीं पता कि यह बैठता कहां है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कॉलेजियम सिस्टम की कार्य प्रणाली पर यह कहते हुए सवाल उठाए हैं कि इसमें पारदर्शिता की कमी है। जस्टिस दत्ता ने कहा कि अक्सर जजों को भी बहुत कम स्पष्टता होती है कि कॉलेजियम काम कैसे करता है और इसकी बैठकें कहां होती हैं। उन्होंने कहा कि आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि न सिर्फ हम जानते हैं कि क्या हो रहा है, हम ये तक नहीं जानते कि कॉलेजियम बैठता कहां है। उन्होंने कहा कि न्यायिक नियुक्तियां जेंडर की संख्या के बजाए मेरिट के आधार पर ही होनी चाहिए।

जस्टिस दीपांकर दत्ता

आधी रात में याचिका लिखी थी क्या

सुप्रीम कोर्ट ने पांच याचिकाओं को 'असंगत और बेवजह' बताते हुए पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन खारिज कर दिए। इनमें से एक याचिका में मांग की गई थी कि यह जांच की जाए कि प्याज और लहसुन में 'तामसिक' यानी नकारात्मक ऊर्जा होती है या नहीं। सीजेआई ने वकील सचिन गुप्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि क्या आप आधी रात को ये सारी याचिकाएं तैयार करते हो?

महिला वकीलों को जज बनाएं

देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने हाईकोर्ट्स के कॉलेजियम को योग्य महिला वकीलों को जजों के तौर पर नियुक्त किए जाने को लेकर गंभीरता से विचार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम को यह भरोसा होना चाहिए कि न्याय व्यवस्था उनकी वास्विकताओं को समझती है और उनके साथ निष्पक्षता से पेश आएगी।

असम गण परिषद के वरिष्ठ नेता जयंत खाउंद समेत कई नेताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

असम विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में कांग्रेस को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार को असम गण परिषद के पूर्व राष्ट्रीय वित्त सचिव जयंत खाउंद ने दर्जनों नेताओं के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में उन्हें पार्टी में शामिल कराया गया। इस दौरान असम के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह अलवर, असम के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई और राष्ट्रीय सचिव मनोज चौहान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। गौरव गोगोई ने कहा कि जयंत से जमीन से जुड़े नेता का कांग्रेस में आना असम में बह रही परिवर्तन की लहर का संकेत है। असम की जनता के मन में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ गुस्सा है और वह उनकी मनमानी से तंग आ चुकी है। गोगोई ने कहा कि सत्ता पक्ष के कई लोगों को भी वर्तमान नेतृत्व में घुटन महसूस हो रही है। मुख्यमंत्री सक्रिय कार्यकर्ताओं को किनारे कर अयोग्य और भ्रष्ट लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं। कांग्रेस के असम प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा का एकमात्र लक्ष्य क्षेत्रीय पहचान और क्षेत्रीय दलों को समाप्त करना है। भाजपा पहले क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन करती है और बाद में उनका अस्तित्व मिटा देती है। असम में भी जब से हिमंता सरकार आई है, तब से असम गण परिषद को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने जयंत खाउंद का कांग्रेस पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि वे हमेशा अपने मूल्यों पर कायम रहे हैं; उनके आने से असम की संस्कृति और मूल्यों को बचाने की लड़ाई को मजबूती मिलेगी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजय, पुत्रः** दया शंकर, **पताः** C34A शशि गार्डन दिल्ली, ने **FIR No.: 146/2010 U/s 420/406 IPC थानाः कल्याणपुरी, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 146/2010 U/s 420/406 IPC थानाः कल्याणपुरी, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **संजय,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
प्रिज्ञा गुप्ता
(सीजेएम) ईस्ट कोर्ट नंबर 29
कड़कड़डूमा, दिल्ली

(Court Matter)
DP/3000/ED/2026

डंकी रूट से युवाओं को विदेश भेजने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : नायब

कहा, केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय के सुझावों के अनुरूप लाया गया संशोधन

हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2026 में किया गया मामूली संशोधन : मुख्यमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2026 में केवल एक छोटा सा संशोधन किया गया है, जो केंद्र सरकार के प्रावधानों के अनुरूप है। इसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री सोमवार को हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान सदन में प्रस्तुत हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2026 पर बोल रहे थे। यह विधेयक हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन अधिनियम, 2025 को संशोधित करने के लिए लाया गया है। उन्होंने सदन को अवगत करवाया कि संशोधित प्रावधानों के अनुसार यदि कोई ट्रैवल एजेंट किसी व्यक्ति को विदेश में सेवा या रोजगार के लिए भेजता है और उसे वर्क परमिट उपलब्ध कराता है, तो उसे संबंधित केंद्रीय अधिनियम के अनुसार अपना पंजीकरण करवाना होगा। इसके साथ ही एजेंट को इस संबंध में आवश्यक जानकारी भी देनी होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि जब यह विधेयक पहले सदन में पारित हुआ था जिसके बाद राज्य सरकार ने इसे राष्ट्रपति के पास भेजा था। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा इसे विदेश मंत्रालय को भेजा गया, जहां से सुझाव दिया गया कि विधेयक में उनके प्रावधानों के अनुरूप संशोधन किया जाए। उन्हीं सुझावों के आधार पर राज्य सरकार इसमें मामूली संशोधन लेकर सदन में दोबारा लाई है। उन्होंने कहा कि विदेश से जुड़े मामलों में राज्य सरकार को विदेश मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही कानून बनाना पड़ता है।

पिछली बार जब यह विधेयक भेजा गया था, उस समय तीन नए कानून लागू हो गए थे, जिसके कारण इसमें कुछ तकनीकी संशोधन करना आवश्यक हो गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के संकल्प पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति प्रदेश के युवाओं को अवैध तरीके से 'डंकी रूट' के माध्यम से विदेश भेजने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी युवा डंकी रूट के जरिए विदेश न जाए। उन्होंने कहा कि यह कानून भारत के संविधान के अनुरूप बनाया गया है। राज्य द्वारा बनाए जाने वाले सभी कानून संविधान और केंद्रीय प्रावधानों के अनुरूप होने चाहिए। यदि केंद्र सरकार या संबंधित मंत्रालय किसी संशोधन का सुझाव देता है, तो राज्य सरकार का दायित्व बनता है कि वह उसके अनुरूप आवश्यक संशोधन करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय कानूनों के विरुद्ध नहीं जा सकती और इसलिए यह संशोधन पूरी तरह से संवैधानिक प्रावधानों तथा केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुरूप किया गया है।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चाकली सर्कल, पुराना पाडरा रोड, वडोदरा-390007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलैक्स, मुम्बई 400051

स्वर्ण ई-नीलामी-सह-आमंत्रण सूचना

नीचे वर्णित कर्जदारों को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ("आईसीआईसीआई बैंक") से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्वर्ण आभूषणों के तहत सुविधा ("सुविधा") के तहत उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिये नोटिस जारी किये गये हैं। हम गिरवी रखे गये स्वर्ण आभूषणों की 20 मार्च 2026 को एक ई-नीलामी आयोजित करने के लिये बाध्य हैं क्योंकि ये बकाया राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के ई-नीलामी तिथि को परिवर्तित करने / अकाउंट को हटाने के लिये अधिकार रखता है। नीलामी अप. 12:30 बजे से अप. 3:30 बजे के बीच https://jewel-auction.procuretiger.com पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु, कृपया दी गई वेबसाइट लॉगइन करें। मृतक कर्जदार के मामले में, सभी शर्तें कानूनी वारिसों के लिये लागू होंगी।

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : नई दिल्ली – ग्रेटर कैलाश	
002962018790	नरेन्द्र यादव
शाखा का नाम : नई दिल्ली – लाजपत नगर	
022557000085	शेरखान शेरखान
022562006943	दीपेश राठी
शाखा का नाम : नई दिल्ली – नारायणा विहार	
033562002900	मीनाक्षी तंवर
शाखा का नाम : नई दिल्ली – रघुपुरा	
135862002368	सुनील कुमार
शाखा का नाम : नई दिल्ली – भजनपुरा	
136062001574	अरूण कुमार
शाखा का नाम : दिल्ली – भीकाजी कामा	
181957000036	आशि तोमर
शाखा का नाम : दिल्ली – महावीर एंक्लेव	
182162003078	राहुल शर्मा

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : नई दिल्ली – ईस्ट ऑफ कैलाश ब्लॉक-ए	
347557000042	आजाद सिंह
347562001401	कुशाशावर कुमार
शाखा का नाम : नई दिल्ली – शेख सराय	
489957000007	सुनील कुमार
शाखा का नाम : नई दिल्ली – ग्रेटर कैलाश	
002905018226	तरूण नरिन्दर खन्ना
शाखा का नाम : नई दिल्ली – करोल बाग डब्ल्यूईए	
112957000055	गुड्डू
शाखा का नाम : नई दिल्ली – मोहन को-ऑपरेटिव इंड. एस्टेट	
135757000140	
शाखा का नाम : दिल्ली – द्वारका सेक्टर-17	
343462000717	दीपक कुमार गिरी
शाखा का नाम : दिल्ली – उद्योग नगर	
402057000039	सुमन सिंगला

ऋण अकाउंट नं.	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : नई दिल्ली – ग्रीन पार्क	
007105011920	आरिफ
शाखा का नाम : नई दिल्ली – नजफगढ़	
071357000133	पुलिन मिश्रा
शाखा का नाम : नई दिल्ली – सरस्वती विहार	
072457000048	राकेश सिंह
072462002206	अशोक सोलंकी
शाखा का नाम : दिल्ली – विवेक विहार	
082957000026	पीयूष
शाखा का नाम : नई दिल्ली – दिलशाद गार्डन	
113357000139	नीरज जैन
शाखा का नाम : नई दिल्ली – भोगल	
165062002190	सलमान कुरेशी
शाखा का नाम : दिल्ली – द्वारका सेक्टर-14	
539257000006	अर्चना अर्चना
शाखा का नाम : दरभंगा – लाहेरिया सराय	
243762001581	अविनाश कुमार मिश्रा

दिनांक : 10.03.2026
स्थान : सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली, नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली, शाहदरा, साउथ दिल्ली, साउथ-ईस्ट दिल्ली, साउथ-वेस्ट दिल्ली, वेस्ट दिल्ली, नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली, दिल्ली

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

खबर संक्षेप

डाइकिन उत्पादों के दाम 12 प्रतिशत बढ़ाएगी

नई दिल्ली। एयर-कंडीशनर बनाने वाली कंपनी डाइकिन इंडिया अप्रैल से कीमतों में 12 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने वाली है, क्योंकि कच्चे माल की लागत और आपूर्ति श्रृंखला का खर्च बढ़ गया है। डाइकिन इंडिया ने एक बयान में कहा, अप्रैल 2026 से, डाइकिन इंडिया कच्चे माल की लागत और आपूर्ति श्रृंखला के खर्च में लगातार बढ़ोतरी को कम करने के लिए अपनी सभी उत्पाद श्रृंखला में कीमतों में 7-12 प्रतिशत की वृद्धि करेगी।

रेमंड रियल्टी का आवास परियोजना के लिए करार

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी रेमंड रियल्टी लिमिटेड ने मुंबई में एक नई आवास परियोजना विकसित करने के लिए संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना से करीब 3,000 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने मुंबई के कांदिवली के एक प्रमुख स्थान में एक प्रतिष्ठित आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, रेमंड रियल्टी ने उस भूस्वामी इकाई का नाम नहीं बताया है।

ऊपर वाले से मिला वरदान मेरे पास है हर समाधान
करो प्रेमिका / पति मुट्ठी में
जो व्यक्ति वास्तव में परेशान है, वो ही फोन करें।
गुरु कबीर जी रजि.
की जुबान पत्थर की लकीर है।
आपकी हर समस्या का समाधान
जैसे:- शादी, कारोबार, पढ़ाई में रुकावट, सास बहु, मिया बीवी में अनबन, सौतन, दुश्मन नाश, ग्रह क्लेश, बेटा / बेटी / पति - पत्नी किसी के वश में कहना न मानता हो, पशु, फसल में नुकसान, कोर्ट-कचहरी मुकदमा जैसी सभी समस्याओं का गारन्टीड समाधान। पाँच मिनट में समाधान
एक फोन करो समाधान पाओ
9711428545
स्पेशलिस्ट : वशीकरण, मनचाहा प्यार

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बाजार में उल्टा असर, ईरान-इजराइल युद्ध के बावजूद सोने में गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ग्लोबल बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज

आमतौर पर जियो-पॉलिटिकल टेंशन जब बढ़ते हैं तो सोने-चांदी की कीमतें भी आसमान छूती हैं, लेकिन इस बार उल्टा असर हो रहा है। ईरान-इजरायल-अमेरिका में युद्ध के बावजूद सोमवार को ग्लोबल मार्केट में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। आमतौर पर, ऐसे हालात में निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने-चांदी की ओर रुख करते हैं, लेकिन इस बार बाजार में उलटा रुख देखने को मिला है। कॉमेक्स पर सोने की कीमत करीब 1.3 प्रतिशत फिसलकर 5,090 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गई।

तेजी के बाद मुनाफावसूली का दौर

रॉयटर्स के मुताबिक कीमती धातुओं में गिरावट की एक बड़ी वजह निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली किया जाना है। पिछले कुछ महीनों में सोने ने शानदार तेजी दिखाई थी, जिसके बाद निवेशक अब अपने मुनाफे को भुनाने में लगे हैं। इसके पीछे एक और वजह यह है कि शेयर बाजार में जारी गिरावट के चलते निवेशक अपने पोर्टफोलियो में हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए सोने के हिस्से को बेचकर नकदी जुटा रहे हैं। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के शोध प्रमुख जोसेफ थॉमस के मुताबिक, फिलहाल सोने की कीमतों पर मध्य पूर्व की स्थिति का सबसे अधिक असर देखा जा रहा है।

बढ़ते तेल के दाम ने बढ़ाई चिंता

जहां एक ओर सोने की कीमतें लुढ़क रही हैं, वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमतों ने नए रिकॉर्ड बना लिए हैं। ब्रेंट क्रूड का भाव 27 प्रतिशत से अधिक उछलकर 120 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया, जो महामारी के बाद से सबसे बड़ी एक दिवसीय छलांग है। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 115 डॉलर के करीब पहुंच गया। तेल की कीमतों में यह उछाल होर्मुज स्ट्रेट से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के चलते आया है।

चांदी 3,400 रुपये टूटकर 2.68 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर, मजबूत डॉलर से सोना स्थिर

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमतें 3,400 रुपये टूटकर 2.68 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गईं, और सोना लगभग स्थिर 1,64,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी ने लगातार तीसरे दिन अपनी गिरावट जारी रखी और शुक्रवार के 2,71,700 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 3,400 रुपये या लगभग 1.3 प्रतिशत टूटकर 2,68,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। इस बीच, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपये की मामूली बढ़त के साथ 1,64,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर मिलाकर) पर पहुंच गया। सर्राफा संघ के अनुसार, पिछले बाजार सत्र में सोने की कीमत 1,64,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 65.23 डॉलर या 1.26 प्रतिशत टूटकर 5,105.89 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी भी 0.53 प्रतिशत के नुकसान के साथ 83.92 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

अमेरिका के ऊर्जा मंत्री राइट ने भारत से किया अनुरोध

भारत बाजार में उपलब्ध रूसी तेल खरीद अपनी रिफाइनरियों में भेजे : अमेरिका

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

अमेरिका ने भारत से अनुरोध किया है कि वह समुद्री परिवहन में पहले से मौजूद रूसी कच्चे तेल को खरीदकर उसे भारतीय रिफाइनरियों की ओर मोड़ दे, ताकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आपूर्ति में संभावित कमी और कीमतों में उछाल की आशंकाओं को कम किया जा सके। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि यह कदम बाजार को स्थिर रखने के लिए एक अल्पकालिक और व्यावहारिक प्रयास है। इसके साथ ही राइट ने स्पष्ट किया कि इस पहल का मतलब रूसी तेल को लेकर अमेरिका की नीति में किसी बदलाव का संकेत नहीं है।

संभावित कमी और कीमतों में उछाल की आशंकाओं को रोका जा सके

समुद्री परिवहन में पहले से मौजूद कच्चे तेल को भारत की ओर मोड़े

कच्चे तेल के कार्गो भारत खरीद सके

राइट ने रविवार को 'सीएनएन' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के साथ मिलकर भारतीय अधिकारियों से बात की थी ताकि चीनी रिफाइनरियों में उतारे जाने की प्रतीक्षा कर रहे रूसी कच्चे तेल के कार्गो को भारत खरीद सके।

बहुत सा तेल चीन की रिफाइनरियों में उतारा जाना है

राइट ने कहा, /"भारत इस मामले में एक अच्छा सहयोगी रहा है। मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारतीय अधिकारियों से फोन पर बात की और कहा कि अभी बहुत सारा तेल चीन की रिफाइनरियों में उतारा जाना है। ऊर्जा मंत्री ने कहा, /"वहां तेल को उतारने के लिए छह सप्ताह तक इंतजार कराने के बजाय, इसे पहले ही भारत खरीदकर अपनी रिफाइनरियों में भेजे ताकि तेल की कमी की आशंका, कीमतों में अचानक बढ़ोतरी और बाजार में व्याप्त चिंताओं को कम किया जा सके।/"

अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया

इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि रूस के प्रति अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और /"भारत इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है।/" जब उनसे पूछा गया कि क्या रूसी तेल खरीद के लिए भारत को दी गई 30 दिनों की छूट से ट्रंप प्रशासन का रूस को अलग-थलग करने का लक्ष्य कमजोर होता है, उन्होंने कहा, "ऐसा नहीं है। यह केवल एक व्यावहारिक कदम है और इसका असर केवल अल्पकालिक है। रूस के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ।"

30 दिनों की रूस से तेल खरीदी की मिली छूट

वित्त मंत्रालय की तरफ से पिछले हफ्ते दी गई छूट के तहत भारत 30 दिनों तक रूस से कच्चा तेल खरीद सकता है। इसके पहले ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने पर भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा दिया था। लेकिन पिछले महीने अंतरिम व्यापार समझौते पर बनी सहमति के तहत इस शुल्क को हटाने की बात कही गई थी।

अमेरिकी राजदूत ने भी किया समर्थन

राइट ने यह भी कहा कि भारत ने रूसी तेल आयात को पूरी तरह बंद कर दिया है और अमेरिका, वेनेजुएला और अन्य देशों से अपने आयात बढ़ा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि यह एक अस्थायी और व्यावहारिक उपाय है।

रुपया 53 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.35 प्रति डॉलर पर

कच्चे तेल में उछाल से डॉलर हुआ मजबूत रुपया अब तक के अपने सबसे निचले स्तर पर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और डॉलर के मजबूत होने से सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 53 पैसे टूटकर 92.35 प्रति डॉलर (अस्थायी) के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली के बीच विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से रुपये पर खासा दबाव देखा गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.22 पर खुला और थोड़ी देर के लिए मजबूत होकर 92.15 तक पहुंच गया। लेकिन बाद में लगातार गिरावट के बीच यह अंत में 92.35 के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 53 पैसे की कमजोरी है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 18 पैसे गिरकर 91.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, /"कमजोर वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आए तेज उछाल के कारण रुपया शुरुआत में ही काफी कमजोर खुला और 92.35 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर तक खिसक गया। एशियाई कारोबार के दौरान तेल की कीमतों में लगभग 25 प्रतिशत तेजी देखी गई। डॉलर में मजबूती और विदेशी निवेशकों की निकासी से भी रुपये पर दबाव पड़ा।

डॉलर सूचकांक में 0.35 प्रतिशत बढ़कर 99.33 पर

इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत वायदा कारोबार में 15.18 प्रतिशत बढ़कर 106.8 डॉलर प्रति बैरल हो गई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के कारण तेल की कीमतों में तेजी आई है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 प्रतिशत बढ़कर 99.33 पर पहुंच गया।

मिडिल ईस्ट में गहराता संकट बढ़ा सकता है जोखिम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग के प्रमुख संगठन नैसकॉम ने सोमवार को प्रौद्योगिकी कंपनियों को पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक संकट को देखते हुए अपनी परिचालन तैयारियों और साइबर सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की सलाह दी है। नैसकॉम ने आगाह किया है कि अनिश्चितता के इस माहौल में कामकाज में बाधा आने और साइबर खतरों का जोखिम काफी बढ़ सकता है। अपनी सदस्य कंपनियों के लिए जारी एक नए परामर्श में नैसकॉम ने कहा कि हालांकि वर्तमान में व्यावसायिक परिचालन स्थिर है, लेकिन कंपनियां अपनी आकस्मिक योजनाओं की सक्रिय रूप से समीक्षा कर रही हैं। झटकों को झेलने या उनसे उबरने की अपनी क्षमता को और मजबूत कर रही हैं, ताकि /"समय के साथ स्थिति बदलने पर/" होने वाले किसी भी संभावित व्यवधान को कम किया जा सके। यह परामर्श ऐसे समय में आया है जब ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष गहरा गया है। इसके जवाब में हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों ने हवाई क्षेत्र को प्रभावित किया है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता, साइबर खतरों और वैश्विक प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे, यात्रा मार्गों व समुद्री व्यापार पर इसके संभावित असर को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। नैसकॉम ने सोमवार को जारी बयान में कहा, "पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते भू-राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर नैसकॉम ने सदस्य कंपनियों के लिए एक और परामर्श जारी किया है।

ईरान संकट से अर्थव्यवस्था के लिए नए जोखिम हो सकते हैं पैदा, चुनौतियां बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेटिंग एजेंसी फिच ने सोमवार को कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए तेल-गैस आयात, प्रवासी समुदाय की तरफ से भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा और विनिमय दर जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। फिच रेटिंग्स ने 'ईरान संघर्ष से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए उपजे नए ऋण जोखिम' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यदि खाड़ी क्षेत्र से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में अपेक्षा से अधिक व्यवधान आता है तो वैश्विक निवेशकों की धारणा पर गंभीर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट कहती है कि ऊर्जा कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने से उन सरकारों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकते हैं, जो उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ईंधन पर सब्सिडी देती हैं या कीमतों में बढ़ोतरी के जवाब में ऐसी योजनाएं शुरू करती हैं। तेल उत्पादन ढांचे को नुकसान हो सकता है : रेटिंग एजेंसी ने कहा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल एवं गैस का परिवहन एक महीने से कम समय तक बंद रहता है और क्षेत्र के तेल उत्पादन ढांचे को बड़ा नुकसान नहीं होता है।

सरकार ने 6,309 करोड़ रुपये के बांड वापस खरीदे

मुंबई (एजेंसी)। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से आयोजित अदला-बदली नीलामी के तहत 6,309 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां (जी-सेक) वापस खरीद ली हैं और उनके बदले 6,431.79 करोड़ रुपये के नए बॉन्ड जारी किए हैं। सरकारी प्रतिभूति कम जोखिम वाले ऋण साधन होते हैं जिन्हें सरकार जारी करती है। सरकारी गारंटी वाली इन प्रतिभूतियों पर निश्चित प्रतिफल मिलता है। सरकार की तरफ से दोबारा खरीदी गई प्रतिभूतियां अगले वित्त वर्ष में परिपक्व होने वाले निर्धारित बॉन्ड का हिस्सा थीं। इनमें 1,684 करोड़ रुपये मूल्य के 7.33 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 1,035 करोड़ रुपये मूल्य के 5.74 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 590 करोड़ रुपये मूल्य के 8.15 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड और 3,000 करोड़ रुपये के 8.24 प्रतिशत जीएस 2027 बॉन्ड शामिल हैं। इन बॉन्ड के बदले सरकार ने 1,719.23 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड, 986.52 करोड़ रुपये मूल्य के 7.62 प्रतिशत जीएस 2039 बॉन्ड, 605.60 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड और 3,120.42 करोड़ रुपये के 7.40 प्रतिशत जीएस 2062 के बॉन्ड जारी किए। यह फरवरी के बाद से आरबीआई द्वारा आयोजित बॉन्ड अदला-बदली की चौथी नीलामी है। इस नीलामी के तहत सरकार निकट अवधि में परिपक्व होने वाले बॉन्ड की जगह लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करती है।

पश्चिम एशिया संघर्ष ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की जरूरत को फिर उजागर किया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने आयातित हाइड्रोकार्बनों पर भारत की गहरी निर्भरता को लेकर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक सप्लाई बाधा के कारण उत्पन्न होने वाले आर्थिक जोखिम उजागर हो रहे हैं। यह चुनौती स्ट्रक्चरल है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 87% आयात करता है, जिससे अर्थव्यवस्था वैश्विक सप्लाई झटकों और कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाती है। तेल और गैस मिलकर भारत के वार्षिक आयात बिल का लगभग 176 अरब डॉलर हिस्सा बनाते हैं, जिससे अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक अस्थिरताओं के प्रति अधिक प्रभावित रहती है। उद्योग जगत के नेताओं का कहना है कि ताजा संकट इस बात की याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा का आर्थिक स्थिरता से गहरा संबंध है। चूँकि वैश्विक तेल सप्लाई का एक बड़ा हिस्सा हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, इसलिए क्षेत्र में किसी भी प्रकार की स्थिति बिगड़ने पर भारत के लिए ऊर्जा लागत तेजी से बढ़ सकती है, जिससे महंगाई, चालू खाता घाटे और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सरकार से इस क्षेत्र को तुरंत राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित करने का आग्रह किया है। अग्रवाल ने कहा, "आज के अशांत भू-राजनीतिक माहौल में किसी संसाधन-समृद्ध क्षेत्र में होने वाला कोई भी संघर्ष, जैसे कि ईरान में जारी संघर्ष, भारत को असुरक्षित बना देता है, क्योंकि भूमिगत प्राकृतिक संसाधनों के लिए हमारी आयात पर भारी निर्भरता है। हमें इस क्षेत्र को राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित करना चाहिए, अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाना चाहिए।

पीआईबी चंडीगढ़ द्वारा पत्रकार प्रतिनिधिमंडल ने जोधपुर में काजरी और आफरी का किया दौरा

चंडीगढ़/जोधपुर। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), चंडीगढ़ द्वारा वरिष्ठ पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल 8 से 14 मार्च के दौरान राजस्थान के दौरे पर है। इस दौरान आज 9 मार्च को प्रतिनिधिमंडल ने काजरी और आफरी का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) से अपने दौरे की शुरुआत की। इस अवसर पर काजरी के निदेशक डॉ. सुरेशपाल सिंह तंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि काजरी थार मरुस्थल एवं लेह जैसे ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों में कृषि के विकास के लिए कार्य कर रहा है। संस्थान ने टिब्बा स्थिरीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन, जल प्रबंधन, फलोद्यानिकी, पशुपालन आदि क्षेत्रों में शोध कार्य कर अनेक तकनीकियाँ विकसित की हैं और इन तकनीकों को गांवों और ढाणियों तक पहुँचाया है, जिससे क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ा और हरियाली का विस्तार हुआ है। कम पानी, कम लागत और कम खर्च में पनपने वाली खरीफ एवं रबी की विभिन्न फसलों की किस्में विकसित की गई हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है और किसानों की आय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली का एक मॉडल विकसित किया गया है, जिसमें अनाज, फल, चारा, पेड़, औषधीय पौधे आदि के माध्यम से किसान को वर्ष भर आय प्राप्त होती रहती है। प्रधानमंत्री मोदी के किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में काजरी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एआरसीआईएल ने काकरला को किया सीईओ नियुक्त

मुंबई। एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (एआरसीआईएल) ने फणींद्रनाथ काकरला को आठ मार्च से अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। कंपनी ने बयान में कहा कि काकरला ने पल्लव मोहपात्रा का स्थान लिया है। मोहपात्रा ने सीईओ और एमडी के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद छोड़ दिया था। एआरसीआईएल के चेयरमैन नारायणन सुब्रमण्यम ने कहा, "हमें विश्वास है कि वह कंपनी को वृद्धि और मूल्य निर्माण के अगले चरण में ले जाएंगे।

राशिफल

मेष — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — आय में वृद्धि होगी, परन्तु स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में सुधार हो सकता है। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों के सुखद परिणाम मिल सकते हैं।

सिंह — व्यवधान आ सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निराशा एवं असन्तोष के भाव मन में रहेंगे। किसी सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है।

कन्या — सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

तुला — भागदौड़ अधिक रहेगी। आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। पारिवारिक जीवन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में व्यर्थ की भागदौड़ हो सकती है।

वृश्चिक — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। आय भी बढ़ेगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु — भाइयों का साथ मिलेगा। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मकर — किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, लेकिन आलस्य की अधिकता हो सकती है।

कुंभ — मित्रों का सहयोग मिलेगा। मन में निराशा के भाव आ सकते हैं। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं।

शब्द पहेली - 6160

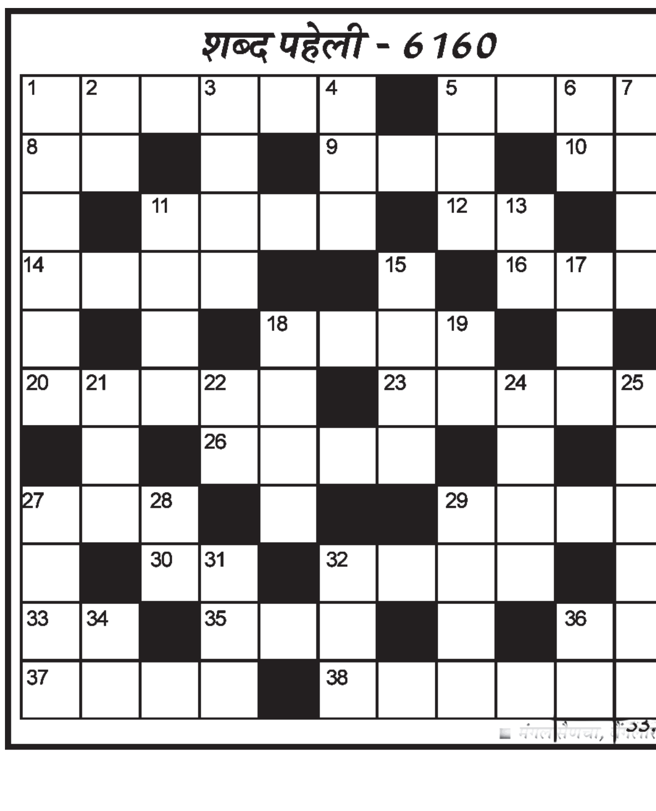

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6159 का हल

आ	द	त	न		ल		वा	य	लि	न
	ल		रा		प	व	न		ख	फा
ए			ध	व	ल		र			स
ह	र	द	म		पा	ल		फ	क	त
सा		म		दा	ना		सा		मा	
न	वी	न	त	म		अ	ज	वा	ई	न
	र		वा		स	दा		रि		वी
प	ता	का		ह	क		अ	स	मा	न
र			जी		प	र	दा			ता
वा	त		न	ल	का		व		द	
ज	रु	र	त		ना		त	ल	वा	र

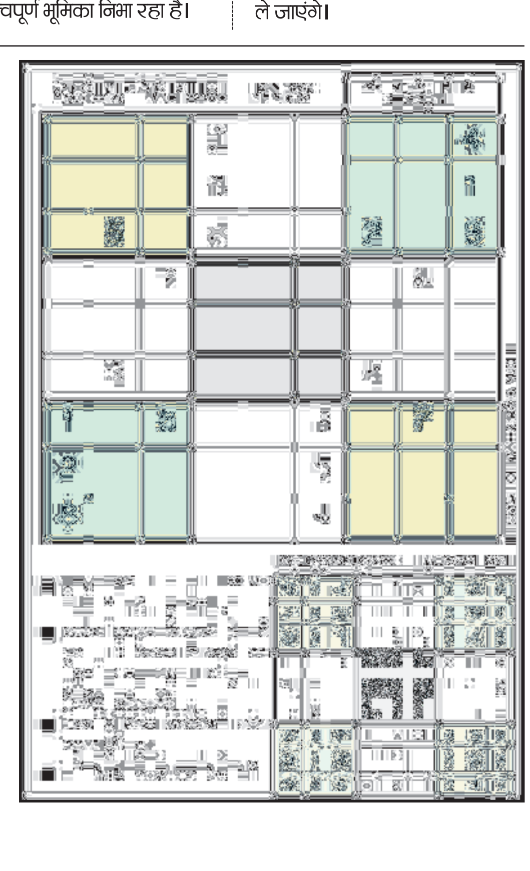

दो कदम गौतम आगे आए और दो कदम मैंने उठाए और बीच का रास्ता निकाला: सूर्यकुमार

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

राहुल द्रविड़ के भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद तत्कालीन कप्तान रोहित शर्मा ने बताया था कि कैसे उनकी पत्नी इस दिग्गज को उनकी 'काम के स्थल वाली पत्नी' मानती थी।

जब कोई उनके टी20 उत्तराधिकारी सूर्यकुमार यादव को मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर के बारे में बात करते हुए देखता है तो यह समीकरण उतना ही सहज और आपसी भरोसे तथा सम्मान पर बना हुआ लगता है जितना रोहित और द्रविड़ के बीच था। जब सूर्यकुमार से गंभीर के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने गौतम भाई के साथ चार साल (कोलकाता नाइट राइडर्स में) क्रिकेट खेला है और मुझे पता था कि वह कैसे सोचते हैं। वह दो कदम उठाएंगे, मैं दो कदम उठाऊंगा और हम बीच में कहीं मिलेंगे।'सूर्यकुमार ने कहा कि इन दो वर्षों में दोनों के बीच कभी कोई बहस नहीं हुई और उन्होंने एक आदर्श एकादश तय करने के लिए कभी रातों की नींद नहीं गंवाई।

सूर्यकुमार ने कहा, ' जब से हमने साथ काम करना शुरू किया, जब हम श्रीलंका गए थे, तब से लेकर अब तक मुझे याद नहीं कि कभी किसी खिलाड़ी को लेकर हमारी बहस हुई हो।' कप्तान ने कहा, ' हम बात करते हैं कि हमें किसी खास खिलाड़ी को खिलाना चाहिए या नहीं। हम दोनों हमेशा टीम को जिताने में दिलचस्पी रखते हैं। हम किसी खिलाड़ी को ऐसी स्थिति में कैसे रख सकते हैं, जिससे टीम को फायदा हो सके।'

खिलाड़ी का हौसला बढ़ाना जरूरी

सूर्यकुमार ने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों का जिक्र करते हुए कहा कि मुश्किल दौर का सामना कर रहे खिलाड़ी का हौसला बढ़ाना बहुत जरूरी है और दोनों ने मुश्किल दौर से उबरकर टूर्नामेंट में अहम मौकों पर अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ' जब कोई अच्छा नहीं कर रहा होता तो आप उसके साथ समय बिताने की कोशिश करते हैं। उसे डिनर पर ले जाते हैं, उससे बात करते हैं क्योंकि ये ऐसे खिलाड़ी हैं, जो सही समय पर आपके लिए कुछ खास करेंगे जैसा अभिषेक ने अभी किया और संजू ने पिछले तीन मैच में किया।' सूर्यकुमार ने कहा, 'अपनी भूमिका निभाना, अपनी जिम्मेदारियों को समझना, सही समय पर मदद करना, जब कोई अच्छा नहीं कर रहा हो तो खिलाड़ी से बात करना। ये मेरे लिए ज्यादा जरूरी है। इसलिए ये सभी चीजें मेरे लिए काफी मायने रखती हैं।'

हमारा लक्ष्य मिलकर कुछ अच्छा हासिल करना

उन्होंने कहा, 'मुझे शुरू से ही पता था कि हमारी एक-दूसरे से क्या उम्मीदें होंगी। कई बार हमने टीम के बारे में एकादश या 15 खिलाड़ियों के बारे में बात की है कि हमें किसे चुनना है और 14 खिलाड़ी हमेशा एक जैसे रहे हैं।' सूर्यकुमार ने कहा,'अगर सफलता की दर इतनी अधिक है तो हमें इस पर अधिक बात करने की जरूरत नहीं है। हमारा लक्ष्य मिलकर कुछ अच्छा हासिल करना था।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'इसलिए हम किसी भी चयन के फैसले को लेकर सहज थे।

भारत के खिलाफ फाइनल हमेशा चुनौतीपूर्ण : न्यूजीलैंड कप्तान सेंटनर

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर का मानना है कि भारतीय टीम की जबरदस्त शुरुआत के बाद उनकी टीम हमेशा मुश्किल में थी और बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सभी चीजें उनके पक्ष में होने की जरूरत थी। चौथी बार विश्व कप फाइनल में खेल रही न्यूजीलैंड की टीम को 96 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम की सीमित ओवरों के पहले विश्व खिताब की तलाश जारी रही। सेंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि सेमीफाइनल और फाइनल हारना आदर्श स्थिति नहीं है लेकिन जैसा कि मैंने कुछ दिन पहले कहा था, आप इस स्थिति में आते हैं, आप उन टीम के खिलाफ खेलते हैं, जो बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रही हैं।' उन्होंने कहा, 'भारत के खिलाफ भारत में फाइनल हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। हम जानते थे कि मैच से पहले हम निश्चित तौर पर कमजोर टीम माने जाएंगे। उन्होंने कहा, 'और फिर जब आप 250 रन का पीछा कर रहे हों तो सब कुछ ठीक होना चाहिए। और पावरप्ले में विकेट खोना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। मुझे लगता है कि दिन की कहानी यही थी, दो पावर प्ले। मुझे लगता है कि हमने 40 के आस-पास तीन विकेट गंवा दिए और उन्होंने 90 के आसपास कोई विकेट नहीं गंवाया था।'

खबर संक्षेप

फ्यूचर्स कप : राधामणि साहिल जीते, उधम बाहर

बैंकॉक। भारत की युवा मुक्केबाजी टीम के लिए सोमवार को विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में मिलाजुला दिन रहा जब राधामणि लोंगजाम और साहिल दुहान ने जीत हासिल की लेकिन उधम सिंह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में राधामणि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की अपनी विरोधी को हराया और तीसरे दौर में रैफरी के मुकाबला रोकने (आरएससी) पर जीत दर्ज की। पुरुषों के वर्ग में साहिल (60 किग्रा) ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तुर्कमेनिस्तान के मुक्केबाज को 5-0 के एकमत फैसले से हराकर शानदार जीत हासिल की। उधम सिंह (55 किग्रा) को हालांकि कड़ी टक्कर देने के बावजूद जापान के प्रतिद्वंद्वी खिलाफ कड़े मुकाबले में 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

जोबर्ग ओपन : शुभंकर संयुक्त 57वें स्थान पर

जोहानिसबर्ग। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा 'जोबर्ग ओपन' के अंतिम दौर में दो ओवर 72 का

कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 57वें स्थान पर रहे। शुभकर ने दो बर्डी के मुकाबले चार बोगी कर बैठे। उन्होंने इस दौरान तीन बोगी 13वें से 16वें होल के बीच किए।उनका कुल स्कोर एक अंडर पार (66-72-69-72) रहा।जोबर्ग ओपन में अतीत में शुभंकर का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने यहां पांच टूर्नामेंटों में से चार बार कट हासिल किया है और इसी कोर्स पर 2017 में डीपी वर्ल्ड टूर का अपना पहला खिताब जीता था। इंग्लैंड के डैन ब्रैडबरी ने अंतिम दिन शानदार वापसी करते हुए पांच अंडर 65 का कार्ड खेला और कुल 17 अंडर पार (64-70-64-65) के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया।

भारत-न्यूजीलैंड ने खेल संबंध बढ़ाने पर चर्चा की

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को न्यूजीलैंड के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर 'हाई परफॉर्मेंस' खेलों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की, जिसमें संयुक्त प्रशिक्षण शिविर, कोचों के आदान-प्रदान और खेल विज्ञान, विश्लेषण तथा खिलाड़ी प्रदर्शन प्रणाली की समझ साझा करने पर विशेष जोर दिया गया। मांडविया ने न्यूजीलैंड के खेल प्रतिनिधिमंडल के साथ उच्चस्तरीय मंत्रीस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। दोनों पक्षों के बीच हुई चर्चा में न्यूजीलैंड के कोच विकास ढांचे को राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस), पटियाला के पाठ्यक्रम में शामिल करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। वर्ष 2026 भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक होगा। इसकी शुरुआत 1926 में भारतीय सेना की ऐतिहासिक हॉकी टीम के न्यूजीलैंड दौरे से हुई थी, जो दोनों देशों के बीच शुरुआती बड़े खेल संपर्कों में से एक था।

सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप की 5 पारियों में 80.25 की औसत के साथ बनाए 321 रन

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सिर्फ 3 भारतीय बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संजू सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 की 5 पारियों में 80.25 की औसत के साथ 321 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन के लिए सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' के खिताब से नवाजा गया। इसी के साथ सैमसन टी20 वर्ल्ड कप में यह पुरस्कार जीतने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। इस पुरस्कार को जीतने वाले सभी भारतीय खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

विराट कोहली

दिग्गज बल्लेबाज ने टी20 वर्ल्ड कप 2014 और 2016 में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब अपने नाम किया था। वह इकलौते ऐसे भारतीय हैं, जिन्होंने दो बार यह पुरस्कार अपने नाम किया है। कोहली टी20 वर्ल्ड कप 2014 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 106.33 की औसत के साथ 319 रन बनाए। इस दौरान कोहली के बल्ले से 10 छक्के और 24 चौके निकले। इसके बाद साल 2016 में भी कोहली ने इस पुरस्कार को अपने नाम किया। विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2016 में कुल 5 मैच खेले, जिसमें 136.50 की औसत के साथ 273 रन बनाए। वह उस संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे पायदान पर रहे थे।

जसप्रीत बुमराह

भारत ने जसप्रीत बुमराह की धारदार गेंदबाजी के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम किया। उस संस्करण में बुमराह ने 8 मुकाबले खेलते हुए कुल 29.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान बुमराह ने 124 रन देकर 15 विकेट हासिल किए। हालांकि, अर्शदीप सिंह 17 विकेट लेकर उस संस्करण में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में बुमराह से एक पायदान ऊपर थे, लेकिन डेथ ओवर्स में शानदार प्रदर्शन के साथ बुमराह ने 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब अपने नाम किया।

संजू सैमसन

साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान दाएं हाथ के इस खिलाड़ी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआती दो पारियों में सैमसन 22 रन और 24 रन ही बना सके थे। कुछ दिग्गज प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह पर ही सवाल खड़े करने लगे थे, लेकिन इसके बाद सैमसन ने खुद को साबित किया। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध निर्णायक सुपर-8 मैच में 97 रन की नाबाद पारी खेली, जिसने भारत को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया। नॉकआउट मैच में सैमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

ट्रॉफी की पूरी तरह से हकदार भारतीय टीम: सचिन

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत को 'पूरी तरह से जीत का हकदार' बताया जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें 'सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम' का तमगा दिया। क्रिकेट जगत ने इस तरह से भारतीय टीम की ऐतिहासिक तीसरी टी20 विश्व कप खिताबी जीत को सराहा। तेंदुलकर ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की और मुंबई में अपने घर के बाहर जश्न की एक झलक साझा की। तेंदुलकर ने लिखा, 'लगातार दो बार विश्व कप जीतना, पहली बार किसी टीम ने टी20 प्रारुप में ऐसा किया है। ट्रॉफी के पूरी तरह से हकदार। हमारी टीम ने क्या शानदार प्रदर्शन किया और क्रिकेट का एक खास ब्रांड दिखा। बहुत बढ़िया, टीम इंडिया। जय हिंद!''

हमारे जबरदस्त क्रिकेट का कोई मुकाबला नहीं: कोहली

पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टीम के जज्बे और दबदबे की तारीफ की। कोहली ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'अहमदाबाद में टीम इंडिया की जबरदस्त जीत। पूरे टूर्नामेंट में हमारे खेले गए जबरदस्त क्रिकेट का कोई मुकाबला नहीं था। मुश्किल हालात में लड़ते रहने और एक बार फिर विश्व चैंपियन बनने के लिए लड़कों ने शानदार जज्बा दिखाया।' उन्होंने लिखा,'यह कामयाबी हासिल करने के लिए सभी खिलाड़ियों और प्रबंधन के सभी सदस्यों को बधाई।'

जीत भारतीय क्रिकेट की ताकत दिखाती है: गांगुली

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि यह जीत हर स्तर पर भारतीय क्रिकेट की ताकत दिखाती है। गांगुली ने पोस्ट किया, ''टी20 विश्व कप जीतने के लिए भारत को बधाई... बहुत मजबूत टीम... बड़े मुकाबलों में बेहतर हुई... भारतीय क्रिकेट शानदार जगह पर है। महिला चैंपियन, अंडर-19 चैंपियन और अब पुरुष टी20 चैंपियन।''

भारत को हराना मुश्किल था : डेरेन सैमी

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में भारत को हराना मुश्किल था। सुपर आठ में भारत के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हुई वेस्टइंडीज के मुख्य कोच सैमी ने लिखा, 'जैसा कि मैं पहले दिन से कह रहा था। आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने के लिए आपको भारत को नॉकआउट में हराना होगा। किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया। बीसीसीआई को उनके तीसरे विश्व टी20 खिताब के लिए बधाई।

कोच साहब आपकी मुस्कान बहुत अच्छी: धोनी

महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को सोशल मीडिया पर फिर से सक्रिय कर दिया और उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर को बताया कि उनके गंभीर चेहरे पर मुस्कान कितनी अच्छी लगती है। धोनी ने इंस्टाग्राम पर पिछला पोस्ट 2024 में किया था।

एएफसी महिला एशियाई कप

चीनी ताइपे के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले के लिए तैयार भारत

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारतीय महिला फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियाई कप में मंगलवार को खेले जाने वाले ग्रुप-सी के अपने आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो टूर्नामेंट में बने रहने के लिए उसे हर हाल में जीत दर्ज करना होगा। भारत फिलहाल दो मैचों में शून्य अंक के साथ ग्रुप में चौथे और आखिरी स्थान पर है।

टीम को पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि दूसरे मैच में जापान ने उसे 11-0 से हराया था। जापान दो मैचों में छह अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। अब तक खराब प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम के पास क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का मौक बरकरार है। भारतीय टीम को इसके लिए चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना होगा और साथ ही मंगलवार को होने वाले दूसरे मैच में जापान को वियतनाम को हराना होगा। टूर्नामेंट के तीनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें अंतिम आठ में जगह बनाएंगी।

नतीजों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की जरूरत: मुख्य कोच

भारत की मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे ने कहा कि टीम को पिछले दो मैचों के नतीजों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की जरूरत है।उन्होंने कहा, वियतनाम और जापान के खिलाफ दोनों मैच एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ उसे जल्दी से पीछे छोड़ना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी है और इसमें कोई संदेह नहीं है। भारतीय कोच ने कहा, 'हमें इस मैच के महत्व का पूरा एहसास है। हम पिछले मुकाबले को पीछे छोड़ चुके हैं और अब हमारे सामने यह मौका है, जिसे हमें पूरी गंभीरता के साथ लेना होगा।'

हमारे लिए एक बड़ा मौका : शिल्की देवी

भारत की मिडफील्डर शिल्की देवी हेमाम ने भी कहा कि टीम पिछले मैच से सबक सीखा कर अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, 'हमने पिछले मैच से काफी कुछ सीखा है और मुझे लगता है कि चीनी ताइपे के खिलाफ यह मैच हमारे लिए खास होगा। यह हमारे लिए एक बड़ा मौका है और हमें इसका पूरा फायदा उठाना होगा।'' चीनी ताइपे के लिए स्थिति अपेक्षाकृत आसान है। नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए उनके लिए ड्रॉ भी पर्याप्त होगा।

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर स्कॉटलैंड ने भारत को 2-2 की बराबरी पर रोका

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर के पूल बी के अपने दूसरे मैच में सोमवार को यहां स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेला। इस परिणाम के साथ भारत और स्कॉटलैंड दोनों के नाम चार-चार अंक हो गए हैं। भारत हालांकि बेहतर गोल अंतर के कारण पूल तालिका में शीर्ष पर है। जी.एम.सी. बालायोगी हॉकी मैदान पर खेले गए मैच में नवनीत कौर (18वें मिनट) और सुनेलिता टोप्पो (29वें मिनट) ने भारत के लिए गोल किए, जबकि हीथर मैकएवान (छठे मिनट) और फियोना बर्नेट (33वें मिनट) ने स्कॉटलैंड के लिए गोल दागे। मैच की शुरुआत में दोनों टीमों ने धैर्यपूर्वक पासिंग गेम खेलने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल दिखाया। मैच के छठे मिनट में भारतीय रक्षापंक्ति की चूक का स्कॉटलैंड ने फायदा उठाया और मैकएवान ने गोल करके अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारत ने लगातार आगे बढ़कर हमले किए। लालरेम्सियामी ने भारत के लिए पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन उदिता का ड्रैग-फ्लिक शॉट लक्ष्य से बाहर चला गया। भारत ने दबाव बनाए रखा और 14वें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लेकिन एक चूक के कारण स्कॉटलैंड को जवाबी हमला करने का मौका मिल गया, जिसे सुशीला ने रोका। दूसरे क्वार्टर में भारत ने जल्दी ही नियंत्रण हासिल कर लिया। 17वें मिनट में उन्हें तीसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इंडियन वेल्स मास्टर्स

प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे भाम्बरी-गोरान्सन

एजेंसी ▶▶| इंडियन वेल्स

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भाम्बरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरान्सन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस में डेविड पेल और फैब्रिस मार्टिन की जोड़ी के खिलाफ सीधे सेटों में आसान जीत के साथ अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की की। भारत और स्वीडन की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने एटीपी 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस और नीदरलैंड की जोड़ी की सर्विस को पांच बार तोड़ते हुए 6-1 6-3 से आसान जीत दर्ज की।

भाम्बरी और गोरान्सन ने अपने प्रतिद्वंद्वियों के तीन ऐस के मुकाबले पांच ऐस लगाए। पेल और मार्टिन ने 66 मिनट के इस मुकाबले में छह

'डबल फॉल्ट' किए। भाम्बरी और गोरान्सन का सामना अब सैंडर एरेंड्स और जिरी लेहेका की अनुभवी जोड़ी से होगा, जिन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटेन की जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल की जोड़ी को हराया था।

दुबई में हुए अनुभव के कारण सिंधू रही काफी तनाव में

सिंधू नहीं खेलेंगी स्विस ओपन, श्रीकांत-प्रणय संभालेंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| बासेल

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एचएस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे।

ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधू तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैंपियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा,' वह स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा। भारत लौटने के बाद सिंधू ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के जरिए ही वापसी करेंगी।

श्रीकांत पहले दौर में गुनावान से भिड़ेंगे

पुरुष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरुण मन्नेपल्ली की टक्कर जापान के केंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे।

उन्नति का सामना चियान से

पुरुष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना सिंगापुर के एंग कीट वेसले को और जुंसुके कुबो से होगा । हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपै के चेन झि रे और लिन यू चियेह से खेलेंगे । महिला एकल में उन्नति हुड्डा का सामना चीनी ताइपै की चियू पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चीनी ताइपै की हू लिंग फांग और झेंग यू चियेह से खेलेंगी।

1 यूएनएससी की पी-5 में हैं रूस, चीन, अमेरिका ब्रिटेन और फ्रांस

2 रूस ने कहा अंतरराष्ट्रीय कानून का अस्तित्व ही खत्म हो चुका है

पुतिन के प्रवक्ता बोले- 'पी-5' की बैठक कर तत्काल तय करें दुनिया कानून से चलेगी या ताकत से चलाई जाएगी

ये चित्र 15 अक्टूबर 2023 का, उस वक्त लिया गया था जब लेबनान के एक गांव में इजराइली सेना ने व्हाइट फॉस्फोरस बम बरसाया था। ऐसे ही बम बरसाने का आरोप एक बार फिर लगा है।

रूस ने कहा है कि ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय कानून निष्प्रभावी हो गए हैं। उसने यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्यों का शिखर सम्मेलन बुलाने के राष्ट्रपति पुतिन के प्रस्ताव पर अमल करने का आह्वान किया

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

ईरान ने ट्रंप को सुनाई खरी खरी

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच रूस ने कहा है कि ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय कानून निष्प्रभावी हो गए हैं। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के पांच स्थायी सदस्यों (पी-5) का शिखर सम्मेलन बुलाने के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रस्ताव पर अमल करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि तत्काल इस सम्मेलन में तय करें कि दुनिया कानून से चलेगी या ताकत के बल पर चलाई जाएगी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति पुतिन के उस प्रस्ताव पर फिर से विचार करने की आवश्यकता को रेखांकित करती है, जो उन्होंने कोविड-19 महामारी से पहले दिया था, जिसमें वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता पर चर्चा करने के लिए पी-5 (रूस, अमेरिका, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन) के शिखर सम्मेलन का आह्वान किया गया था। पेस्कोव ने एक इंटरव्यू में कहा कि हम सबने अंतरराष्ट्रीय कानून नाम की चीज खो दी है... मुझे तो यह भी समझ नहीं आता कि किसी से अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों और सिद्धांतों का पालन करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। असल में, अंतरराष्ट्रीय कानून का अस्तित्व ही खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कानूनी तौर पर मौजूद हैं, लेकिन अब वास्तविक रूप से नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी को यह नहीं बता सकते कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करो, किस कानून का पालन करो? आज कोई भी यह परिभाषित नहीं कर सकता कि वह कानून क्या है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद तनाव में हुई तीव्र वृद्धि का जिक्र करते हुए पेस्कोव ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति काफी हद तक अस्थिर हो गई है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र काफी हद तक अस्थिर हो गया है, और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय संघर्षों और अनसुलझे मुद्दों के संचयी प्रभाव के परिणामस्वरूप आर्थिक और राजनीतिक दोनों तरह के परिणाम सामने आ रहे हैं।

अमेरिका को योजना स्पष्ट करना चाहिए

इस बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिका को अपनी व्यापक योजनाओं को स्पष्ट करना चाहिए और यह बताना चाहिए कि वे मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मानदंडों से कैसे संबंधित हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि हम अक्सर इस बारे में बात करते हैं कि हम किस तरह की दुनिया में रहते हैं, इसे परिभाषित करना चाहते हैं।

रूस ने कहा माहौल इतना खराब है कि कानूनों का पालन होना कठिन लगता है

पूछा-क्या ऐसे ही बे-लगाम होकर लोग चलेंगे तो फिर अस्तित्व कैसे बचेगा?

कभी इजराइल को गुप्त तरीके से तेल भेजता था ईरान

एआई इमेज

आज ईरान और इज़राइल के बीच दोनों देश कट्टर दुश्मन के रूप में आमने-सामने खड़े हैं, लेकिन इतिहास का यह अध्याय याद दिलाता है कि कभी तेल की जरूरत ने उन्हें एक ही मेज पर बैठने के लिए मजबूर कर दिया था। दोनों देश तेल के कारोबार में सीक्रेट पार्टनर बन गए थे। यह कहानी उस दौर की है, जब राजनीतिक दुश्मनी पर आर्थिक जरूरतें ज्यादा भारी पड़ गई थीं। उसी समय, जून 1967 में एक युद्ध हुआ। युद्ध की शुरुआत तब हुई जब इज़राइल ने मिस्र के हवाई ठिकानों पर अचानक हमला कर दिया। इसके बाद लड़ाई तेजी से फैल गई और सिर्फ छह दिनों में इज़राइल ने सिनाई प्रायद्वीप, गाजा पट्टी, पश्चिमी तट , पूर्वी यरूशलम और गोलान हाइट्स जैसे महत्वपूर्ण इलाकों पर कब्जा कर लिया। यह परियोजना छोटी नहीं थी। इलात-अश्केलोन पाइपलाइन लगभग 254 किलोमीटर लंबी और 42 इंच चौड़ी थी। इसके जरिए तेल लाल सागर से भूमध्य सागर तक पहुंचाया जाता था। हालांकि इतनी बड़ी परियोजना दुनिया की नजरों से ज्यादा समय तक छिपी नहीं रह सकी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की 25 अप्रैल 1968 की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि इस पाइपलाइन के लिए बड़े पैमाने पर तेल का स्रोत ईरान ही होगा।

ईरान के खिलाफ सीधी जंग में उतरा तुर्की, समंदर में गिराई मिसाइल

ईरान जंग में तुर्की ने एक्टिव रूप से एंट्री ले ली है। तुर्की ने ईरान की ओर से आ रहे एक बैलेस्टिक मिसाइल को पूर्वी भूमध्यसागर में ही मार गिराया है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने ईरान को चेतावनी दी है कि वे इलाके की सुरक्षा और आम लोगों को खतरे में डालने वाले कदम न उठाएं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हम याद दिलाते हैं कि इस मामले में तुर्की की चेतावनियों को मानना सभी के हित में है। तुर्की को मिलने वाले खतरों के खिलाफ हम सभी जरूरी कदम बिना किसी झिझक के उठाए जाएंगे। लेकिन उत्तरी साइप्रस तुर्की के नियंत्रण में है। उत्तरी साइप्रस में ही तुर्की ने एफ-16 तैनात किया है। तुर्की को डर सता रहा है कि ईरान की ओर से या ईरान की समर्थक ताकतें यहां हमला कर सकती हैं। इससे पहले तुर्की ने ईरान को चेतावनी दी कि कोई मिसाइल उसके हवाई क्षेत्र के पास न गिरे, लेकिन ईरान ने इसे नजरअंदाज किया। इससे दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप बढ़े। इसके बाद तुर्की ने उत्तरी साइप्रस में फाइटर जेट्स और एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर दिए हैं।

इजराइल पर लगा जंग में मांस गला देने वाले व्हाइट फॉस्फोरस बम के इस्तेमाल का आरोप

ह्यूमन राइट्स वॉच ने सात तस्वीरों को जियोलोकेट और वेरिफाई करके कहा कि इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के योहमोर गांव के रिहायशी इलाकों में आर्टिलरी का इस्तेमाल करके व्हाइट फॉस्फोरस दागा। यह तब हुआ जब इज़राइली सेना ने गांव के लोगों और दक्षिणी लेबनान के दर्जनों दूसरे लोगों को खाली करने की चेतावनी दी थी। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा कि वह खुद से यह पता नहीं लगा सका कि इलाके में अभी भी कोई रहने वाला है या किसी को नुकसान हुआ है। सफेद फॉस्फोरस एक खतरनाक रासायनिक पदार्थ है। यह मोम जैसा पीला या सफेद दिखता है और लहसुन जैसी गंध वाला होता है। यह हवा में ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर खुद-ब-खुद जलने लगता है और 815 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान पैदा करता है। कल्पना कीजिए 50 से 60 डिग्री का तापमान ही मनुष्य का शरीर बर्दाश्त नहीं कर सकता है। जब सफेद फॉस्फोरस मानव शरीर पर गिरता है तो गंभीर प्रभाव होते हैं। यह त्वचा को गहराई तक जला देता है, हड्डियों तक पहुंच सकता है और दर्दनाक घाव बनाता है जो ठीक होने में मुश्किल होते हैं। सफेद फॉस्फोरस के जलने से निकला धुआं सांस में जाकर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। सांस लेने में तकलीफ होती है और ये मौत का कारण बन सकता है। ह्यूमन राइट्स के सपोर्टर्स का कहना है कि इंटरनेशनल कानून के तहत व्हाइट फॉस्फोरस का इस्तेमाल गैर-कानूनी है। जब आबादी वाले इलाकों में इस गर्म केमिकल को फेंका जाता है तो इससे इमारतों में आग लग सकती है और इंसानी शरीर की हड्डियां तक जल सकती हैं।

अमेरिका ईरान को बांटकर तेल हथियाना चाहता है: ईरान के विदेश मंत्री बघाई

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बघाई ने अमेरिका पर ईरान के तेल संसाधनों पर कब्जा करने की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनकी योजना साफ है, उनका मकसद बिल्कुल स्पष्ट है- वे हमारे देश को बांटकर हमारी तेल संपदा पर अवैध कब्जा करना चाहते हैं। बघाई ने आगे कहा कि उनका उद्देश्य हमारी संप्रभुता का उल्लंघन करना, हमारी जनता को पराजित करना और हमारी मानवीय गरिमा को कुचलना है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बघाई ने कहा है कि ईरान क्षेत्र के देशों के साथ अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए दृढ़संकल्पित है, भले ही युद्ध शुरू होने के बाद से इनमें से कई देशों पर ईरानी मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए गए हों।

खबर संक्षेप

टैगोर की लघुकथा 'शास्ति' पर फिल्म

कराची। पाकिस्तानी निर्माता आबिद मर्चेंट ने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की 1893 की लघुकथा 'शास्ति' (सज़ा) पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म शुरु की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया के फिल्म पेशेवर शामिल होंगे। फिल्म का निर्देशन बांग्लादेशी फिल्मकार लीसा गाजी करेंगी, जिन्हें उनकी 2025 की फिल्म ए हाउस नेम्ड शाहाना के लिए जाना जाता है।

लामितिये युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए सेशेल्स पहुंचा सेनाओं का दल

दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को मिलेगी और अधिक मजबूती, बढ़ेगा सैन्य तालमेल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में चल रहे युद्ध के दौर में भारत और सेशेल्स की सेनाओं के बीच आयोजित किए जाने वाले लामितिये-2026 युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए सशस्त्र बलों का एक दल सेशेल्स पहुंच गया है। इस वर्ष युद्धाभ्यास का 11वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सेशेल्स की रक्षा अकादमी में इस बार यह युद्धाभ्यास आयोजित किया जा रहा है। जो 9 से 20 मार्च तक चलेगा। देश की सशस्त्र सेनाओं के संयुक्त दस्ते में थलसेना से असम रेजिमेंट, भारतीय नौसेना, वायुसेना के जवान समेत आईएनएस त्रिकंद पोत और एक सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान शामिल है। क्रियोल भाषा में लामितिये का अर्थ मित्रता होता है। मूलरूप से ये एक द्विवार्षिक युद्धाभ्यास है। जिसका 2001 से सेशेल्स में ही आयोजन किया जा रहा है।

तालमेल व रक्षा सहयोग बढ़ेगा

मंत्रालय ने युद्धाभ्यास में दोनों देशों की सेनाएं एक साथ कई सैन्य गतिविधियों का अभ्यास करेंगी। जिससे उनके बीच अर्ध-शहरी वातावरण में अपरंपरागत अभियानों के क्षेत्र में तालमेल बढ़ाना और शांति स्थापना अभियानों के दौरान अंतर संचालनीयता को बढ़ावा देना है। दोनों के बीच आपसी कौशल, अनुभव और अच्छी प्रथाओं के आदान-प्रदान के साथ ही सैन्य सहयोग को भी मजबूती मिलेगी। 12 दिवसीय अभ्यास में क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास, युद्ध संबंधी चर्चाएं, केस स्टडी, व्याख्यान और प्रदर्शन शामिल होंगे। जिसमें दो दिनी सत्यापन अभ्यास भी शामिल रहेगा। साथ ही दोनों सेनाओं द्वारा नई पीढ़ी के उपकरणों और प्रौद्योगिकी के उपयोग व प्रदर्शन का नजारा भी प्रस्तुत किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा के लिए भारत-मलावी साझेदारी पर हो रहा अमल

अफ्रीकी देश मलावी में पड़ा सूखा, भारत ने 1,000 मीट्रिक टन चावल भेजा

- *मलावी में 40 लाख से ज्यादा लोग राशन के इंतजार में हैं*
- *अल नीनो की वजह से मलावी में अनियमित बारिश हो रही है*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अफ्रीकी देश मलावी में अल नीनो की वजह से भारी सूखा पड़ा है। ऐसे हालात में भारत ने मलावी को 1,000 मीट्रिक टन चावल की मानवीय मदद भेजी है। भारत ने इस कदम के साथ ही ग्लोबल साउथ में साझेदारों का समर्थन करने और साउथ-साउथ सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, खाद्य सुरक्षा के लिए भारत-मलावी साझेदारी। अल नीनो के असर से आए सुखाड़ के बाद खाद्य सुरक्षा के लिए मलावी की कोशिशों का समर्थन करने के लिए, भारत ने न्हावा शेवा पोर्ट से मलावी के लोगों के लिए 1,000 मीट्रिक टन चावल की मानवीय खेप भेजी है। यह ग्लोबल साउथ में पार्टनर्स को सपोर्ट करने और साउथ-साउथ सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने के लिए भारत की लगातार प्रतिबद्धता को दिखाता है। बता दें, मलावी में 40 लाख से ज्यादा लोग (आबादी का 20 प्रतिशत) खाने की बहुत ज्यादा कमी का सामना कर रहे हैं, जिससे कुपोषण बढ़ रहा है और परिवार खाना छोड़ रहे हैं। अल नीनो की वजह से मलावी में अनियमित बारिश हो रही है और चिलवा झील जैसे बड़े पानी के स्त्रोत सूख गए हैं। वहीं, मलावी सरकार ने आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। बता दें, पिछले साल अक्टूबर में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने जॉर्ज चापोंडा को मलावी के विदेश मंत्री के तौर पर उनकी नियुक्ति पर बधाई दी थी। जयशंकर ने कहा कि वह भारत और मलावी के बीच द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, जॉर्ज चापोंडा को मलावी रिपब्लिक के विदेश मंत्री के तौर पर उनकी नियुक्ति पर बधाई। भारत के साथ उनके करीबी संबंध को देखते हुए, हम अपने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।

मलावी के नए राष्ट्रपति पीटर मुथारिका की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के पुराने सदस्य जॉर्ज चापोंडा को वहां का विदेश मंत्री नियुक्त किया गया था। भारत और मलावी के बीच अच्छे द्विपक्षीय संबंध हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक नियमित उच्चस्तरीय बातचीत से भारत और मलावी के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं।

2024 में मलावी गई थीं राष्ट्रपति मुर्मू

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी 2024 में मलावी के राजकीय दौरे पर गई थीं। राष्ट्रपति भवन की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने तत्कालीन मलावी समकक्ष लाजरस मैकार्थी चकवेरा से मुलाकात की और भारत-मलावी संबंधों को और गहरा करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की थी। इसके साथ ही उन्होंने कला और संस्कृति, युवा मामलों, खेल और फार्मास्यूटिकल सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए थे। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने लिलोंग्वे में नेशनल वॉर मेमोरियल का दौरा किया और पहले और दूसरे विश्व युद्ध और दूसरे सैन्य अभियानों के दौरान अपनी जान देने वाले सैनिकों और नागरिकों को पुष्पांजलि अर्पित की थी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109